प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...

वर्ष - 10 अंक 04, 04 मई से 10 मई 2025 मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8

मॉनी रॉय ने साझा किया डरावना अनुभव 3

भारत का एक और कड़ा एक्शन, सभी तरह की आदान-प्रदान रोके गए

पाक से आयात पर रोक, डाक-पार्सल सेवा बंद, जहाजों के प्रवेश पर पाबंदी

नई दिल्ली

भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच हवाई और जमीनी मार्गों के माध्यम से पड़ोसी देश के साथ सभी श्रेणियों के डाक और पार्सल का आदान-प्रदान शनिवार को बंद कर दिया। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। सेवाओं को बंद करने का आदेश डाक विभाग द्वारा जारी किया गया, जो संचार मंत्रालय के अधीन कार्य करता है। आदेश में कहा गया, भारत ने हवाई और जमीनी मार्गों के माध्यम से पाकिस्तान के साथ सभी श्रेणियों के डाक और पार्सल का आदान-प्रदान स्थगित करने का फैसला किया है। वहीं, नौवहन महानिदेशालय (डीजीएस) के अनुसार, भारतीय बंदरगाहों में पाकिस्तानी जहाजों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के अलावा, भारत ने भारतीय जहाजों को पाकिस्तानी बंदरगाहों पर जाने से भी रोक दिया है।

पहलगाम आतंकवादी हमले के सीमा पार संबंधों के मद्देनजर इस्लामाबाद के खिलाफ नए दंडात्मक कदम के रूप में भारत ने शनिवार को पाकिस्तान के साथ सभी डाक सेवाएं स्थगित कर दीं। भारतीय बंदरगाहों पर पाकिस्तानी झंडे वाले जहाजों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके अलावा पाकिस्तान से आने वाली चीजों पर अब पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। यह पाकिस्तान पर गहरी चोट है।

पीएम मोदी से मिले उमर कश्मीर के हालात में मंथन

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान उमर अब्दुल्ला ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले समेत अलग-अलग मुद्दों पर उनके साथ चर्चा की।

भारत से क्या-क्या चीजें जाती थीं

दोनों देशों के बीच व्यापार प्रतिबंध होने से पहले भारत मुख्य रूप से कपास, केमिकल, फूड प्रोडक्ट्स, दवाइयां और मसाले निर्यात करता था। इसके अलावा, चाय, कॉफी, रंग, प्याज, टमाटर, लोहा, इस्पात, चीनी, नमक और ऑटो पार्ट्स जैसी चीजें भी तीसरे देशों के माध्यम से भेजता था।

बंदरगाह पर पाकिस्तान जहाजों को भी किया बैन

भारत सरकार के शिपिंग महानिदेशालय ने पाकिस्तान के झंडे वाले जहाजों को किसी भी भारतीय बंदरगाह पर जाने से प्रतिबंधित करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही, भारतीय झंडे वाले जहाजों को पाक के किसी भी बंदरगाह पर जाने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

कोलंबो में विमान की तलाशी

पहलगाम हमले से जुड़े कुछ संदिग्ध आतंकी चेन्नई से कोलंबो भागने की कोशिश कर सकते हैं। इसी सूचना के आधार पर चेन्नई से श्रीलंकाई एयरलाइंस की फ्लाइट यूएल 122 को शनिवार को कोलंबो के बंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विशेष सुरक्षा जांच के लिए रोका गया। इसके तुरंत बाद दिल्ली से कोलंबो हवाई अड्डे को 'अलर्ट' पर रखा गया।

आतंकवाद मानवता के लिए खतरा है

निर्णायक कार्रवाई करेंगे: पीएम मोदी

नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति राष्ट्रपति लौरेंको और अंगोला की संवेदनाओं के लिए मैंने उनका आभार व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद हाउस में अंगोला के राष्ट्रपति लौरेंको के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद संबोधन में यह बात कही।

आतंकवाद के मुद्दे पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हम एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति राष्ट्रपति लोरेंसू और अंगोला की संवेदनाओं के लिए मैंने उनका आभार व्यक्त किया। हम आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों के खिलाफ ठोस और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में अंगोला के समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की ओर से, मैं अंगोला को अफ्रीकन यूनियन की अध्यक्षता के लिए शुभकामनाएं देता हूं। हमारे लिए यह गौरव की बात है कि भारत की जी 20 अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकन यूनियन को जी 20 की स्थायी सदस्यता मिली। भारत और अफ्रीका के देशों ने कोलोनियल शासन के खिलाफ एक सुर में आवाज उठाई थी। एक दूसरे को प्रेरित किया था। आज हम ग्लोबल साउथ के हितों, उनकी आशाओं, अपेक्षाओं और आकांक्षाओं की आवाज बनकर एक साथ खड़े रहे हैं । अंगोला के राष्ट्रपति भारत दौरे पर हैं। शनिवार को अंगोला के राष्ट्रपति के साथ साझा प्रेस वार्ता में पीएम मोदी ने कहा कि 'मैं राष्ट्रपति लोरेंसू और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में हार्दिक स्वागत करता हूं। यह एक ऐतिहासिक पल है। 38 वर्षों के बाद, अंगोला के राष्ट्रपति की भारत यात्रा हो रही है। उनकी इस यात्रा से, न केवल भारत-अंगोला संबंधों को नई दिशा और गति मिल रही है, बल्कि भारत और अफ्रीका साझेदारी को भी बल मिल रहा है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि 'इस वर्ष, भारत और अंगोला अपने राजनयिक संबंधों की 40वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। लेकिन हमारे संबंध, उससे भी बहुत पुराने हैं, बहुत गहरे हैं। जब अंगोला आजादी के लिए संघर्ष कर रहा था, तो भारत भी पूरी आस्था और मित्रतापूर्ण संबंधों के साथ अंगोला के साथ खड़ा था।'

अंगोला की सशस्त्र सेनाओं की ट्रेनिंग में सहयोग करने में हमें खुशी होगी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी है कि अंगोला की सेनाओं के आधुनिकीकरण के लिए 20 करोड़ डॉलर की डिफेन्स क्रेडिट लाइन को स्वीकृति दी गई है। रक्षा प्लेटफॉर्म्स की मरम्मत और बदलाव और सप्लाई पर भी बात हुई है। अंगोला की सशस्त्र सेनाओं की ट्रेनिंग में सहयोग करने में हमें खुशी होगी। साथ ही डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, स्पेस तकनीक, क्षमता निर्माण के क्षेत्र में अंगोला के साथ अपनी क्षमताएं साझा करेंगे। हम स्वास्थ्य, डायमंड प्रोसेसिंग, फर्टिलाइजर और अहम खनिज क्षेत्रों में भी सहयोग मजबूत करेंगे।'

गंगा एक्सप्रेसवे पर लड़ाकू विमानों की नाइट लैंडिंग

■ शाहजहांपुर

शाहजहांपुर के जलालाबाद में वायुसेना ने शुक्रवार को गंगा एक्सप्रेसवे पर दिन में अपनी शक्ति प्रदर्शन किया। रात में एक्सप्रेसवे पर लड़ाकू विमानों की लैंडिंग कराकर नया कीर्तिमान रच दिया। देश में पहली बार किसी एक्सप्रेसवे पर लड़ाकू विमानों की नाइट लैंडिंग हुई है।

पाकिस्तान से तनाव के बीच भारतीय वायुसेना ने शुक्रवार को गंगा एक्सप्रेसवे पर अपना पराक्रम दिखाया। आसमान का सीना चीरते हुए राफेल, सुखोई-30, जगुआर, मिग-29 और सुपर हरक्यूलिस विमानों ने गंगा एक्सप्रेसवे पर जलालाबाद के पीरू गांव के पास बनी हवाई पट्टी को चूमा। इसी के साथ भारतीय वायुसेना के इतिहास में गौरव का एक और अध्याय जुड़ गया। अब भारत भी एक्सप्रेसवे पर लड़ाकू विमानों की नाइट लैंडिंग कराने वाले देशों के क्लब में शामिल हो गया है। पूर्वाह्न 11:30 बजे प्रस्तावित एयर शो खराब मौसम के कारण करीब एक घंटे विलंब से शुरू हुआ।

तालियों की गड़गड़ाहट के बीच लड़ाकू विमानों की गर्जना ने वहां मौजूद लोगों के दिलों में रोमांच पैदा कर दिया। बरेली के त्रिशूल एयरबेस से उड़ान भरने के बाद वायुसेना के विमान और हेलिकॉप्टर गंगा एक्सप्रेसवे की हवाई पट्टी पर टच एंड गो करते रहे। एमआई-17 वी-5 हेलिकॉप्टर से जवानों ने रस्सी के सहारे नीचे उतरने का अभ्यास किया।

दुनिया के ऐसे 5 भयानक युद्ध, जिसमें पूरा का पूरा देश ही हो गया तबाह; भारत ने भी दिखाई थी ताकत

कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसा माहौल नजर आने लगा है। भारत जहां पाकिस्तान में मौजूद आतंकियों को सबक सिखाने के लिए अपनी कमर कस लिया है तो वहीं पाकिस्तान अपनी गीदड़ भभकी करने से बिल्कुल बाज नहीं आ रहा है। फिलहाल, 30 अप्रैल 1975 को वियतनाम का युद्ध खत्म हुआ था, जो 1 नवंबर 1955 से शुरू हुआ था। हम आपको दुनिया की पांच उन युद्धों के बारे में बताते हैं जिसमें पूरा देश ही तबाह हो गया।

वियतनाम युद्ध (1955-1975)

वियतनाम युद्ध शीत युद्ध का हिस्सा था. कम्युनिस्ट उत्तर वियतनाम ने गैर-

कम्युनिस्ट दक्षिण वियतनाम पर हमला किया। अमेरिका 1961 में युद्ध में शामिल हुआ और 1973 में सैनिकों को वापस बुलाया। 1975 में, उत्तर वियतनाम ने दक्षिण पर कब्जा कर लिया। इस युद्ध में लाखों लोग मारे गए।

भारत ने दिखाया दमखम, बांग्लादेश स्वतंत्रता संग्राम (1971)

1971 में पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) और पश्चिमी पाकिस्तान (अब पाकिस्तान) के बीच नौ महीने का युद्ध हुआ। भारत ने, शरणार्थियों की समस्या के कारण हस्तक्षेप किया। दिसंबर 1971 में पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया, जिससे भारत-पाक युद्ध शुरू हुआ। भारतीय सेना ने पाकिस्तान पर हावी होकर 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया। यह युद्ध बांग्लादेश की स्वतंत्रता के साथ खत्म हुआ।

अफगानिस्तान युद्ध (2001-2021)

9/11 हमले के बाद अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र गठबंधन ने

अफगानिस्तान पर हमला किया क्योंकि तालिबान ने ओसामा बिन लादेन को सौंपने से इनकार कर दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने हमले की अनुमति दी। तालिबान सरकार गिरा दी गई, लेकिन तालिबान ने फिर से हमले शुरू किए। 2011 में अमेरिका ने पाकिस्तान में ओसामा को मार गिराया। 2021 में राष्ट्रपति बाइडेन ने सभी अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने की घोषणा की। 15 अगस्त 2021 को तालिबान ने काबुल पर कब्जा कर लिया।

कोरियाई युद्ध (1950-1953)

25 जून 1950 को नॉर्थ कोरिया ने सोवियत संघ की सलाह पर साउथ कोरिया

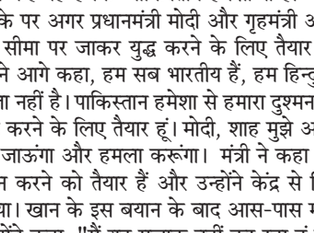

पर हमला किया। नॉर्थ कोरिया का लक्ष्य पूरे कोरिया को कम्युनिस्ट शासन में लाना था। संयुक्त राष्ट्र अमेरिका साउथ कोरिया की मदद के लिए आया। चीन ने नॉर्थ कोरिया का साथ दिया। इस युद्ध में लगभग 25 लाख लोग मारे गए। जुलाई 1953 में युद्ध खत्म हुआ, लेकिन कोरिया आज भी दो हिस्सों में बंटा है। यह युद्ध शीत युद्ध के दौरान अमेरिका और रूस के बीच बड़ा संघर्ष था।

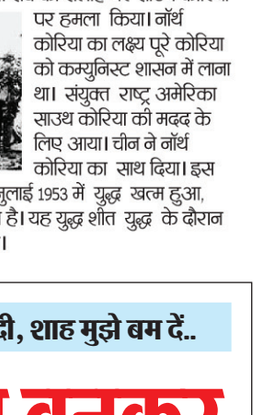

इराक युद्ध (2003-2011)

2003 में अमेरिका और ब्रिटेन ने इराक पर हमला किया ताकि कथित सामूहिक विनाश के हथियार नष्ट किए जाएं और सद्दाम हुसैन का शासन खत्म हो। हथियारों की खबर गलत निकली, जिससे इराक में हिंसा बढ़ी। सद्दाम को पकड़कर फांसी दी गई। 2011 में राष्ट्रपति ओबामा ने अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाया, जिससे नौ साल का युद्ध खत्म हुआ।

पहलगाम आतंकी हमले से पहले पर्यटकों को

निशाना बनाए जाने के मिले थे खुफिया इनपुट, कहां हुई चूक?

■ नई दिल्ली/श्रीनगर

पहलगाम टेरर अटैक में 26 पर्यटकों की जान चली गई। इस घटना से कुछ दिन पहले खुफिया एजेंसियों ने श्रीनगर के पास के इलाकों में पर्यटकों पर हमले की चेतावनी दी थी। पीटीआई के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि खतरे को देखते हुए सुरक्षा बल पहले से ही सतर्क थे। पीएम नरेंद्र मोदी का कश्मीर दौरा होने वाला था, जिसे बाधित करने के लिए यह हमला किया गया। हमले के बाद सरकार ने तुरंत कार्रवाई की और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि आतंकियों के पास आधुनिक हथियार थे। जो अफगानिस्तान में छोड़े गए NATO के हथियारों से लिए गए हो सकते हैं। अधिकारियों ने पर्यटन को शांति का पैमाना मानने से इनकार किया है। उनका कहना है कि पर्यटन एक आर्थिक गतिविधि है। इसे सामान्य स्थिति का संकेत नहीं मानना चाहिए।

खुफिया एजेंसियों ने पहले ही बता दिया था कि श्रीनगर के पास पर्यटकों पर हमला हो सकता है। इसके बाद सुरक्षा बलों ने दाचीगाम और निशात जैसे इलाकों में गश्त बढ़ा दी थी। श्रीनगर में पुलिस के बड़े अधिकारी भी तैनात किए गए थे। पिछले साल अक्टूबर में गंगानगर, सोनमर्ग में हुए हमले के बाद सुरक्षा और कड़ी कर दी गई थी। उस हमले में सात लोगों की जान चली गई थी। खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने दो हफ्ते तक तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। जिस दिन यह अभियान बंद कर दिया गया, उसी दिन पहलगाम में हमला हुआ। अधिकारियों का मानना है कि आतंकियों का मकसद पीएम नरेंद्र मोदी के दौरे को रोकना था। पीएम मोदी कटरा से श्रीनगर के लिए पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाने वाले थे। इस घटना को कश्मीर को देश के साथ जोड़ने के तौर पर देखा जा रहा था। हालांकि खराब मौसम के कारण पीएम का दौरा 19 अप्रैल को टल गया था। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान में बैठे आतंकी चाहते थे कि हिंसा से इस दौरे को खराब कर दिया जाए।

शुरूआती जांच में पता चला है कि दो स्थानीय आतंकी पहलगाम में पर्यटकों के साथ घुलमिल गए थे। जब गोलीबारी शुरू हुई, तो उन्होंने पर्यटकों को एक फूड कोर्ट में इकट्ठा किया। जहां दो पाकिस्तानी आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जहां कथित तौर पर पाकिस्तान मूल के दो अन्य आतंकवादियों ने गोलीबारी करके उनमें से 26 को मार डाला। अधिकारियों का मानना है कि इस हमले का मकसद लोगों में डर पैदा करना और भारत के अन्य हिस्सों में कश्मीरियों के खिलाफ बदले की भावना भड़काना था।

बैसरन को पर्यटकों के लिए बंद करने की चिंताओं पर अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह अमरनाथ यात्रा और बर्फबारी के दौरान को छोड़कर पूरे साल खुला रहता है। पिछले साल पर्यटक गतिविधियों के लिए एक ठेका दिया गया था और एक जिपलाइन जैसी नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं।

आतंकवाद के बदलते स्वरूप पर भी चिंता जताई

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने तुरंत कार्रवाई की और नई दिल्ली के साथ मिलकर काम किया। उन्होंने राज्यों से कश्मीरी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कहा। सुरक्षा अधिकारियों ने जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद के बदलते स्वरूप पर भी चिंता जताई है। उन्होंने बताया कि आतंकियों से ट-सीरीज की राइफलें और कवच भेदने वाली गोलियां बरामद हुई हैं। माना जा रहा है कि ये हथियार अफगानिस्तान में छोड़े गए ठअळड के हथियारों से लिए गए हैं।

पर्यटकों की संख्या शांति का पैमाना नहीं

अधिकारियों ने पर्यटकों की संख्या को शांति का पैमाना मानने के खिलाफ चेतावनी दी है। उन्होंने 2006 की घटना का हवाला दिया। जिसमें श्रीनगर में चार पर्यटकों की हत्या कर दी गई थी। यह घटना तब हुई थी जब एक पूर्व मुख्यमंत्री ने पर्यटकों की बढ़ती संख्या के आधार पर शांति का दावा किया था। एक अधिकारी ने कहा कि पर्यटन को एक आर्थिक गतिविधि के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि संघर्ष क्षेत्र में सामान्य स्थिति के माप के रूप में।

कर्नाटक के मंत्री की गुहार: 'मोदी, शाह मुझे बम दें..

मैं फिदायीन बनकर पाकिस्तान पर हमला करूंगा'

नई दिल्ली

कर्नाटक के आवास और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बी.जेड. जमीर अहमद खान का एक हालिया बयान चर्चा का विषय बन गया है। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच पैदा हुए तनाव को बीच मंत्री जमीर अहमद खान का कहना है कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह उन्हें अनुमति दें तो वे पड़ोसी देश से जंग के लिए खुद ही फिदायीन हमलावर बनकर जाने के लिए तैयार हूं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दिया गया उनका यह नाटकीय बयान तुरंत वायरल हो गया और राजनीतिक हलकों में इस पर तीखी प्रतिक्रिया हुई। वायरल हो रही वीडियो में कर्नाटक सरकार के मंत्री जमीर खान कह रहे है कि पाकिस्तान हमेशा से ही भारत का दुश्मन रहा है। ऐसे दुख के मौके पर अगर प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह मुझे मौका देते हैं तो मैं खुद सीमा पर जाकर युद्ध करने के लिए तैयार हूं। जमीर खान यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा, हम सब भारतीय हैं, हम हिन्दुस्तानी हैं। हमारा पाकिस्तान से कोई नाता नहीं है। पाकिस्तान हमेशा से हमारा दुश्मन मुल्क रहा है। मैं पाकिस्तान जाकर युद्ध करने के लिए तैयार हूं। मोदी, शाह मुझे आत्मघाती बम दें, मैं बांधकर पाकिस्तान जाऊंगा और हमला करूंगा। मंत्री ने कहा कि वह देश के लिए अपनी जान कुर्बान करने को तैयार हैं और उन्होंने केंद्र से निर्णायक कार्रवाई करने का आग्रह किया। खान के इस बयान के बाद आस-पास मौजूद सभी लोग हंसने लगे, लेकिन उन्होंने कहा, "मैं यह मजाक नहीं कर रहा हूं या इसे मजाकिया अंदाज में नहीं कह रहा हूं, मैं इसे लेकर बहुत गंभीर हूं।

सम्पादकीय

जातिगत जनगणना

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्र सरकार द्वारा जातिगत जनगणना कराने की घोषणा करते हुए कहा कि जनगणना केंद्र के अधिकार क्षेत्र में आती है लेकिन कुछ राज्यों ने सर्वेक्षण के नाम पर जातिगत गणना गैर-पारदर्शी तरीके से की, जिससे समाज में संदेह पैदा हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने रेखांकित किया कि देश की आजादी के बाद से अब तक की सभी जनगणनाओं में जाति को बाहर रखा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकारों ने हमेशा जाति गणना का विरोध किया और इस मुद्दे का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के रूप में किया। वैष्णव ने कहा कि इन सभी तथ्यों पर विचार करते हुए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि राजनीति के कारण सामाजिक ताना-बाना प्रभावित न हो, सर्वेक्षणों के बजाय जाति गणना को पारदर्शी तरीके से जनगणना में शामिल करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि इससे हमारे समाज का सामाजिक, आर्थिक ढांचा मजबूत होगा और राष्ट्र भी प्रगति करता रहेगा। मंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों ने राजनीतिक कारणों से जाति आधारित सर्वेक्षण किए हैं। गौर हो कि कांग्रेस सहित विपक्षी दल देशव्यापी जाति गणना कराने की मांग करते रहे हैं। विपक्षी इंडिया ने पिछले चुनावों में इसे एक प्रमुख मुद्दा बनाया था। तत्कालीन महागठबंधन सरकार के दौरान बिहार, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे कुछ गैर-भाजपाई

आलोक सोलंकी

राज्यों में जाति आधारित सर्वेक्षण भी कराए गये। देश में हर 10 साल के अंतराल पर होने वाली जनगणना अप्रैल 2020 में शुरू होनी थी, लेकिन कोविड महामारी के कारण इसमें देरी हुई। विपक्षी दल सरकार के जातिगत जनगणना कराने के निर्णय को इंडिया गठबंधन की जीत करार दे रहे हैं। वहीं भाजपा व उसके सहयोगी दल इसे राष्ट्रहित में उठाया एक ऐतिहासिक कदम कह रहे हैं। पिछले लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी लगातार जातिगत जनगणना की मांग करते चले आ रहे हैं। चुनावों के दौरान जातिगत जनगणना एक मुद्दे के तौर पर सामने भी आई है। राहुल गांधी द्वारा उठाए इस मुद्दे का राजनीतिक दबाव मोदी सरकार पर बढ़ने लगा था। अब आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए व 2029 के लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने जातिगत जनगणना कराने की घोषणा कर जो दबाव राहुल गांधी व उनके सहयोगी सरकार व भाजपा पर बनाना चाहते थे, उसे मोदी सरकार के इस निर्णय ने एक प्रकार से कम कर दिया है। अब राहुल गांधी ने सरकार से मांग की है कि हमें तिथि बताई जाए और यह जनगणना किस प्रकार होगी यह भी बताया जाए। गौरतलब है कि देश में स्वतंत्रता के पश्चात पहली बार जातिगत जनगणना होने जा रही है। जातिगत जनगणना के आधार पर ही भविष्य में कल्याणकारी योजनाओं का आधार तय होगा। 50 प्रतिशत आरक्षण को लेकर पुनः विचार हो सकेगा। जातियों में भी जो अति पिछड़ी जातियां हैं उनका पता चलेगा। इसके साथ-साथ देश की राजनीति में बुनियादी बदलाव का आधार भी जातिगत जनगणना बन जाएगी। जाति आधारित राजनीति के कारण समाज के विभाजित होने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। जातिगत जनगणना को ईमानदारी से लागू किया गया तो यह देशहित में कदम रहेगा। अगर तुष्टिकरण की राजनीति शुरू हुई तो हानि होने की संभावना अधिक होगी। इसके साथ-साथ यह भी प्रश्न उठ रहा है कि क्या जातिगत जनगणना मुस्लिम व ईसाई समाज सहित अन्य धर्मों के लिए भी होगी या केवल हिन्दू समाज में ही होगी। धरातल का सत्य यह है कि भारत में सभी समुदाय और सभी धर्मों में जाति प्रथा आज भी प्रचलित है। उपरोक्त सभी पहलुओं पर गंभीरतापूर्वक विचार कर आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

कबाड़ से जुगाड़ के नवाचार की सौन्दर्यमयी चमक

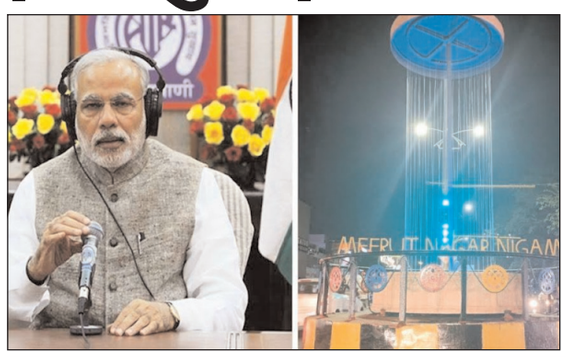

कबाड़ से जुगाड़ सिर्फ. एक तरीका नहीं, बल्कि एक रचनात्मक दर्शन है जो संसाधनशीलता और नवाचार को बढ़ावा देता है। यह अपसाइकल की गई रचनाओं और सरल समाधानों के माध्यम से अपरंपरागत सोच की शक्ति का प्रमाण है। कबाड़ से जुगाड़ का दर्शन बेकार वस्तुओं को उपयोगी बनाने और संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने पर जोर देता है। यह दर्शन हमें नए और रचनात्मक समाधान खोजने के लिए प्रेरित करता है, जो मौजूदा समस्याओं को हल करने में मदद करते हैं और इससे कचरे को कम करने और पर्यावरण को बचाने में मदद मिलती है। यह आत्मनिर्भरता का भी दर्शन है, जो हमें अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए खुद पर निर्भर रहने के लिए प्रोत्साहित करता है, यह दर्शन जटिल समस्याओं के लिए सरल और व्यावहारिक समाधान खोजने पर जोर देता है।

ललित गर्ग

जुगाड़ एक बोलचाल का हिंदी शब्द है जिसका मतलब है अपरंपरागत, किफायती नवाचार। कबाड़ से बने म्यूरल, पार्क और अन्य कलाकृतियां कबाड़ से जुगाड़ के उपक्रम को दशार्ती हैं। कबाड़ से बनाए गए टेलीस्कोप, लेजर लाइट ब्लोइंग कार, वाटर प्यूरीफायर आदि कबाड़ से जुगाड़ के उदाहरण है। चंडीगढ़ का रॉक गार्डन, जुन्नारदेव जनपद पंचायत के बरेलीपार गांव के ग्रामीणों का कबाड से बना स्वच्छता पार्क एवं मेरठ का कबाड़ से जुगाड़ अभियान ऐसे विरल एवं अनुकरणीय उदाहरण हैं जो राष्ट्रीय फलक पर चमक रहे हैं। कबाड़ से जुगाड़ बेकार की वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएं बनाने की एक प्रक्रिया है। कबाड़ से जुगाड़ ना केवल हमारे पर्यावरण के संरक्षण के लिए बहुत सहायक है बल्कि यह अनुपयोगी वस्तुओं के निपटान का भी एक सटीक उपाय है। इसके माध्यम से हम ऐसी अनुपयोगी वस्तुओं को फेंकने की जगह उनसे कुछ उपयोगी वस्तुएं बना सकते हैं।

> जुगाड़ एक बोलचाल का हिंदी शब्द है जिसका मतलब है अपरंपरागत, किफायती नवाचार। कबाड़ से बने म्यूरल, पार्क और अन्य कलाकृतियां कबाड़ से जुगाड़ के उपक्रम को दशार्ती हैं। कबाड़ से बनाए गए टेलीस्कोप, लेजर लाइट ब्लोइंग कार, वाटर प्यूरीफायर आदि कबाड़ से जुगाड़ के उदाहरण है। चंडीगढ़ का रॉक गार्डन, जुन्नारदेव जनपद पंचायत के बरेलीपार गांव के ग्रामीणों का कबाड से बना स्वच्छता पार्क एवं मेरठ का कबाड़ से जुगाड़ अभियान ऐसे विरल एवं अनुकरणीय उदाहरण हैं जो राष्ट्रीय फलक पर चमक रहे हैं। कबाड़ से जुगाड़ बेकार की वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएं बनाने की एक प्रक्रिया है। कबाड़ से जुगाड़ ना केवल हमारे पर्यावरण के संरक्षण के लिए बहुत सहायक है बल्कि यह अनुपयोगी वस्तुओं के निपटान का भी एक सटीक उपाय है।

कबाड़ से जुगाड़ के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को एक नया आयाम दिया जा सकता है, जो. रचनात्मकता एवं सृजनात्मकता की दिशा में उठाया गया एक सार्थक कदम है। हम भारतवासी वैसे भी जुगाड़ू होते हैं जो अपना काम बनाने के लिए हर जगह कुछ ना कुछ जुगाड़ कर लेते हैं। यदि हम अपनी रचनात्मकता कबाड़ से जुगाड़ में लगाएं तो दिनों दिन बढ़ते जा रहे कचरे के निपटान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इससे प्लास्टिक एवं ई-कचरे में निरंतर कमी आती जाएगी और पर्यावरण संरक्षण भी बढ़ेगा। संसाधनों पर वह भी बोझ कम पड़ेगा।

मेरठ का कबाड़ से जुगाड़ अभियान अब राष्ट्रीय फलक तक चमका, एक सकारात्मक सोच एवं सृजन का अनूठा उदाहरण बन गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात के 93वें संस्करण में योगी आदित्यनाथ सरकार के इस प्रयास की काफी सराहना की। शहरों को संवारने के प्रदेश सरकार के सपनों को साकार करते हुए मेरठ नगर निगम ने निष्प्रयोज्य वस्तुओं से कम लागत में ही शहर की आभा में चार चांद लगा दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह प्रयास पर्यावरण की सुरक्षा और शहर के सुंदरीकरण से जुड़ा है। निष्प्रयोज्य वस्तुएं स्क्रैप, पुराने टायर, कबाड़, खराब ड्रम से भी कम खर्चे में कैसे शहर को संवारा जा सकता है, मेरठ इसकी बानगी है। कम खर्चे में सावर्जनिक स्थलों का सुंदरीकरण कैसे हो, यह अभियान इसकी मिसाल है। खराब पड़ी चीजों का प्रयोग कर शहर को सजाया गया। गांधी आश्रम चौराहा, गढ़ रोड पर लोहे के स्क्रैप, पुराने पहियों से फाउंटेन निर्मित कराया गया। सर्किट हाउस चौराहे पर लाइट ट्री, पुराने बेकार ड्रमों से स्ट्रीट इंस्टलेशन, हाथ ठेली के बेकार पहियों से बैरिकेडिंग कर मिनी व्हील पार्क, जेसीबी के पुराने टायरों से डिस्प्ले वॉल, पार्कों में बैठने के लिए स्टूल मेज आदि की व्यवस्था की गई। मेरठ नगर निगम ने शहर को चमकाने के लिए अनोखे प्रयोग किए, जो काफी सफल रहे।

दरअसल नगर निगम में बने गोदाम में पड़े कबाड़ की न तो उचित कीमत मिल रही थी और न ही इसका सही उपयोग एवं निपटान हो रहा था, पर योगी सरकार की पहल पर नगर आयुक्त अमित पाल शर्मा ने शहर को जगमगाने का निर्णय लिया। लाइटिंग वाला कृत्रिम पेड़ भी न सिर्फ लोगों को आकर्षित कर रहा है, बल्कि शहर की खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। इसकी आभा देख लोग निहाल और अर्चंभित हो रहे हैं।

कबाड़ से जुगाड़ का मतलब है बेकार पड़ी चीजों से कुछ उपयोगी या रचनात्मक बनाना, जैसे कि कचरे से सुंदर सजावटी वस्तुएं, या बेकार प्लास्टिक से जूते-चप्पल बनाना। ग्रामीणों ने कबाड़ से एक सुंदर स्वच्छता पार्क बनाया, जिसमें सजावटी वस्तुएं, आरामदायक बैठने की व्यवस्था और स्वच्छता से संबंधित कलाकृतियाँ शामिल हैं। बच्चों को सिखाने के लिए कबाड़ के सामान से खिलौने बनाए जा सकते हैं, जैसे कि टेलीस्कोप, लेजर लाइट ब्लोइंग कार, रबर बैंड नाव, टेबल लैंप, वाटर प्यूरीफायर आदि। बेकार लकड़ी, प्लास्टिक और अन्य सामग्रियों से फर्नीचर बनाया जा सकता है, जैसे कि टेबल, कुर्सी, और अलमारी। कबाड़ से कलाकृतियाँ बनाई जा सकती हैं, जैसे कि पेंटिंग, मूर्तिकला, और सजावटी वस्तुएं। पुराने कपड़ों से नए कपड़े या बैग बनाए जा सकते हैं। कबाड़ से खाद और अन्य उपयोगी चीजें बनाई जा सकती हैं, जो खेती के लिए उपयोगी हो सकती हैं। जयपुर फुट, यह एक कृत्रिम अंग है जो कम लागत में बनाया जाता है और यह जुगाड़ मानसिकता का एक बेहतरीन उदाहरण है। प्लास्टिक के कबाड़ को रिसाइकल करके उपयोगी चीजें बनाई जा सकती हैं, जैसे कि प्लास्टिक दाना जो फुटवियर फैक्ट्रियों में इस्तेमाल होता है। कबाड़ से विभिन्न उपकरण बनाए जा सकते हैं, जैसे कि पानी फिल्टर, यांत्रिक उपकरण आदि। कबाड़ से सजावटी वस्तुएं बनाई जा सकती हैं, जैसे कि विंड चाइम, फोटो फ्रेम, फूलों के गमले, आदि। जो सामान घर में उपयोग ना हो तो वह कबाड़ में तब्दील हो जाता है। इसके बाद उसे ऐसे ही बाहर फेंक दिया जाता है। अगर यही कबाड़ आपकी सेहत बनाने का काम करने के साथ ही गांव और शहर की सुंदरता में चार चांद लगा दे तो यह अपने आपमें चर्चा एवं अनुकरणीय उदाहरण बन जाता है। कुछ ऐसा ही किया है आदिवासी ग्राम पंचायत बरेलीपार के लोगों ने, खेतों में उपयोग होने वाले औजारों सहित घर की खराब वस्तुओं का उपयोग कर ग्रामीणों ने ऐसा काम किया कि जो भी देखता है तो दंग रह जाता है। कबाड़ से ग्रामीणों ने स्वच्छता पार्क बनाने के साथ ही हेलीकॉप्टर तक बना दिया। कबाड़ के जुगाड़ से ग्रामीणों ने सुंदर पार्क का निर्माण किया तो लोगों की सेहत बनाने में भी कारगर साबित हो रहा है।

आज दुनिया के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं, जिसमें से ई-वेस्ट एक नई उभरती विकराल एवं विध्वंसक समस्या भी है। दुनिया में हर साल 3 से 5 करोड़ टन ई-वेस्ट पैदा हो रहा है। ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर के मुताबिक भारत सालाना करीब 20 लाख टन ई-वेस्ट पैदा करता है और अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी के बाद ई-वेस्ट उत्पादक देशों में 5वें स्थान पर है। दुनिया डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं की ओर तेजी से बढ़ रही है, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधारित सेवाएं एवं इलेक्ट्रोनिक क्रांति ने लोगों के जीवन को आसान बना दिया है, लेकिन अर्थव्यवस्था एवं जीवन का डिजिटल अवतार इलेक्ट्रोनिक कचरे की शक्ल में एक नयी चुनौती एवं जटिल समस्या को लेकर आया है। घरों में इस्लेमाल होनेवाले कूलर, वाशिंग मशीन, एयर कंडीशनर जैसी वस्तुओं के अलावा कार्यालय में लैपटॉप, कम्पयूटर, मोबाइल, डिजिटल घड़ी, टीवी तय समय के बाद ई-कचरे में परिवर्तित हो जाते हैं। इस ई-कचरे का निपटान बड़ी समस्या है। इसी क्रम में पूर्व दिल्ली सरकार ने घोषणा की थी कि दिल्ली में भारत का पहला ई-कचरा इको-पार्क खोला जायेगा। 20 एकड़ में बनने वाले इस पार्क में बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक सामान, लैपटॉप, चार्जर, मोबाइल और पीसी से अनूठे एवं दर्शनीय चीजों को निर्मित किया जायेगा। इसी कड़ी में कानपुर में ई-वेस्ट प्रबंधन का एक बेहतरीन मॉडल सामने आया है। यहां जयपुर के एक कलाकार ने ई-वेस्ट से 10 फीट लंबी मूर्ति बनाई है। इसे बनाने में 250 डेस्कटॉप और 200 मदरबोर्ड, केबल और ऐसी अनेक खराब इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का इस्तेमाल किया गया है।

कांटे को कांटे से ही निकालना बेहतर है

अशोक मधुप

पुराना सिद्धांत है कि कांटा-कांटे से निकलता है तलवार या मिसाइल से नहीं। करना भी वही चाहिए। सिद्धांत के विपरीत जाने में ज्यादा नुकसान की ज्यादा संभावना रहती है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद आज देश गुस्से में है। देश की जनता चाहती है कि हमला कराने वाले पाकिस्तान से भारत बदला ले। पाकिस्तान को तहस-नहस कर दे। पाकिस्तान पर हमलाकर उसे सबक सिखाए। सरकार भी ही चाहती है। इसके लिए उसने सेना को फ्रीहैंड दे दिया। ऐसे में देश की जनता को चाहिए कि सरकार और सेना को सोचने, समझने और तैयारी करने का अवसर दे। हमले की तैयारी फुलप्रूफ हो कि दुश्मन को ज्यादा से ज्यादा नुकसान हो। हमले में अपने देश, देश के जवानों और सेना की कम से कम क्षति हो। हमले का बदला भी ले लिया जाए।

इतिहास गवाह है कि पहले भी हम अपना बहुत कम नुकसान कर दुश्मन का बड़ा नुकसान पहुंचा चुके हैं। इसके लिए पाकिस्तान में बने आंतकियों के लांचिंग पैड दो बार तबाह ही नहीं किए, वहां मौजूद आंतकियों का खात्मा भी दो बार पहले हो चुका है। भारतीय सेना के कमांडो ने 28 सितंबर 2016 की रात को गुलाम कश्मीर (पीओके) में दाखिल होकर आतंकी कैंपों में सर्जिकल स्ट्राइक की। यह कार्रवाई गुलाम कश्मीर (पीओके) के चार क्षेत्र भिंबर सेक्टर, तत्तापानी सेक्टर, लिपी सेक्टर व कैल सेक्टर में एक साथ हुई। पांच घंटे चली इस कार्रवाई में इन सेक्टरों में चल रहे छह आतंकी शिविर तबाह करने के साथ करीब 45 आतंकियों को मार गिराया गया। मिशन को अंजाम देकर सभी कमांडों सुरक्षित भारतीय क्षेत्र में लौट आए। अभियान में शामिल कमांडों की हेलमेट पर लगे विशेष कैमरों व ड्रोन की मदद से पूरे ऑपरेशन को कैद भी किया गया। 14 फरवरी 2019 को जम्मू और कश्मीर के पुलवामा में जोरदार विस्फोट हुआ था। निशाने पर था CRPF के 78 वाहनों का काफिला। विस्फोट में 40 जवान शहीद हो गए थे। दो सप्ताह बाद 26 फरवरी 2019 को भारतीय वायुसेना के मिराज-2000 विमानों ने रात के अंधेरे में नियंत्रण रेखा यानी

एसओसी पार कर पाकिस्तान के पूर्वोत्तर इलाके खैबर पख्तूनख्वाह के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के ट्रेनिंग कैम्पों पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी। भारत के तत्कालीन विदेश सचिव विजय गोखले ने कहा कि इस स्ट्राइक में बड़ी संख्या में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी, उनको प्रशिक्षण देने वाले, संगठन के बड़े कमांडर और फिदायीन हमलों के लिए तैयार हो रहे जिहादियों को खत्म कर दिया गया। अगले दिन पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की कोशिश की। भारत ने दावा किया कि डॉग-फाइट में भारतीय वायुसेना के मिग-21 ने पाकिस्तानी वायुसेना के एफ-16 को मार गिराया। पाकिस्तान ने भी मिग-21 को मार गिराया और विंग कमांडर अभिनंदन को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, दबाव में दो दिन बाद उन्हें रिहा कर दिया गया।बदला लेने की तैयारी ऐसी ही हो ।अपना कम से कम नुकसान हो और दुशमन का बहुत ज्यादा।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान पर पांच तरफ से हमला बोला। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घोषणा कर चुकें है कि इसका बदला लिया जाएगा। दुश्मन को माफ नही किया जाएगा। उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। भारत सरकार सिंधु जल संधि, अटारी सीमा और वीजा संबंधी सेवाएं बंद करने का फैसला कर चुकी है। पूरे विश्व में पाकिस्तान का चरित्र उजागर करने में भारत का विदेश मंत्रालय लगा है। भारत दुनिया भर के देशों को इस बात के सबूत देने में लगा है कि पाकिस्तान भारत में आतंकवाद फैला रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी कबूल कर चुके हैं कि पाकिस्तान तीन दशक से आतंकवाद बढ़ाने में लगा है। एक इंटरव्यू में आसिफ ने कहा था, हम लगभग तीन दशकों से संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) और ब्रिटेन सहित पश्चिम के लिए आंतकवाद फैलाने का यह गंदा काम कर रहे हैं। इस सबके बीच अब सरकार ने पाकिस्तान पर सोशल स्ट्राइक कर हमला बोला है। भारत में पाकिस्तान के 16 यूटयूब चैनल बंद किए जा चुकें हैं। आसिफ के एक्स अकाउंट को बैन करने का यह कदम भारत द्वारा 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगाने के ठीक एक दिन बाद उठाया गया। बैन किए गए पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों का सब्सक्राइबर बेस 63 मिलियन है।ये चैनल भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री फैला रहे थे। ब्लॉक किए गए कुछ प्रमुख पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों में डॉन न्यूज, एआरवाई न्यूज, बोल न्यूज, जियो न्यूज, समा टीवी और जीएनएन शामिल हैं।

हाल के पहलगांव में हुए इस दुर्दांत हमले के बाद से भारत की जनता में आक्रोश है। साथ ही साथ पीएम मोदी और देश की तमाम राजनीतिक पार्टियां एक मंच पर आकर पाकिस्तान को सबक सिखाने की बात कह रही है। इस हमले के कुछ ही दिन बात पीएम मोदी ने बिहार की धरती मधुबनी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के आकाओं और आतंकियों को ये खुले शब्दों में चेतावनी देती हुए कहा है, ह्यआतंकियों को ऐसी सजा मिलेगी जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की होगी। सब बदला चाहते हैं किंतु जोश मे होश खोना ठीक नहीं। हमें ऐसा काम करना चाहिए कि हमारा नुकसान कम से कम हो और दुश्मन का ज्यादा से ज्यादा । उधर भारत सरकार ने इस घटना का बदला लेने के लिए सेना को फ्री हैंड दे दिया है। प्रधानमंत्री मोदी की सेना को फ्री हैंड देने की घोषणा का मतलब है कि अब भारतीय सेना आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्वतंत्र होगी। अब उसे इसके लिए किसी राजनैतिक से अनुमति की जरूरत नही होगी।

सरकार ने जहां आंतकवाद को प्रश्य देने वाले पाकिस्तान को नुकसान पहुंचाने के लिए सरकार सिंधु जल संधि को स्थागित करने का फैसला लिया है। ऐसे ही और निर्णय भी हो सकतें हैं पाकिस्तान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर साइबर अटैक कराए जा सकते हैं।

लघुकथा

रंगीन बादल

एक छोटे से शहर में एक लड़की रहती थी जिसका नाम था रिया। रिया को बादलों से बहुत प्यार था। वह अक्सर छत पर बैठकर घंटों बादलों को देखती रहती थी। एक दिन, रिया ने एक ऐसा बादल देखा जो बहुत ही रंगीन था। वह इंद्रधनुष की तरह चमक रहा था। रिया बहुत खुश हुई। उसने सोचा कि यह कोई जादुई बादल है। वह बादल के करीब जाना चाहती थी। रिया ने बादल की ओर दौड़ लगाई और उछलकर हवा में उड़ गई। वह बादल पर बैठ गई और बादल के साथ आसमान में घूमने लगी।

बादल रिया को बहुत दूर-दूर ले गया। उसने रिया को समुद्र, जंगल और पहाड़ दिखाए। रिया ने बहुत सारे नए-नए जीव-जंतु और पौधे देखे। रिया बहुत मजे कर रही थी। कुछ देर बाद, रिया को घर वापस जाना याद आया। उसने बादल से कहा, मुझे घर वापस ले चलो। बादल ने रिया को उसके घर के ऊपर ले गया और धीरे से उसे छत पर छोड़ दिया। जब रिया उठी तो वह अपने कमरे में थी। उसने सोचा कि यह सब एक सपना था। लेकिन उसे बादल के रंग अभी भी याद थे।

कहानी

स्कूल के बच्चे की लगन कहानी

एक छोटे से गाँव में दीपक नाम का एक लड़का रहता था। दीपक बहुत होशियार और मेहनती था। उसके माता-पिता की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी, लेकिन दीपक के सपने बड़े थे। वह स्कूल में हमेशा अव्वल आता था और उसका सपना था कि वह एक दिन बड़ा अधिकारी बने और अपने परिवार और गाँव का नाम रोशन करे। हर दिन, दीपक सुबह जल्दी उठता और स्कूल जाने से पहले अपने माता-पिता की मदद करता। स्कूल से आने के बाद, वह अपने होमवर्क और पढ़ाई में जुट जाता। उसकी लगन और मेहनत उसके स्कूल में सभी बच्चों और अध्यापकों के लिए प्रेरणा का स्रोत थी। दीपक के गाँव के स्कूल में हर साल एक विज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की जाती थी। इस प्रतियोगिता में गाँव के सभी बच्चे भाग लेते थे और विजेता को जिला स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिलता था। दीपक ने भी इस प्रतियोगिता में भाग लेने का निश्चय किया। लेकिन उसके पास प्रयोग करने के लिए कोई महंगे उपकरण नहीं थे। दीपक ने हार नहीं मानी। उसने अपने आसपास के सामान से ही एक अनोखा प्रोजेक्ट बनाने की ठानी। उसने अपने घर में मौजूद कुछ पुरानी बैटरियां, तार, और एक टूटे हुए खिलौने से एक छोटा इलेक्ट्रिक पंखा बनाया। यह पंखा बहुत साधारण था, लेकिन यह दिखाता था कि कैसे सरल चीजों से भी जटिल समस्याओं का हल निकाला जा सकता है। प्रतियोगिता के दिन दीपक ने अपना प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। सभी बच्चे अपने-अपने प्रोजेक्ट्स के साथ आए थे, लेकिन दीपक का प्रोजेक्ट सबसे अलग था। जजों ने उसके पंखे को देखा और उसकी सादगी और नवाचार की सराहना की। दीपक का पंखा सबसे प्रभावशाली साबित हुआ और उसने पहला स्थान प्राप्त किया। जिला स्तर की प्रतियोगिता में, दीपक ने अपने पंखे में और सुधार किया और इसे और अधिक प्रभावी बना दिया। वहाँ भी उसने अपने अनोखे विचार और मेहनत से सबको प्रभावित किया और विजेता बना। उसके इस सफलता ने पूरे गाँव में खुशी की लहर दौड़ा दी। इस कहानी में, दीपक नामक एक गरीब लेकिन मेहनती लड़के की कहानी है, जिसने अपनी लगन और सृजनशीलता से सफलता प्राप्त की। दीपक ने अपने सीमित साधनों के बावजूद एक अनोखा प्रोजेक्ट बनाया और उसे सभी से सराहना मिली। उसकी यह लगन और मेहनत ने साबित कर दिया कि साधनों की कमी कभी भी सपनों को पूरा करने में बाधा नहीं बन सकती। संसाधनों की कमी से कभी हार नहीं माननी चाहिए। सच्ची लगन और मेहनत से किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है। हमें अपने सपनों को पूरा करने के लिए मेहनत, सृजनशीलता और विश्वास की जरूरत होती है।

चाय, चमचा और चुटकी नमक

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

(व्यंग्य)

घर में शशिकांत जी के बच्चे उन्हें पापा नहीं, पब्लिक स्पीकर कहते थे। जब भी उनकी बेटी उनसे नए जूते मांगती, वो कहते-बेटी, असली सुंदरता आत्मा की होती है, पैर की नहीं। बेटे ने एक बार कहा, पापा, स्कूल में सब मेरा मजाक उड़ाते हैं।

कहते हैं कि अगर आपकी चाय में नमक पड़ जाए तो या तो आप बहुत बड़े नेता बनने वाले हैं, या फिर किसी ने आपके जीवन की मिठास में सेंध लगा दी है। मेरे मोहल्ले के शशिकांत जी ने दोनों कर डाले - नेता भी बन गए और मोहल्ले की बहुओं की आँखों से गंगाजल भी बहवा दिया। वो जब सुबह-सुबह अपनी बीवी को "गुड मॉर्निंग" कहते थे तो बीवी नमकदानी फेंक देती थी -तुमसे तो गुडनाइट ही बेहतर है। मोहल्ले में कोई मरता, तो शशिकांत जी सांत्वना देने से पहले पूछते, मौत अचानक हुई या रूटीन की? उनके चेहरे पर हमेशा एक स्थायी व्यंग्य होता - मानो जिंदगी को उन्होंने ईएमआई पर ले रखा हो।

पिछले महीने उन्होंने समाज सेवा का नया स्टार्टअप खोला-चाय विद चुटकी। उद्देश्य था- "एक कप में समाज की सारी समस्याओं को घोलना और फिर उसे गर्मागरम परोस देना।" लेकिन पहले ही दिन समस्या घुल नहीं पाई, चाय में नमक घुल गया। वो चाय पीने वालों से बोले, भाइयों और बहनों, यह चाय नहीं, व्यवस्था का घड़ा है - पी जाओ, तभी तो सुधार होगा। लोगों ने पिया... और उल्टी भी की। पर शशिकांत जी मुस्कराए-क्रांति ऐसे ही होती है।

हर मोहल्ले में एक चमचा होता है। पर शशिकांत जी के यहाँ तो चमचों की पूरी पंचायत थी-रामलाल, जमुना प्रसाद, और विमलेश। ये लोग हर बात पर ताली बजाते-वाह साहब! आपने तो गधे को भी घोड़ा बना दिया! शशिकांत जी मुस्कराते, सही पकड़े हैं। उन्होंने हर समस्या का हल चाय में ढूंढा - बेरोजगारी? एक चाय दो, नौकरी लग जाएगी। गड्ढों वाली सड़क? चाय पर चर्चा कर लो, सड़क तो न बदलेगी, मन जरूर बदल जाएगा। एक बार तो उन्होंने कहा - जीडीपी गिर रही है? कोई बात नहीं, कप तो उठ रहा है न? और पूरा मोहल्ला हँसते-हँसते रो पड़ा।

घर में शशिकांत जी के बच्चे उन्हें पापा नहीं, पब्लिक स्पीकर कहते थे। जब भी उनकी बेटी उनसे नए जूते मांगती, वो कहते बेटी, असली सुंदरता आत्मा की होती है, पैर की नहीं। बेटे ने एक बार कहा, पापा, स्कूल में सब मेरा मजाक उड़ाते हैं। जवाब मिला - तो क्या हुआ? मैं भी नेता बना हूं, मेरा भी मजाक उड़ता है, फिर भी जनता मुझे वोट देती है। घर की रसोई में नमक खत्म हो जाए, तो शशिकांत जी कहते -चलो बेटा, समाज को सुधारने चले चलते हैं, वापसी में नमक भी ले आएंगे। उनकी पत्नी- गीता देवी- अब तक तो भगवद्गीता की भी सारी शिक्षाएँ भूल चुकी थीं। कहती थीं, जैसे कृष्ण ने अर्जुन को समझाया, वैसे ही मैं भी हर रोज इन्हें समझाती हूं- लेकिन ये महाभारत तो क्या, महाअव्यवस्था रचकर ही दम लेते हैं। एक दिन गीता देवी ने गुस्से में कहा, अब बस! या तो तुम, या चाय की दुकान।

शशिकांत जी बोले-तो फिर मैं चाय को चुनता हूं। और मोहल्ले में पहली बार तालियाँ नहीं, सिसकियाँ सुनाई दीं। उनकी दुकान पर रोज नए-नए नारे लगते- देश बदलेगा, जब चाय उबलेगा! लेकिन धीरे-धीरे उनकी चाय में न नशा रहा, न चर्चा। ग्राहक कम हुए, और व्यंग्य ज्यादा। लोग कहते-शशिकांत जी की चाय पीने से पेट तो नहीं भरता, पर दुख जरूर उबल जाता है। एक दिन एक बूढ़ी अम्मा आईं, चाय पी और बोलीं- बेटा, यह चाय नहीं, यह तो मेरी बुढ़ापे की दवा बन गई है। और वहीं कुर्सी पर बैठकर रो पड़ीं। शशिकांत जी ने उन्हें देखा और पहली बार उनकी आँखों में व्यंग्य नहीं, पानी था। समाज सुधारते-सुधारते शशिकांत जी अब खुद समाज की चाय बन चुके थेझ्र जिसे कोई पीता नहीं, सिर्फ छोड़ देता है। एक दिन दुकान बंद मिली। दरवाजे पर लिखा था अब न चाय बचेगी, न चुटकी नमक। समाज में सब कुछ नमकीन है, पर दिल अब बेस्वाद हो चुका है। मोहल्ला ठहरा, लोग ठिठके और पहली बार, उनकी गैर-मौजूदगी में शोर नहीं, सन्नाटा था।

शशिकांत जी अब नहीं हैं। कहते हैं, अंतिम समय में उन्होंने कहा - मेरी अस्थियाँ किसी सरकारी गड्ढे में बहा देना... कम से कम वहाँ कुछ भराव तो होगा। मोहल्ले में उनकी याद में एक पत्थर रखा गया -उस पर लिखा है - "यहाँ वो आदमी बैठता था, जो समाज को चाय के प्याले में घोलकर पी जाना चाहता था।" हर शाम अब वहाँ लोग चुपचाप बैठते हैं- बिना चाय, बिना नमक - पर आँखों में नमी, और दिल में उरतृप्त पीड़ा लिए हुए।

पैमाइश के बाद पुनः कब्जा करने वालों पर हो भूमाफिया की कार्रवाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

- संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम ने भोगांव में सुनी पीड़ितों की शिकायत

मैनपुरी। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील भोगांव में जन-शिकायतें सुनने के दौरान जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह के सम्मुख जब मु. जगत नगर नि. सूबेदार सिंह ने अपने शिकायती प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि उसे 1976 में गाटा संख्या-862 में 04 बीघा का पट्टा आवंटित हुआ था, तब से उक्त भूमि पर लगातार काबिज रहा, अगस्त 2021 में किसी फर्जी व्यक्ति को खड़ा कर उक्त गाटा संख्या का वंदना देवी को अवैध ढंग से बैनामा कर दिया गया, शिकायतकर्ता ने फर्जी तरीके से कराये गये बैनामे को निरस्त कराकर आवंटित पट्टे पर कब्जा दिलाने की मांग की, जिस पर उन्होंने उप जिलाधिकारी भोगांव को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रकरण की स्वयं गहनता से जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें यदि किसी पर भी व्यक्ति द्वारा फर्जी बैनामा किया गया हो तो उसके विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करें।

शनिवार को जन-सुनवाई के दौरान भोगांव क्षेत्र के 34 शिकायतकताओं ने अपने शिकायती प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी के सम्मुख प्रस्तुत किये, जिसमें से 04 शिकायतों का मौके पर ही निदान कर शिकायतकर्ता को राहत प्रदान की, ग्राम फतेह नि. राम सेवक ने भूमि गाटा संख्या-829 की पैमाइश कराकर कब्जा व दखल दिलाये जाने, ब्योंति कलां नि. रामबाबू ने आम रास्ते पर किये गये अनाधिकृत कब्जे को हटवाने सहित अन्य ने शिकायत की, जिन्हें सम्बन्धित अधिकारियों को पृष्ठांकित कर निर्धारित समय-सीमा में निस्तारण हेतु उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अरूण कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आरसी गुप्ता, उप जिलाधिकारी भोगांव संध्या शर्मा, क्षेत्राधिकारी भोगांव सत्य प्रकाश शर्मा, उप जिलाधिकारी न्यायिक राम नारायण, जिला पूर्ति अधिकारी क्यामुद्दीन अंसारी, तहसीलदार भोगांव गौरव कृष्ण अग्रवाल सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

किसानो ने की बिजली कटौती रोकने और फीडर बदलने की मांग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आलीपुर खेड़ा/मैनपुरी। विकासखण्ड सुल्तानगंज के ग्राम बरधनियां के किसानों ने जिलाधिकारी को एक शिकायती पत्र दिया। जिसमें किसानों ने कहा है कि ग्राम जगतपुर, बारखेड़ा, रामनगर, बरधनियां, सूरजपुर, जगतपुर, बलारपुर आदि गांवों में बिजली की कटौती के चलते मक्का, मूंगफली, उर्द, मूंग, सब्जियों की फसलें सूख रहीं है। जिसकी कई बार ग्रामीणों ने शिकायत की पर कोई सुनवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि जब पास में ही एक किलोमीटर की दूरी पर आलीपुर खेड़ा फीडर है। फिर 10 किमी की दूरी पर सुल्तानगंज फीडर है जिसके तार जर्जर हो गये है। जिसके कारण लाइन खराब रहती है। अगर इन गांवों की सप्लाई आलीपुर खेड़ा फीडर से हो जाये तो किसानों को राहत मिलेगी और फसलें भी नहीं सूखेंगी। जिलाधिकारी ने किसानों को आश्वासन दिया कि किसानों की समस्या का समाधान जल्द होगा। इस मौके पर किसान डॉ तालेराम वर्मा, राजेश सिंह, वलराम सिंह, सन्तोष कुमार, विवेक कुमार, लक्ष्मी चन्द्र राजपूत, धर्मेंद्र राजपूत, उपेश राजपूत, दीपक राजपूत, सुगर सिंह आदि मौजूद रहे।

घूस लेने वाले अधिकारियों और कर्मियों की अब खैर नहीं

मैनपुरी में एंटी करप्शन टीम की तैनाती, भ्रष्टाचार पर लगेगी लगाम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। जनपद के कई विभागों में फैले व जनपद में व्याप्त भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए एंटी करप्शन टीम को अब मैनपुरी में तैनात कर दिया गया है। शासन के आदेश पर मैनपुरी में एक इंस्पेक्टर, दो सिपाही और एक हेड कांस्टेबल ने कार्यभार संभाल लिया है, जबकि आगामी एक-दो दिनों में कुछ और दरोगाओं की तैनाती होने की संभावना है। एंटी करप्शन टीम के कार्यालय के लिए फिलहाल साइबर थाने में जगह आवंटित कर दी गई है।

आगरा में कार्यरत रहे इंस्पेक्टर संजय यादव को इस टीम का नेतृत्व करने के लिए मैनपुरी जनपद का पदभार संभालने के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि उनकी टीम का मुख्य कार्य रिश्वत लेने वाले सरकारी कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करना है। अब पीड़ितों को ऐसे भ्रष्ट कर्मचारियों की शिकायत दर्ज कराने के लिए आगरा जाने की आवश्यकता नहीं होगी। वह साइबर थाने में स्थापित कार्यालय में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, पीड़ित सीयूजी नंबर 9454401988 पर भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

मैनपुरी के कई विभाग भ्रष्टाचार में डूबे

अगर जनपद में फैले भ्रष्टाचार पर बात करें तो जनपद के कई विभाग ऐसे है जहां बिना घूस के कोई काम ही नहीं होता है। जनपद का एक विभाग ऐसा भी है जिसका खुद सामने नहीं आता है और कार्यालय में तैनात अधिकारी के जरिए लाखों रुपए के बारे न्यारे करा लेता है। यहां पर भी बिना घूस के कोई काम होता ही नहीं है। मैनपुरी जनपद में एंटी करप्शन टीम की तैनाती हो जाने के बाद घूस लेने वाले अधिकारियों द्वारा सताएं जाने वाले पीड़ितो को शायद न्याय मिलने की उम्मीद नजर आने लगी है।

मैनपुरी में भाजपा को लगे दो झटका

मोर्निंग सिटी संवाददाता

श्रीकान्त शाक्य मैनपुरी/औंछा। सपा के सबसे मजबूत गढ़ कहे जाने वाले औंछा और बन्नदल क्षेत्र में भाजपा को मजबूती प्रदान करने वाले भाजपा पदाधिकारी अपने पद से त्यागपत्र दे रहे है। भाजपा के पदाधिकारी घिरोर तहसील क्षेत्र के गांव नगला महानंद निवासी भाजपा नेता के घर पर एसडीएम घिरोर द्वारा चलाए गए बुलडोजर के बाद से ही आहत है। इनका कहना है कि एसडीएम ने भाजपा नेता के घर पर बुलडोजर चलाकर गलत कार्रवाई की है। जबकि जिस भूमि पर उनका मकान बना हुआ है। उसका उनके परिजनो को 40 साल पहले पट्टा दिया गया था, अब घिरोर एसडीएम भेदभाव पूर्ण कार्रवाई करते हुए कार्रवाई कर रहे है।

ज्ञात हो कि घिरोर तहसील क्षेत्र के गांव नगला महानंद निवासी दिनेश कुमार शर्मा भाजपा के औंछा मंडल मंत्री के पद पर सक्रिय रुप से तैनात है। गुरुवार को एसडीएम घिरोर प्रसून कश्यप इनके घर पर बुलडोजर लेकर पहुंच गए थें और उनका मकान ग्राम समाज की भूमि पर बना हुआ बताते हुए मकान का कुछ हिस्सा ध्वस्त कर दिया था, इसके अलावा एसडीएम ने शहीद सैनिक के घर पर बुलडोजर चलवा कर ध्वस्त कर दिया था, इसके साथ ही भाजपा के बूथ अध्यक्ष दिलीप कुमार के मकान सहित सात लोगो के मकान पर बुलडोजर चलवा दिया था, इस कार्रवाई के बाद से ही औंछा मंडल के भाजपाईयों में कार्रवाई के प्रति रोष व्याप्त है। शनिवार को चीतई महानंद के पूर्व बूथ अध्यक्ष दिलीप कुमार व औंछा मंडल मंत्री दिनेश कुमार शर्मा ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। इन्होने अपने इस्तीफा मंडल अध्यक्ष को सौंप दिए है। हालांकि इनके इस्तीफा अभी मंजूर नहीं किए गए है।

औंछा क्षेत्र में नहीं लगते थें भाजपा के बस्ता

औंछा क्षेत्र को सपा का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता है। पिछले समय में यहां के बूथों पर बस्ता लगाने के लिए भाजपा को व्यक्ति नहीं मिलते थें, लेकिन पिछले कुछ सालों में तत्कालीन औंछा मंडल अध्यक्ष और मंडल अध्यक्ष दिलीप शाक्य व मंडल मंत्री दिनेश कुमार शर्मा और बूथ अध्यक्ष सुमन प्रकाश के अथक प्रयास से इस क्षेत्र में भाजपा को बहुत ज्यादा मजबूती मिली, किसी भी चुनाव में औंछा क्षेत्र में भाजपा के बस्ता सभी बूथों पर लगते है और भाजपा को वोट भी मिलते है। अब इन लोगो को भाजपा को मजबूत करने का इनाम भी तो मिलना ही था तो इन्हे भाजपा को मजबूत करने का इनाम घिरोर एसडीएम इनके घर पर बुलडोजर चलाकर दे रहे है।

अभी और भाजपा पदाधिकारी भी देंगे इस्तीफा

घिरोर तहसील क्षेत्र के औंछा में भाजपा नेता के मकान पर बुलडोजर कार्रवाई होने से आहत भाजपा के कई और पदाधिकारी अपने पद से इस्तीफा देंगे, उक्त जानकारी भाजपा के एक नेता के द्वारा ही नाम न छापने की शर्त पर दी गई है। अगर ऐसा होता है तो मैनपुरी में भाजपा के लिए यह बहुत बड़ा झटका हो सकता है। क्यों कि 2027 में भी अब ज्यादा समय नहीं बचा है। चुनाव की तैयारी को पदाधिकारियों ने अभी से शुरू कर दी है।

भाजपा नेता के घर पर बुलडोजर कार्रवाई से इस्तीफा का दौर शुरू

औंछा मंडल के मंत्री व बूथ अध्यक्ष ने दिए अपने अपने पद से इस्तीफा

क्या बोले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

मैनपुरी के औंछा में भाजपा नेता के घर पर एसडीएम द्वारा बुलडोजर चलवाने की जानकारी नहीं है। इसकी पूरी जानकारी की जाएगी कि आखिर बुजडोजर की कार्रवाई किस लिए की गई है। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने के लिए कहा जाएगा, भाजपा नेता पर अगर गलत कार्रवाई की गई हैं तो संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई के लिए वार्ता की जाएगी।

- भूपेन्द्र सिंह चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष भाजपा।

कुरावली नगर के विकास को मुख्यमंत्री से मिले चेयरमैन

मूलभूत सुविधाओं के दिए प्रस्ताव, मुख्यमंत्री ने कार्य स्वाकृति का दिया भरोसा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। नगर में विकास के लिए स्पेशल बजट पैकेज की मांग के साथ चेयरमैन धर्मेन्द्र वर्मा धम्मा ने अपने परिवार संग शुक्रवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके लखनऊ स्थित आवास पर मुलाकात की, इस मुलाकात के दौरान चेयरमैन ने नगर में मूलभूत सुविधाओं के लिए मुख्यमंत्री को प्रस्ताव दिए, मुख्यमंत्री ने चेयरमैन को विकास कार्यो की जल्द ही स्वीकृति के लिए भरोसा दिलाया।

कुरावली चेयरमैन धर्मेन्द्र वर्मा धम्मा, पूर्व चेयरमैन संगीता धम्मा वर्मा अपने पुत्र प्रिन्स वर्मा और ध्रुव वर्मा के साथ नगर में विकास कार्यो को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके लखनऊ स्थित उनके आवास पर मुलाकात करने पहुंचे। मुलाकात के दौरान चेयरमैन ने नगर में कान्हा गौशाला का निर्माण, एक ओवर हैडटैंक, दो नलकूप, पानी की पाइप लाइन विस्तार सहित नगर में विभिन्न वार्डो के लिए दो दर्जन मार्गो का निर्माण के अलावा अन्य विकास कार्यो का प्रस्ताव पत्र मुख्यमंत्री के सामने रखा। जिसपर मुख्यमंत्री ने चेयरमैन को नगर में विकास कार्य कराने के लिए बजट जल्दी ही मंजूर करने का भरोसा दिलाया।

नगर के विकास को बजट की बूस्टर डोज देने का आग्रह

चेयरमैन ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि नगर पंचायत को शासन से जो ग्रांट मिलती है, कर्मचारियों के वेतन, रिटायर्ड कर्मियों की पेंशन के बाद भी नाकाफी रहती है। चेयरमैन ने नगर के चहुमंखी विकास के लिए बजट की एक बूस्टर डोज देने का आग्रह मुख्यमंत्री से किया।

कुरावली नगर को प्रदेश के मिले उच्च स्थान

चेयरमैन धर्मेन्द्र वर्मा धम्मा ने बताया कि वह अपने प्रयास से कुरावली में ऐतिहासिक विकास कराना चाहते है, उनकी कोशिश है कि नगर को विकास के नाम पर प्रदेश में एक उच्च स्थान मिले, नगर को वह मैनपुरी जनपद में विकास कराकर नंबर वन बनाना चाहते है।

आर्थिक शक्ति से ई-कॉमर्स कंपनियां पारंपरिक व्यवसाय कर रहीं खत्म

अखिल भारतीय व्यापार मंच का ई-कॉमर्स कंपनियों का बहिष्कार शुरू

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। हाल के दिनों में ई-कॉमर्स ने लोगों के जीवन को सुविधाजनक बना दिया है। जब हम इंटरनेट पर किसी वेब पोर्टल के माध्यम से किसी वस्तु (दृश्य) या सेवा की खरीद या बिक्री के लिए लेन-देन करते हैं, तो हम इसे ई-कॉमर्स कहते हैं। रेल या हवाई टिकट बुकिंग या होटल बुकिंग करना कुछ ही मिनटों का काम है। हम वेबसाइट या मोबाइल ऐप खोलकर मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक सामान या किराने का सामान भी खरीद सकते हैं। भुगतान के विकल्प भी बहुत सुविधाजनक हैं। हम ऑनलाइन या नेट बैंकिंग या कैश ऑन डिलीवरी के जरिए भुगतान कर सकते हैं।

सुविधा के कारण, ई-कॉमर्स इन दिनों फैशन में है। ई-कॉमर्स करने वाले 10 हजार से ज्यादा वेब पोर्टल हैं, लेकिन कुछ पोर्टल बहुत ज्यादा कारोबार कर रहे हैं। फ्लिपकार्ट, मिंत्रा, होमशॉप 18, अमेजन, ई-बे, ओला, उबर, मेक माई ट्रिप आदि कुछ ई-कॉमर्स पोर्टल हैं, जिनका कारोबार काफी बढ़ गया है। इसके अलावा रेलवे बुकिंग वेब पोर्टल (आईआरसीटीसी) और एयरलाइंस के वेब पोर्टल भी अच्छा कारोबार कर रहे हैं। आज 70 प्रतिशत से अधिक रेलवे बुकिंग और लगभग 100 प्रतिशत एयरलाइन बुकिंग ऑनलाइन होती है।

ई- कॉमर्स से हुई खुदरा व्यापार में वृद्धि

पिछले कुछ समय में ई-कॉमर्स के माध्यम से खुदरा व्यापार में बहुत तेजी से वृद्धि हुई है। आज ई-कॉमर्स कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। कुल खुदरा बाजार में ई-कॉमर्स खुदरा की हिस्सेदारी 2018 में 4 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 8 प्रतिशत हो गई है और 2028 तक 13-15 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। आज 82 करोड़ लोग इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं, जिसमें 44.2 करोड़ इंटरनेट उपयोग करने वाले लोग तो ग्रामीण भारत से हैं। ऐसे में ई-कॉमर्स का भारत में विस्तार बढ़ता ही जा रहा है।

अनैतिक तरीको से व्यापार बढ़ा रही कंपनियां

ई-कॉमर्स के फायदों के बावजूद, चिंता का मुख्य कारण यह है कि बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियां अनैतिक तरीकों का उपयोग करके अपने व्यापार को बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं, और पारंपरिक दुकानदारों और छोटी ई-कॉमर्स फर्मों को प्रतिस्पर्धा से बाहर कर रही हैं। इन कंपनियों की रणनीति यह है कि वे भारी छूट देकर उपभोक्ताओं को लुभाती हैं, और घाटा उठाकर किसी तरह बाजार पर कब्जा कर लेती हैं। जहां पारंपरिक दुकानदार अधिकतम 10 से 20 प्रतिशत की छूट दे सकते हैं, वहीं बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियां 30 से 50 प्रतिशत के बीच छूट देती हैं। यह ध्यान देने योग्य है कि ये अधिक छूट उनकी कार्यकुशलता के कारण नहीं, बल्कि बाजार पर कब्जा करने के उद्देश्य से घाटा उठाने की उनकी क्षमता के कारण है। ये कंपनियां अपनी उदारता के कारण छूट नहीं दे रही हैं, हालांकि, यह एक सोची-समझी रणनीति है। विशेषज्ञों का मानना है कि ये घाटा कई हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है और आने वाले वर्षों में और भी बढ़ने वाला है। सबसे ज्यादा घाटा फ्लिपकार्ट, स्नैपडील जैसी बड़ी कंपनियों को हो रहा है। पिछले सालों के आंकड़े देखें तो पता चलता है कि ये कंपनियां लगातार घाटा उठाकर व्यवसाय कर रही हैं, और धीरे धीरे छोटे बड़े दुकानदारों को प्रतिस्पर्धा से बाहर कर रही हैं।

क्या कानून इसकी इजाजत देता है?

बड़ा सवाल यह है कि क्या यह कैश बर्निंग बिजनेस मॉडल जो प्रतिस्पर्धियों को खत्म कर देता है और स्थापित दुकानदारों और उद्यमियों को बाजार से दूर कर देता है, एक नैतिक बिजनेस मॉडल है। जवाब स्पष्ट रूप से ह्यनहींह्न है। वर्तमान समय में व्यापार में नैतिकता को रूढ़िवादी माना जा रहा है। हालांकि, अगर हम इसे कानूनी दृष्टिकोण से भी देखें, तो यह बिजनेस मॉडल कानूनी रूप से भी मान्य नहीं है। 2016 से पहले देश के कानून के तहत ई-कॉमर्स में किसी भी प्रकार का विदेशी निवेश स्वीकार्य नहीं था। कानूनी मानदंडों का पालन नहीं करने वाली इन कंपनियों के संचालन को किसी तरह समायोजित करने के लिए 2016 में औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग (डीआईपीपी) प्रेस नोट-3, 2016 के रूप में एक नीति ढांचा लेकर आया। हालांकि ई-कॉमर्स में एफडीआई की अनुमति नहीं थी, लेकिन इसे तीन प्रमुख शर्तों के साथ मार्केटप्लेस मॉडल के लिए अनुमति दी गई थी। सबसे पहले, इन मार्केटप्लेस को वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों को प्रभावित नहीं करना चाहिए और छूट नहीं देनी चाहिए। दूसरे, उन्हें इन्वेंटरी (स्टॉक) रखने की अनुमति नहीं थी और तीसरा, कोई भी विक्रेता 25 प्रतिशत से अधिक बिक्री नहीं करेगा। मई 2018 के महीने में, फ्लिपकार्ट ने वैश्विक खुदरा दिग्गज वॉलमार्ट के साथ अपनी 77 प्रतिशत इक्विटी की बिक्री के लिए एक सौदा किया। फ्लिपकार्ट पर एफडीआई नियमों का उल्लंघन करने और कई तरीकों से कानून को दरकिनार करने के आरोप लग इन सबके लिए भारत के लिए एक स्पष्ट ई-कॉमर्स नीति की आवश्यकता है। नियमों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा था, लेकिन सभी सरकारी एजेंसियां, जिन्हें कानून का संरक्षक माना जाता है, चुपचाप इन कंपनियों को स्वतंत्र रूप से काम करने में मदद कर रही थीं और उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या एक कंपनी जो नकदी को जलाती रहती है और लगातार विदेशियों को शेयर बेचकर मुआवजा लेती है, यहां तक कि करों का भुगतान भी नहीं करती है जो विदेशी निवेश नियमों, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), आरबीआई नियमों और कई अन्य सहित देश के कानून को दरकिनार करती है; क्या वह किसी अन्य बड़ी व्यावसायिक इकाई (वॉलमार्ट) को शेयर बेचकर बच निकल सकती है? क्या नियम केवल आम आदमी पर लागू होते हैं, बड़ी व्यावसायिक संस्थाओं पर नहीं? इन कंपनियों को कंपनियों का मकड़जाल बनाने और नियामक निकायों को धोखा देने वाले शीर्ष वकीलों और सलाहकारों की मदद से कानूनों को दरकिनार करके काम करने की अनुमति क्यों दी गई, कानून के संरक्षक के रूप में सरकारी विभागों द्वारा उन पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

ई-कॉमर्स कंपनियों की अनैतिक रणनीति

कई बार ई कॉमर्स के समर्थक यह तर्क देते हैं कि ग्राहक ई-कॉमर्स के अनुभव से खुश हैं, क्योंकि उन्हें सस्ते दामों पर सामान मिल रहा है। कई बार यह भी तर्क दिया जाता है कि चूंकि इन कंपनियों की परिचालन लागत कम है, इसलिए ग्राहक ई-कॉमर्स के जरिए खरीदारी में अंततः लाभ कमाएंगे। हालांकि, हमें यह समझना चाहिए कि खरीद लागत से कम पर बेचने की रणनीति अनैतिक है और यह प्रतिस्पर्धा को खत्म कर देती है; क्योंकि यह शिकारी (पैराडाटोरी) मूल्य निर्धारण का पालन करती है। पारंपरिक दुकानदारों, पुस्तक विक्रेताओं आदि को व्यवसाय से बाहर करके, वित्तीय ताकत का इस्तेमाल करना किसी भी प्रकार से उचित नहीं माना जा सकता है और इसलिए इसे रोकने की आवश्यकता है। ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा कर चोरी के संबंध में भी शिकायतें हैं।

क्या है समाधान

स्पष्ट रूप से, अपनी आर्थिक शक्ति के आधार पर कंपनियां न केवल पारंपरिक व्यवसाय को खत्म कर रही हैं, बल्कि ई-कॉमर्स में नए उद्यमियों के रास्ते में भी बड़ी बाधा बन रही हैं। चूंकि नए उद्यमियों के पास सीमित संसाधन हैं, इसलिए वे घाटे के मामले में विशाल ई-कॉमर्स कंपनियों का सामना नहीं कर सकते। विशाल संसाधनों वाली बड़ी कम्पनियों ने बाजार पर कब्जा करने के लिए शुरू में घाटा उठाने की रणनीति अपनाई है, और इसलिए यह स्टार्ट-अप उद्यमों के लिए मौत की घंटी के समान है। यह खेद का विषय है कि अनुचित व्यवहारों से निपटने के लिए नियामक भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) इन बड़ी ई-टेलर्स के अनैतिक व्यवहार को नियंत्रित करने में खुद को असहाय पा रहा है। जब पुस्तक विक्रेताओं ने इन कम्पनियों के खिलाफ शिकायत की कि ये कम्पनियां पुस्तकों पर भारी छूट देकर किताबें बेच रही हैं, यहां तक कि प्रकाशकों द्वारा इन कम्पनियों को दी जाने वाली छूट से भी ज्यादा, तो भी सरकार उस पर कोई कार्यवाही नहीं कर पाई। सीसीआई उनकी मांग पर विचार करने में असमर्थता जताता रहा है, क्योंकि उसका कहना था कि वह केवल ई-कॉमर्स व्यापारिक उपक्रमों से ही दोषी ई-कॉमर्स कम्पनियों के खिलाफ ऐसी शिकायतें स्वीकार कर सकता है। बाद में सीसीआई ने भी उनके मुद्दों को उठाना शुरू कर दिया है।

भारतीय बाजार पर कब्जा कर रहीं कंपनियां

आज की दुनिया में ई-कॉमर्स ने अहमियत हासिल कर ली है। भारत में ई-कॉमर्स में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है, जिसमें कई छोटी कंपनियां तेजी से उभर रही हैं और कुछ दिग्गज कंपनियां विशाल भारतीय ई-कॉमर्स बाजार पर कब्जा करने की कोशिश कर रही हैं। फ्लिपकार्ट, अमेजन, स्नैपडील, उबर, ओला आदि कुछ उदाहरण हैं। इनमें से कुछ को स्वदेशी कहा जाता है, इस अर्थ में कि उनके प्रमोटर भारतीय रहे हैं। लेकिन बाद में उन्होंने विदेशी इक्विटी को आकर्षित किया और अंततः विदेशी निवेशकों का वर्चस्व हो गया। देश के कानून के अनुसार, ई-कॉमर्स में विदेशी निवेश की अनुमति नहीं है। इसलिए, इन कंपनियों ने मार्केटप्लेस मॉडल के नाम पर विदेशी निवेश प्राप्त किया। इस तरह, पूर्ण रूप से ई-कॉमर्स व्यवसाय चलाते हुए, वे कानून को दरकिनार कर रहे हैं। 2018 में जारी ई-कॉमर्स नीति के मसौदे में कहा गया है, बढ़ते ऑनलाइन खुदरा व्यापार की नींव में डेटा प्रवाह है। मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करके मोबाइल फोन पर संचार न केवल भौतिक स्थान, वित्तीय विवरण और उपभोक्ता वरीयता सहित डेटा की एक विशाल सरणी उत्पन्न करता है, बल्कि व्यक्तिगत उपयोगकर्ता की एक गतिशील प्रोफाइल भी बनाता है। उपभोक्ताओं द्वारा ब्राउजिंग और खोज का इतिहास भी उपभोक्ता वरीयताओं की समृद्ध जानकारी उत्पन्न करता है। खोज इतिहास को ट्रैक करके, ऑनलाइन खुदरा वेबसाइटें दर्जी-निर्मित विपणन सामग्री के साथ उपभोक्ताओं को लक्षित करने में सक्षम हैं।

ई-कॉमर्स कंपनियों के पास नकली सामान

हाल ही में, भारत के राष्ट्रीय मानक निकाय, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की दिल्ली शाखा ने प्रमुख ई-कॉमर्स वितरकों को निशाना बनाकर कई छापे मारे हैं और हजारों घटिया उत्पाद जब्त किए हैं। दिल्ली के मोहन कोऑपरेटिव इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित अमेजन सेलर्स प्राइवेट लिमिटेड के गोदामों में टीम ने हजारों घटिया उत्पाद जब्त किए। 19 मार्च को की गई छापेमारी में गीजर, फूड मिक्सर और विभिन्न बिजली के उपकरणों सहित 3,500 से अधिक सामान जब्त किए गए हैं। टीम ने पाया कि बड़ी मात्रा में उत्पादों में या तो अनिवार्य आईएसआई मार्क का अभाव था या उन पर नकली आईएसआई लेबल थे। जब्त माल का कुल अनुमानित मूल्य लगभग 70 लाख रुपये है। एक अलग छापे में, बीआईएस अधिकारियों ने दिल्ली के त्रिनगर में स्थित फ्लिपकार्ट की सहायक कंपनी इंस्टाकार्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को निशाना बनाया। इस ऑपरेशन में स्पोर्ट्स फुटवियर का एक भंडार भी मिला, जो पैक करके भेजने के लिए तैयार था, जो आवश्यक आईएसआई मानकों को पूरा नहीं करता था और उसमें उचित निर्माण तिथि की जानकारी नहीं थी। इस ऑपरेशन के दौरान लगभग 590 जोड़ी स्पोर्ट्स फुटवियर जब्त किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत 6 लाख रुपये है। इससे पहले भी तिरुवल्लूर जिले में ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन और फ्लिपकार्ट के गोदामों पर छापा मारा, जिसमें अनिवार्य प्रमाणीकरण के बिना बेचे जा रहे बड़ी मात्रा में उत्पाद जब्त किए। पुडुवॉयल में अमेजन के गोदाम में, अधिकारियों ने इंसुलेटेड फ्लास्क, खाद्य कंटेनर, धातु की पीने योग्य पानी की बोतलें, छत के पंखे और बीआईएस मानक चिह्नों के बिना खिलौनों सहित 3,376 वस्तुओं को जब्त किया। जब्त उत्पादों की कीमत 36 लाख रुपये है। यह संदेह से परे साबित हो गया है कि ये ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म नियम-मानक और नकली उत्पाद बेचकर उपभोक्ताओं को धोखा देते हैं।

ई-कॉमर्स नीति की तत्काल आवश्यकता

लेकिन ई-कॉमर्स दिग्गजों से नियमों का पालन कैसे करवाया जाए? वर्तमान में, नियम ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस पर प्रतिबंध लगाते हैं, ताकि वे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वस्तुओं और सेवाओं की बिक्री की कीमत को प्रभावित न करें। ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस की समूह कंपनियों पर इस प्रतिबंध को लागू करने की तत्काल आवश्यकता है। इससे वर्तमान नियमों की खामियों को दूर किया जा सकेगा। भारत को एक अच्छी तरह से परिभाषित ई-कॉमर्स नीति की तत्काल आवश्यकता है, न केवल समान अवसर प्रदान करने के लिए, बल्कि विश्व व्यापार संगठन और अन्य क्षेत्रीय व्यापार वार्ताओं में बातचीत को सुविधाजनक बनाने के लिए भी। स्वदेशी जागरण मंच का दृढ़ विश्वास है कि बहुराष्ट्रीय विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियाँ भारत में अवैध व्यापार प्रथाओं में लिप्त हैं। ये फर्म अप्पारियो रिटेल जैसी मुखौटा कंपनियों के माध्यम से नियमों का खुलेआम उल्लंघन कर रही हैं, जो कि शिकारी मूल्य निर्धारण और छूट में लिप्त हैं, जिससे ऑफलाइन खुदरा विक्रेताओं और छोटे विक्रेताओं का व्यवसाय नष्ट हो रहा है। विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों से ऑफलाइन खुदरा विक्रेताओं और छोटे व्यापारियों को सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 में संशोधन लाया जाना चाहिए। स्वदेशी जागरण मंच को उम्मीद है कि श्अमेजन, फ्लिपकार्ट-वॉलमार्ट का बहिष्कारश् श्भारत छोड़ोश अभियान उपभोक्ताओं और सरकार को एफडीआई ई-कॉमर्स कंपनियों के उत्पादों को पूरी तरह से अस्वीकार करने के लिए प्रेरित करेगा और भारतीय विक्रेताओं के चेहरों पर मुस्कान वापस लाएगा। केंद्र को उपभोक्ताओं के साथ-साथ ऑफलाइन व्यापारियों और छोटे व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए एक सर्वव्यापी नीति लानी चाहिए।

विद्यालय की करोड़ों की भूमि पर भूमाफिया पर कब्जा का आरोप

शिकायत पर एडीएम ने एसडीएम को सौंपी जांच, एबीएसए को एफआईआर के निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। नगर के मध्य में परिषदीय विद्यालय के पास पड़ी बेशकीमती जमीन पर भू माफियाओं की नजर लग गयी है। भू माफियाओं ने जमीन पर प्लाटिंग के लिये गैर समुदाय के व्यक्ति बैनामा भी करवा लिया है। लोगों ने इसकी शिकायत एडीएम से की है। एडीएम ने मामले की जांच एसडीएम को दी है।

नगर में जूनियर हाईस्कूल के बगल में बेशकीमती जमीन पड़ी है। वर्ष 1999 से इस पर विद्यालय समिति व एक विपक्षी के विरुद्ध मुकदमा चल रहा है। नगर के अल्पसंख्यक समाज के परिवार ने खतौनी में नाम चढ़ने के हवाला देकर इसका बैनामा प्रोपर्टी डीलिंग करने वालों के नाम कर दिया। स्थानीय लोगों को पता चलने पर उनमें आक्रोश फैल गया। शुक्रवार सांय नगर के जेएस गार्डन में नगर के लोगों की बैठक हुई। जिसमें सभी ने परिषदीय विद्यालय और अन्य व्यक्ति के मध्य मुकदमा चलने के बावजूद बैनामा करने पर आपत्ति जताई। बैठक में व्यापार मण्डल नगर अध्यक्ष विनोद गुप्ता, पूर्व चेयरमैन अनिल मिश्रा, सुधीर गुप्ता, दिनेश शर्मा, बॉबी भदौरिया, सभासद राहुल गुप्ता, अमित जाटव, शायल कुमार, पंकज चौहान, राहुल चौहान, रमाकान्त गुप्ता, अनिल सविता, अंशुल पाल सहित कई लोग मौजूद थे।

समाधान दिवस में की शिकायत

शनिवार को सभी ने समाधान दिवस में एडीएम रामजी मिश्रा को शिकायती पत्र सौंपा। सभी ने बताया कि जिस जमीन का बैनामा किया गया वहां पर परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थी बागबानी करते थे और एक कुआं भी स्थित था। जमीन का मुकदमा चलने के बावजूद बैनामा करने से भू माफिया इस पर कब्जा करना चाह रहा है। व्यापारियों ने चेतावनी दी कि जल्द न्याय न मिला या बैनामा कैंसिल न हुआ तो बड़ा आन्दोलन किया जाएगा। जिस पर एडीएम ने मामले की जांच एसडीएम को सौंपकर शिकायत सही पाए जाने पर एबीएसए को मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए।

उद्घाटन मुकाबले में कंझरा टीम ने मासरपुर को हराया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/बरनाहल। क्षेत्र के बिनायकपुर में विनायकपुर प्रीमियर लीग के शुभारंभ पर पहला मैच कंझरा और मासरपुर टीम के बीच खेला गया। जिसमें कंझरा टीम 3 विकेट से मैच जीत गई।

क्षेत्र के गांव बिनायकपुर में बिनायकपुर प्रीमियर लीग प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। टूनार्मेंट का शुभारंभ समाजसेवी अजीत कुमार ने फीता काटकर व खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। समाजसेवी अजीत कुमार ने कहा कि गांव में छपी प्रतिभा को निखारने के लिए ग्रामीण स्तर पर खेल प्रतियोगिताएं होना बहुत जरूरी है। ऐसी प्रतियोगिताओं से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ता है। साथ ही मानसिक और शारीरिक विकास होता है। साथ ही खेल व्यक्ति के जीवन में अनुशासन व कठिन परिश्रम की भावना पैदा करते हुए उन्हें चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाती है। ऐसे ही युवा खिलाड़ी देश स्तर पर पहुंचकर देश का नाम रोशन करते हैं। उद्घाटन मुकाबला कंझरा और मासरपुर टीमों के बीच मैच खेला गया। कंझरा की टीम ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का निर्णय लिया। मासरपुर की टीम 45 रनों ऑल आउट हो गई। वहीं कंझरा टीम ने तीन विकेट से मैच जीत लिया। कंझरा टीम के खिलाड़ी अंकित ने सर्वाधिक 18 रन बनाए, आजाद ने तीन विकेट लिए। वहीं मासरपुर टीम के खिलाड़ी मिथुन ने 11 रन, जैकी और बबलू ने 2-2 विकेट लिए। इस मौके समाजसेवी अनी यादव, संघरतन शाक्य, अमन यादव, अमरदीप, कुलदीप यादव, सौरभ, आदि मौजूद रहे।

महिलाओं और बालिकाओं का जागृति होना बहुत जरूरी: अंजनी कुमार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आलीपुर खेड़ा/मैनपुरी। विकासखण्ड सुल्तानगंज के गांव आलीपुर खेड़ा स्थित वंशीधर शारदा देवी इण्टर कॉलेज परिसर में शनिवार को जिलाधिकारी अंजनी कुमार ने नारी सशक्तिकरण व ऑपरेशन जागृति के अंर्तगत बच्चों व महिलाओं को सम्बोधित करके उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया।

डीएम ने कहा कि ऑपरेशन जागृति फेज 4 एक आउटरीच कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा और उनसे संबंधित मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाना है। महिलाओं और बालिकाओं को उनके प्रति होने वाली विभिन्न प्रकार की हिंसा के बारे में जागरूक रहना चाहिये। महिलाओं और बालिकाओं के अधिकारों के बारे में जानकारी प्रत्येक महिला बालिका को होना चाहिये।

महिलाओं और बालिकाओं को अपने अधिकारों की पूर्ण जानकारी हो ताकि समय पर इसका उपयोग कर सकें। जागरूकता अभियान में प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में समुदाय स्तर पर महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक करने के लिए लोगों के साथ मिलकर जागरूकता बढ़ानी चाहिए। पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाह ने कहा कि झूठे मुकदम्मे नहीं लिखाना चाहिए जो सत्य हो वही लिखाना चाहिए।बच्चे अपने माता पिता को हेलमेट, सीट बैल्ट लगाने को कहें। बालिकाएं छुपाएं नहीं अगर किसी के द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है तो तुरंत अपने परिवारीजनों को अवगत कराएं।

इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण राहुल मिठास, अपर पुलिस अधीक्षक सिटी अरुण कुमार सिंह, सीओ भोंगांव सत्य प्रकाश शर्मा, चौकी इंचार्ज शिव कुमार शर्मा, डॉ तालेराम वर्मा, विद्यालय प्रवन्धक आशीष पाण्डेय, अब्दुल अहमद नम्मी, वरिष्ठ पत्रकार शिवचरन सिंह राजपूत, तरन्नुम जमाल, रहमत इलाही, शिखा श्रीवास्तव, अंजलि शाक्य, गुलफसा मंसूरी, मुस्कान, सन्तोष शाक्य, सर्वेश चक, अरविन्द शाक्य, नीतेश शाक्य आदि मौजूद रहे।

छोटी खबरें

युवाओं को सुरक्षा में रोजगार के अवसर

हाथरस। प्रभारी जिला सेवायोजन अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय सुरक्षा दक्षता परिषद नई दिल्ली एवं एस0आई0एस0 लि0, कम्पनी के संयुक्त तत्वाधान में सुरक्षा कार्यों के लिये अभ्यर्थियों को पंजीकृत कर प्रशिक्षणोपरान्त रोजगार प्रदान किये जाने के लिए जनपद हाथरस में विकास खण्ड स्तर पर पांच मई से चैबिस मई तक खण्ड विकास कार्यालय मुरसान, सहपऊ, हसायन, सासनी, सिकन्द्राराऊ, सादाबाद, हाथरस में रोजगार मेलोंश्शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेलों, शिविरों में उक्त दिनांक व स्थान पर सुबह दस बजे से इच्छुक अभ्यर्थी साक्षात्कार हेतु अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण-पत्रों की प्रतिलिपि, आधार कार्ड, रिज्यूम एवं 02 फोटो साथ लेकर अवश्य आवें।

जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन में चल रहे कार्यों का किया निरीक्षण

हाथरस। सिकन्द्राराऊ तहसील की ग्राम पंचायत बिलार में जल जीवन मिशन में कराये जा रहे कार्यो के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी राहुल पांडेय ने ग्राम पंचायत बिलार तथा ग्राम पंचायत रतनपुर हुसैनपुर में कार्यदायी संस्था बी0जी0सी0सी0पी0एल0 रामकी (जे0वी0) द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत कराये जा रहे कार्यो जैसे पाइप लाइन, गृह जल संयोजन, ट्यूबेल की स्थापना एवं ओवरहेड टैंक निर्माण आदि कार्यो का निरीक्षण कर अवशेष कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्णढंग से कराने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा जानकारी करने पर उपस्थित सहायक अभियंता ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत दो ग्राम पंचायत सम्मिलित है। इस योजना के अंतर्गत लाभांवित जनसंख्या 4587, गृह जल संयोजक कार्य 835 के सापेक्ष 123, वितरण प्रणाली की लम्बाई 13.74 कि0मी0 के सापेक्ष 5.1 कि0मी0 और अवर जलाशय की क्षमता 275 किलो ली0 है। जिसका निर्माण कार्य प्रगति पर है। बाउण्ड्रीवाल, पम्प हाउस निर्माण, सोलर पैनल लगाने का कार्य प्रारम्भ न किये जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अनारम्भ कार्यों को तत्काल प्रारम्भ कराने एवं अवशेष कार्यों को गुणवत्तापूर्णढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होने जनपद में निमार्णाधीन पेयजल योजनाओं पर शेष रह गये कार्यों को तीव्रगति से पूर्ण कराने एवं ग्रामों को हर घर जल प्रमाणित कराने तथा ग्रामों में पेयजल आपूर्ति किये जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यदायी संस्था को ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत खोदी गई सड़कों की मरम्मत कराने के निर्देश दिए।

समाधान दिवस मे जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने सुनी जन समस्याएं

हाथरस । सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर सिकन्दराराऊ तहसील सभागर में जिलाधिकारी राहुल पांडेय ने पुलिस अधीक्षक चिरंजीवनाथ सिन्हा, उप जिलाधिकारी धर्मेन्द्र सिंह व जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ तहसील समाधान दिवस में जनसमस्याओं की सुनवाई करके निस्तारण की कार्यवाही को अंजाम दिया। जिलाधिकारी ने समाधान दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों का मौके पर जाकर मुआयना करने तथा क्षेत्रीय जनसमस्याओं को गंभीरता से लेकर उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण करके पीड़ित लोगों को राहत पहुँचाने हेतु अधिकारियों को कड़े निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी फरियादी समस्या के समाधान के उद्देश्य से ही आता है। इसलिए जनता की समस्या का समाधान करना हम सबके लिए सर्वोपरि है। कोई भी फरियादी तहसील दिवस/किसी भी कार्यालय से निराश होकर नहीं जाना चाहिए। तहसील समाधान दिवस में 72 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये तथा 4 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया।

किशोरी ने प्रेमी के साथ ही रहने का किया ऐलान

भोगांव/मैनपुरी। कोतवाली परिसर मे उस समय सभी भौचक्के रह गये जब प्यार मे अंधी किशोरी ने अपने पिता पर ही घिनौने गन्दे आरोप लगाना शुरू ही नही किया, बल्कि वह अपने प्रेमी के साथ रहने की जिद करने लगी। पुलिस ने प्रेमी को जेल भेजा है जबकि किशोरी को डाक्टरी परीक्षण के लिये जिला महिला चिकित्सालय भेजा है। ज्ञात हो कि जनपद फिरोजाबाद के थाना व कस्वा सिंरसागंज निवासी हिमांशु गुप्ता नगर के एक मोहल्ला में स्थित एक किराये के मकान मे रहकर ट्रक चालक की नौकरी करता था, तथा सिरसागंज का ही आकाश पुत्र मुन्नालाल हेल्पर की नौकरी करता था, जिस कारण आकाश का हिमांशु के यहां आना जाना लगा रहता था, इसी दौरान मकान मालिक की नाबालिक पुत्री से आकाश से प्रेम सम्बन्ध हो गये। विगत चार फरवरी को आकाश नाबालिक किशोरी को अपने साथ भगा ले गया, जिसका मुकदमा थाना पुलिस ने पंजीकृत किया था, पुलिस ने नाबालिग किशोरी तथा उसके प्रेमी को बन्दी बना लिया, प्रेमी के पकड़े जाने की जानकारी किशोरी के परिजनो को हुई तो परिजन थाना कोतवाली पहुचे तो किशोरी परिजनो को देखकर आग बबूला हो गई और बोली कि उसकी शादी आकाश के साथ हो गई है अब वह आकाश के साथ ही बिताएगी, तथा उसने पिता पर भी कई गम्भीर आरोप लगा दिये, जिसे सुन पुलिसकर्मी और परिजन दंग रह गये।

नौनिहालों, किशोर, किशोरी, गर्भवती महिलाओं का कराया टीकाकरण

आलीपुर खेड़ा/मैनपुरी। विकासखण्ड सुल्तानगंज के आलीपुर खेड़ा स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र पर जीरो से पांच वर्ष तक के बच्चों, तथा 5 वर्ष से 19 वर्ष, गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया गया। टीकाकरण अभियान के अंतर्गत नौनिहालों, किशोर, किशोरियों और गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण हुआ। यह अभियान कई बीमारियों से बच्चों, किशोरों और गर्भवती महिलाओं की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। टीकाकरण बच्चों और वयस्कों दोनों को विभिन्न संक्रामक रोगों से बचाने का एक सुरक्षित और प्रभावी तरीका है। यह बच्चों में रोगों को कम करने और मृत्यु दर को कम करने में मदद करता है। बच्चों, किशोरों और गर्भवती महिलाओं को आवश्यक टीके उपलब्ध कराना है, ताकि वे बीमारियों से सुरक्षित रहें। टीकाकरण अभियान के अंतर्गत बच्चों को डीपीटी (डिप्थीरिया, पर्टुसिस, टिटनेस), पोलियो, खसरा, रूबेला और अन्य टीके दिए जाते हैं। किशोरों को टीकों के अलावा एचपीवी और मेनिंगोकोकल टीके भी दिए जाते हैं। गर्भवती महिलाओं को टिटनेस, डिप्थीरिया और पर्टुसिस का टीका दिया जाता है। गर्भवती महिलाओं को टिटनेस, डिप्थीरिया और पर्टुसिस का टीका लगवाने की सिफारिश की जाती है। यह न केवल गर्भवती महिलाओं को इन बीमारियों से बचाता है, बल्कि नवजात शिशु को भी सुरक्षा प्रदान करता है।

सामूहिक जगहों पर महिलाओं का जागरूक कर बताया सुरक्षा कानून

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के ऑपरेशन जागृति अभियान में पुलिस टीम द्वारा अपने अपने थाना क्षेत्रों में स्कूल कॉलेज, पंचायत घर व सामूहिक जगहों पर महिलाओं का जागरूक कर उन्हे महिलाओं के लिए चलाये जा रहे सुरक्षा कानूनों की जानकारी दी। उन्होने बताया कि युवाओं के बीच नशा करने की आदत एक गम्भीर समस्या बनती जा रही है । नशे के लिए समाज में शराब, गांजा, भांग, अफीम, जर्दा, गुटखा, तम्बाकू बीडी, सिगरेट, चरस, स्मैक, कोकीन, ब्राउन शुगर जैसे घातक मादक पदार्थों, दवाओं का उपयोग किया जा रहा है । इन नशीले पदार्थों के सेवन से व्यक्तियों को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक हानि पहुँचने के साथ सामाजिक वातावरण भी प्रदूषित होता है । नशे की लत छुड़ाने के लिए भारत सरकार द्वारा विभिन्न जनपदों में स्वयं सेवी संगठनों की सहायता से नशा मुक्ति केन्द्रों का संचालन कराया जा रहा है, मानसिक आघात एवं उपचार हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा टेली मानस हेल्पलाइन 14416 अथवा 1800-891-4416 तथा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सम्पर्क कर सहायता ली जा सकती है । पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पारिवारिक विघटन या वैवाहिक जीवन में होने वाली समस्याएँ व वैवाहिक विघटन के कारणों व बचाव के बारे मे बताया गया । तथा उनको जागरुक किया गया कि थोड़ा सा प्रयास और समझदारी रिश्तों को कितना खूबसूरत बना सकती है। जिन्हें अपनाकर हम वैवाहिक विघटन से बच सकते हैं। ऑपरेशन जागृति अभियान महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त बनाने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। यह अभियान महिलाओं को जागरूक करता है और उन्हें उनके अधिकारों के बारे में बताता है। यह अभियान महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों को कम करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में मदद करता है।

रामचंद्र अग्रवाल गर्ल्स इंटर कॉलेज में लगाया निशुल्क रक्त समूह जांच शिविर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। रामचंद्र अग्रवाल गर्ल्स इंटर कॉलेज में निः शुल्क रक्त समूह जांच शिविर शनिवार को लगाया गया । कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ नीतू यादव के निर्देशन में इस शिविर में कक्षा 6 से 12 तक की सभी छात्राओं का निरूशुल्क ब्लड ग्रुप टेस्ट किया गया । वंशिका, तनु ,भावना, पाखी, तुलसी, भूमिका, प्राची ,चारु, राधिका, परी जैन, हिमानी,पायल, सहित 156 छात्रों की ब्लड ग्रुप टेस्टिंग की गयी ।इस समय पर प्रधानाचार्य डॉ० नीतू यादव के साथ स्कूल स्टाफ दिव्या उपाध्याय,सविता, बीना शर्मा ,जागृति प्रकाश,सुरेश कांत,संजय कुमार,अंकुर अग्रवाल,मनोज यादव,सौरभ जैन,राजवीर सिंह,विजय शर्मा आदि उपस्थित रहे। प्रेमरघु हॉस्पिटल ब्लड सेंटर की ओर से मेडिकल इंचार्ज डॉ०जैद अहमद, इंचार्ज लक्ष्मी गुप्ता,रोहित,दीपक,रवि, खजान सिंह,सोनम आदि स्टाफ मौजूद रहा।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण विषय पर एक दिवसीय जनपद स्तरीय प्रशिक्षण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस । उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, हाथरस की सहभागिता में जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय के आदेशानुसार आपदा जोखिम न्यूनीकरण में महिला स्वंय सहायता समूहों की भूमिका विषय पर एक दिवसीय जनपद स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यकम का सुभारम्भ जिला विकास अधिकारीध्नोडल महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा मों सरस्वती का माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड से 10-10 स्वंय सहायता समूह की महिलाओं अर्थात कुल 70 महिलाओं का चयन कर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जनपद स्तर पर विभिन्न प्रकार की आपदाओं से बचाव हेतु अग्निशमन विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी आपदाओं से बचाव हेतु प्रशिक्षण दिया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सर्पदंश होने पर क्या करें, क्या न करें व हीटवेव के सम्बन्ध में बचाव हेतु उपाय भी बताये। अग्निशमन विभाग के माध्यम से आपदा के समय सिलेंडर की आग को घरेलू नुस्खे से कैसे बुझाए जा सकता है, इसके बारे में भी प्रेक्टिकल डेमॉसट्रेशन प्रदान कर बताया गया। मास्टर ट्रेनर द्वारा आपदा प्रबंधन चक्र, भारत में आपदा प्रबंधन का तंत्र, आपदा जोखिम न्यूनीकरण, विभिन्न आपदाओं जैसे आकाशीय विद्युत, डूबना, अग्निकांड, बाढ़, शीतलहर, हीटवेव (लू), सर्पदंश, आँधी-तूफान, भूकम्प, ओलावृष्टि इत्यादि विभिन्न आपदाओं से बचाव के बारे में प्रशिक्षण दिया।

बीट आरक्षियों को 241 स्मार्ट मोबाइल फोन वितरित किये गये

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा जनपद की कानून व्यवस्था एवं संचार व्यवस्था को मजबूत बनाये रखने एवं त्वरित निस्तारण , गुणवत्तापूर्ण विवेचना एवं अपराधों में कमी लाने हेतु तथा तीनों नए कानूनों के क्रियान्वयन हेतु जनपद के समस्त बीट आरक्षियों को स्मार्ट फोन वितरित किये गये । पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि पुलिस एवं आमजन के साथ सामानजस्य बनाने में सहायता प्राप्त होगी तथा अपराधियों के सत्यापन, विभिन्न अभियानों में तेजी लाने, अपराधों में कमी लाने में भी महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त होगी । साथ ही तीनों नए कानूनों के क्रियान्वयन और साक्ष्यों के एकत्रित करने में भी सहयोग प्राप्त होगा । पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि जनपद के समस्त बीट आरक्षीयों को स्मार्ट फोन उपलब्ध कराये गये है। इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि इस नई व्यवस्था के बाद यदि कोई बीट आरक्षीयों किसी थाना /चौकी से स्थानान्तरित होता है तो स्मार्ट फोन नवागत आरक्षी को हस्तगत होता रहेगा।

जनपद की 28वीं वर्षगांठ पर दाऊ बाबा के चरणों में काटा केक: मनाया जश्न

आज का दिन स्वर्ण अक्षरों में रहेगा अंकित- सीमा उपाध्याय

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। जनपद हाथरस के सृजन की 28वीं वर्षगांठ पर आज जनपद जनक पूर्व मंत्री स्वर्गीय रामवीर उपाध्याय के पारिवारिक जनों द्वारा बड़े ही धूमधाम के साथ जनपद की 28वीं वर्षगांठ श्री दाऊजी महाराज मंदिर पर मनाई गई।इस दौरान पूर्व कैबिनेट ऊर्जा मंत्री स्वर्गीय पंडित रामवीर उपाध्याय के पारिवारीजनों द्वारा दाऊजी महाराज का भोग लगाकर महाआरती का आयोजन किया गया। वहीं स्वर्गीय पं. रामवीर उपाध्याय का फोटो रख उनके सामने केक काटा गया। इस दौरान रसिया गायक मनोज शर्मा द्वारा गाए गए गीत "जिला हाथरस को कौन बनवाता अगर तुम ना होते" को सुनकर उनके समर्थक व कार्यकर्ता काफी भावुक नजर आए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए अतुल आँधीवाल एडवोकेट ने स्वर्गीय श्री उपाध्याय को याद करते हुए जिला बनाने को लेकर उनके द्वारा किए गए दृढ़ संकल्प के बारे में विस्तृत रूप से बताया।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सीमारामवीर उपाध्याय ने कहा कि वर्ष 1996 में पूर्व कैबिनेट ऊर्जा मंत्री स्वर्गीय पं. श्री उपाध्याय ने हाथरस को जिला बनाने की शपथ ली थी, जिसके लिए उन्हें अन्न जल त्यागना पड़ा था। किंतु हाथरस के लोगों की भावनाओं के अनुरूप अपने लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए वह हर कठिन से कठिन कदम उठाने को तैयार रहे, जिसके परिणाम स्वरूप आज से 28 वर्ष पूर्व 3 मई 1997 को हाथरस को जनपद का दर्जा मिला। आज का दिन हाथरस के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित रहेगा। जब-जब जिले की बात आएगी स्व. पं. रामवीर उपाध्याय को याद किया जाएगा।उनके द्वारा दी गई प्रेरणा से मैं आप सभी लोगों को भरोसा दिलाती हूं कि मैं सदैव कंधे से कंधा मिलाकर आप लोगों के साथ खड़ी हूँ।मुरसान ब्लॉक प्रमुख रामेश्वर उपाध्याय ने कहा कि मेरे बड़े भाई स्वर्गीय पं. रामवीर उपाध्याय हाथरस की जनता के लिए पूर्णतः समर्पित थे। वह जो ठान लेते थे हाथरस के उत्थान के लिए उसे करने के लिए तत्पर रहते थे। जनपद में एवं उनके समर्थकों में उनकी कमी को जीवन पर्यंत पूर्ण नहीं किया जा सकता।समय-समय पर उनकी याद हम लोगों को भावुक करती रहती है।इस दौरान कार्यक्रम को भाजपा जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी एंव अन्य लोगों द्वारा भी संबोधित किया गया।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भाजपा शरद माहेश्वरी, के.के.दीक्षित, सुधीर पचौरी, मुकेश दीक्षित, प्रमोद शर्मा एड़., यज्ञदत्त गौतम एडवोकेट, अतुल आँधीवाल, ब्रजेश वशिष्ठ,योगा पंडित, प्रशांत बौहरे, एम.एल.रावत, अतुल शर्मा, अरुण शर्मा, प्रवीण कौशिक, अशोक शर्मा, संतोष उपाध्याय, राम शर्मा, विशाल सारस्वत, शोभित उपाध्याय, उमेश शर्मा , संजय ग्रोवर बाटा , अशोक मल्होत्रा, डब्बू चौधरी, बंटी शर्मा एड़, सुभाष शर्मा, लावण्य तिवारी, बंटी शर्मा, महेश शर्मा, विकास शर्मा, कपिल मोहन गौड़ एड़., ऋषि उपाध्याय, अर्जुन उपाध्याय,रवेंद्र शर्मा,रिंकू शर्मा, शिवा पाठक, घनश्याम शर्मा, योगांश पाराशर आदि मौजूद थे।

दिव्यांगों को मिलेगा सरकार की योजना का लाभ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, स्मृति गौतम ने जनपद हाथरस के किसी भी उम्र के समस्त दिव्यांगजनों को जिनको गत तीन वर्ष या उससे अधिक समय से सहायक उपकरण जैसे ट्राई साइकिल, व्हीलचेअर, बैसाखी, श्रवण यंत्र, वॉकिंग स्टिक, ब्लाइण्ड स्टिक, वॉकर उपकरण आदि प्राप्त नहीं हुये हों, जिनकी मासिक आय ग्रामीण क्षेत्र हेतु रू0-46080,- एवं शहरी क्षेत्र की 56460,-रू0 से अधिक न हो एवं दिव्यांगता 40 प्रतिशित से कम न हो के आवेदन पत्र ऑन लाइन आवेदन कर सकते है। आवेदन पत्र के साथ वॉछित प्रमाण पत्र सलंग्न करते हुये ग्रामीण क्षेत्र के दिव्यांगजन अपने खण्ड विकास अधिकारी तथा नगरीय, शहरी क्षेत्र के दिव्यांगजन अपनी तहसील, टाउन एरिया के माध्यम से मुख्य चिकित्साधिकारी की आवेदन पत्र पर उपकरण सम्बन्धी स्पष्ट संस्तुति सहित जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी के कार्यालय, विकास भवन, कक्ष सं0-104, हाथरस में जमा करायें।

वास्थ्य विभाग की टीम ने मां भगवती हॉस्पिटल को किया सीज

ऑपरेशन के बाद महिलाको हुई थी अंदरूनी ब्लीडिंग

परिजनो ने 14 अप्रैलको हॉस्पिटल पर शव रखकर किया था हंगामा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शहर में संचालित मां भगवती हॉस्पिटल पर सीज की कार्रवाई की है। 14 अप्रैल को परिजनों महिला की मौत के बाद शव रखकर हंगामा किया था। पोस्टमार्टम रिपोर्टमें सर्जन की बड़ी लापरवाही सामने आई है। महिला के अंदरूनी ब्लीडिंग होने के कारण हेमेटोमा और पौने तीन किलो कलेक्शन पेट में निकला था।

दरअसल आठ अप्रैल को एटा जनपद के कासोन निवासी धर्मेंद्र ने प्रसव पीड़ा होने पर अपनी पत्नी मीरा देवी को मांभगवती हॉस्पिटल किसरोली रोड पर भर्ती कराया था। चिकित्सकों ने जच्चा का बच्चा खतरे में बताते हुए ऑपरेशन कर दिया। ाम को ब्लड लगा दिया। जिससे महिला की तबीयत खराब हो गई। हॉस्पिटल संचालक महिला को इलाज के लिए अपने आगरा के हॉस्पिटल ले गये। यहां भी महिला को कोई आराम नहीं हुआ, तो एक और आगरा केहॉस्पिटल में दिखाया। यहां 13 अप्रैल की रात को मीरा ने दम तोड दिया।

परिजन शव को लेकर कासगंज आ गये। जहां परिजनों ने शव को हॉस्पिटल पररखकर हंगामा किया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने ाव का पोस्टमार्टम कराया। वही मीरा देवी की आई पोस्टमार्टमरिपोर्ट ने स्वास्थ्य विभाग से लेकर कोतवाली पुलिस तक सकते में डाल दिया। कोतवाली पुलिसने हॉस्पिटल संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में रिपोर्ट में महिला की मौत का कारण अंदरूनी ब्लीडिंग और हेमेटोमा के अलावा पौने तीन किलो पेट में कलेक्शन मिला था। जिससे साफ जाहिर हो रहा था कि मीरा की मौत ऑपरेशन में सर्जन की बड़ी चूक हुई है। फिलहाल जांच के बाद शनिवार को पहुंचे स्वास्थ्य विभाग के छोलाछान के नोडल अधिकारी डॉ. मदन, धर्मेंद्र सिंह, विमल कुमार ने हॉस्पिटल को सीज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। सीएमओ डॉ. राजीव अग्रवाल का कहना कि हर के मां भवगती हॉस्पिटल में एक महिला की मौत के मामले में हंगामा हुआ था। मृतका के परिजनों की शिकायत पर पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम और तहरीर के आधार पर हॉस्पिटल को सीज कर दिया गया है। अग्रिम कार्रवाई की जाएंगी।

डॉ. कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन आधुनिक भारत के शिल्पकार थें

सेन्ट मेरीज स्कूल में दी गई डॉ० कस्तूरीरंगन को श्रद्धांजलि

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। शहर के आश्रम रोड स्थित सेन्ट मेरीज स्कूल में शिक्षा को सशक्तीकरण का साधन बनाने वाले बौद्धिक महापुरुष मार्गदर्शक केरल निवासी डॉ. कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रधानाचार्या मनोरमा ने डॉ. कस्तूरीरंगन के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की तथा छात्रों को अपने सम्बोधन में बताया कि डॉ. कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन एक महान वैज्ञानिक, शिक्षाविद् और आधुनिक भारत के शिल्पकार थे जिन्होंने अंतरिक्ष अन्वेषण और शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ी। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में आपकी शानदार उपलब्धियों के साथ-साथ शिक्षा और ज्ञान के क्षेत्र में भी आपका योगदान अविस्मरणीय है तथा विद्यार्थियों की प्रेरणा को बढ़ाने वाला है।

वरिष्ठ अध्यापिका अर्चना चौहान ने छात्रों से कहा कि डॉ० कस्तूरीरंगन भैतिकी ऑनर्स के साथ विज्ञान स्नातक तथा मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री प्राप्त की थी और डॉ० विक्रमसाराभाई के मार्गदर्शन में खगोल विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की थी। विज्ञान के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए भारत सरकार ने पद्मश्री, पद्मभूषन, पद्मविभूषण जैसे सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किये। वर्तमान में लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति उनकी दूरदर्शिता को जीवित स्मारक के रूप में स्थापित करती है। विज्ञान की प्रगति और शैक्षिक समानता के सेतु के रूप में उन्होंने एक ज्ञान आधारित भारत की नींव रखी थी और आज प्रत्येक विद्यार्थी की प्रेरणास्रोत हैं। इस अवसर पर प्रबंधक दीपक दास, सहायक निदेशक कुशाग्र दास, उप-प्रधानाचार्या वीना चौहान, जॉली जॉर्ज तथा सम्पूर्ण विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

छोटी खबरें

खंड शिक्षा अधिकारी में बैठक कर समस्याओं का कराया निस्तारण

मोर्निंग सिटी संवाददाता कासगंज। ानिवार को खंड शिक्षा अधिकारी शशिकांत यादव ने ब्लॉक संसाधन केंद्र पटियाली पर प्रधान अध्यापकों के साथ बैठक कर यू-डाइस पोर्टल पर बच्चों का डेटा सही करने एवं अन्य समस्याओं पर चर्चा की। साथ ही साथ उपस्थित सभी प्रधानाध्यापकों का उचित मार्गदर्शन करते हुए मौके पर कई स्कूलों की यू-डाइस पोर्टल की समस्याओं का निस्तारण कराया। एमआईएस सूर्यकांत द्वारा कई बार प्रशिक्षित भी कराया गया जिन स्कूलों में कमी रह गई उनको खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा एक निर्धारित समयावधि में ठीक करने की सख्त हिदायत दी गई। बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि निजी स्कूल संचालक इस काम में लापरवाही कर रहे हैं सोमवार से इन पर भी शिकंजा कसना शुरू किया जा रहा है। इस बैठक के दौरान प्रदीप यादव,रतन प्रकाश, उदयवीर सिंह, सुखबीर सिंह, मंजू देवी, विंदेश कुमारी,मनोज कुमार,देवेश यादव सहित सैकड़ो की संख्या में विद्यालय प्रभारी मौजूद रहे।

अनियंत्रित ईको कार सड़क किनारे गड्ढे में गिरी, आठ घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता कासगंज। पटियाली थाना सिकंदरपुर वैश्य गांव के निकट अनियंत्रित ईको कार सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। दुर्घटना में कार में सवार आठ लोग घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से एक घायल को रेफर कर दिया गया। जबकि अन्य का स्वास्थ्य केंद्र पर उपचार जारी है। घटनाक्रम के अनुसार गांव करन खुदरिया थाना मशरक जिला छपरा के रहने वाले एक ही परिवार के आठ लोग अपनी निजी ईको कार में सवार होकर बेंगलुरु से वापस छपरा जा रहे थे। शनिवार की सुबह थाना सिकंदरपुर वैश्य गांव के निकट से जैसे ही ईको कार सवार गुजरे, तभी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में गिर गई। दुर्घटना में कार में सवार आठ लोग घायल हुए हैं। सूचना पर पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायल आलोक कुमार, विक्की कुमार, कुती देवी, अनीशा कुमारी, संध्या देवी, अभि, हर्षिता और मानवी को उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने सभी घायलों को प्राथमिक उपचार दिया। गंभीर रूप से घायल होने की वजह से आलोक को चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए अन्यत्र रेफर कर दिया। जबकि घायल अन्य लोगों का स्वास्थ्य केंद्र पर उपचार जारी है।

पॉक्सो एक्ट में वांछित आरोपी गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता कासगंज। ढोलना थाना पुलिस ने क्षेत्र से पॉक्सो एक्ट के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया है। ढोलना इंस्पेक्टर गोविंद बल्लभ शर्मा ने बताया कि ढोलना थाना में दर्ज पॉक्सो एक्ट के मामले में कार्रवाई करते हुए फरार चल रहे आरोपी कैलाश यादव उर्फ आकाश पुत्र करू उर्फ कलियान सिंह निवासी नौजलपुर थाना रामघाट बुलंदशहर को सटीक जानकारी पर भामों के गेट से गिरफ्तार किया है।

भगवान परशुराम की जयंती के उपलक्ष में शोभायात्रा आज

मोर्निंग सिटी संवाददाता कासगंज। श्री ब्राह्मण समाज कासगंज के तत्वाधान में भगवान परशुराम की जयंती के उपलक्ष में रविवार को शाम 4 बजे से बड़ी होली स्थित श्री परशुराम मंदिर से भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह जानकारी समाज के अध्यक्ष गौरी शंकर शर्मा ने दी है। उन्होंने समाज के सभी लोगों कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है।

बाइक व टेंपो की भिडंत में पांच गंभीर घायल, तीन रेफर

मोर्निंग सिटी संवाददाता कासगंज। सोरों कोतवाली क्षेत्र में गोला कुंआ मोड के निकट सवारियों से भरे टेंपो व बाइक की भिडंत हो गई। दुर्घटना पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीन घायलों को रेफर कर दिया। पुलिस के मुताबिक शनिवार को करीब पौने 12 बजे टेंपो चालक विशन कुमार पुत्र पप्पू निवासी कटरा मोहल्ला सोरों टेंपो लेकर कछला घाट से सोरों जा रहा था, इसमें नदीम पुत्र शमशाद निवासी लहरा रोड सोरों, शारदा पत्नी कृष्णा, मिथलेश पत्नी तेजेंद्र निवासीगण मोहल्ला मराठा कस्बा बिल्सी बदायूं थे, जैसे ही टेंपो गोला कुआं के समीप से गुजरा तभी बुलट बाइक से टक्कर हो गई। बाइक पर रामकेश पुत्र जागन निवासी प्रीतम नगर सहसवान बदायूं, जागन पुत्र भगवान दास निवासी तिलिया थाना उझानी बदायूं सवार थे। दुर्घटना में सभी लोग घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने घायल नदीम, रामकेश, जागन को बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया।

मारपीट के मामले में नामजदों पर रिपोर्ट दर्ज

मोर्निंग सिटी संवाददाता कासगंज। गंजडुंडवारा कोतवाली क्षेत्र के गांव मधूपुरा में हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर नामजद आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है। रिपोर्ट में गांव के निवासी पवन प्रताप पुत्र मोहर पाल ने बताया है कि उसके ही गांव के ब्रज बाबू पुत्र हरिशंकर, हरिशंकर पुत्र रामचरण, मनीषा देवी पत्नी ब्रज बाबू ने उसे गाली गलौज की। विरोध करने पर लाठी डंडों से मारापीटा। अन्य लोगों के हस्तक्षेप के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

सोरों पुलिस ने गिरफ्तार किए दो वारंटी

मोर्निंग सिटी संवाददाता कासगंज। सोरों कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र से दो वारंटी गिरफ्तार किए हैं। वारंटियों के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उन्हें न्यायालय में पेश किया है। इंस्पेक्टर सोरों जगदीशचंद्र ने बताया कि कोतवाली में तैनात एसआई राधेश्याम ने वारंटी सतीश चन्द्र पुत्र रामस्वरुप निवासी बढारी खुर्द थाना सहावर, वंशी मोहन पुत्र प्रेम निवासी बसावनपुर सहावर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारंटियों के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया है।

माफिया अतीक के करीबी असाद कालिया को कासगंज जेल किया गया शिफ्ट

बहुचर्चित उमेश पाल हत्याकांड में भी शामिल था असाद कालिया

प्रयागराज की जिला कारागार नैनी जेल से भेजा गया कासगंज

दिसंबर 2021 में करेली में प्रॉपर्टी डीलर जीशान उर्फ जानू पर जानलेवा हमले करने के मामले में भी अतीक व उसके बेटे अली साथ नामजद था। जिसके बाद वह अन्य आपराधिक मामलो मे भी नामजद रहा। उस पर 50 हजार का इनाम भी घोषित हुआ था।अप्रैल 2023 में उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। तभी से वह प्रयागराज स्थित नैनी जेल मे निरुद्ध था। गुरुवार को उसकी जेल बदले जाने के संबंध में आदेश नैनी कारागार प्राासन को मिला था। जिसके बाद शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उसे कासगंज जेल लाया गया। असाद कालिया पर विभिन्न थानों में हत्या,रंगदारी मांगना,अवैध खनन, सरकारी कार्य में बाधा समेत अन्य धाराओं मे कुल आठ मुकदमे दर्ज हैं।

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। माफिया अतीक अहमद के करीबी गुर्गे असाद कालिया को शुक्रवार को कासगंज जेल में शिफ्ट कर दिया गया। उसे प्रयागराज जिला कारागार नैनी से कासगंज जेल लाया गया। असाद कालिया बहुचर्चित उमेश पाल हत्याकांड मे भी ामिल था। अतीक अहमद के गुर्गे असाद कालिया की जेल को शुक्रवार को बदल दिया गया है।उसे जिला कारागार नैनी से कासगंज जेल मे शिफ्ट किया गया है। असाद बहुचर्चित उमेश पाल हत्याकांड के बाद 31

कोर्ट से तारीख कर पिता के साथ ननिहाल जा रही किशोरी की हादसे में मौत

नई पुलिस लाइन के समीप एन आर पब्लिक स्कूल की बस ने मारी थी बाइक में टक्कर

पुलिस ने किशोरी के शव को कब्जे में लेकर भेजा पोस्टमार्टम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। सदर कोतवाली क्षेत्र के मथुरा बरेली हाइवे पर पुलिस लाइन के निकट एन आर पब्लिक स्कूल की बस ने बाइक सवार पिता पुत्री को टक्कर मार दी। हादसे की घटना में 15 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के पिता का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। अमांपुर थाना क्षेत्र के गांव नगला टुंडा निवासी कोमल सिंह अपनी 15 वर्षीय पुत्री सोनी के साथ न्यायालय कोर्ट में तारीख करने के लिए आये हुए थे, क्योंकि कोमल सिंह और उनकी बेटी सोनी को ढोलना थाना क्षेत्र के गांव सतपुरा माफी में सोनी की ननिहाल में जन्म दिन कार्यक्रम था। वह कोर्ट से तारीख कर जन्मदिन कार्यक्रम में सहभागिता करने के लिए बाइक से जा रहे थे, तभी नई पुलिस के समीप जाने वाले मार्ग के सामने मथुरा बरेली हाइवे पर एन आर पब्लिक स्कूल की बस ने बाइक में टक्कर मार दी।

इस हादसे की घटना में बाइक सवार पिता पुत्री घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद सोनी को मृत घोषित कर दिया। उसके पिता का इलाज चल रहा है। मृतका की मां ओमश्री ने बताया सोनी कक्षा सात की छात्रा है।

घटना को लेकर मां का रो रोकर बुरा हाल है। इंस्पेक्टर लोकेश भाटी ने बताया बस और चालक दोनों फरार है। पुलिस तलाश कर रही है। किशोरी के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

निष्क्रिय पदाधिकारियों को नहीं मिलेगा कांग्रेस पार्टी में पद-मनोज पांडेय

कांग्रेस पार्टी की मासिक बैठक में संगठन को मजबूत करने को लेकर दिया गया जोर

सक्रिय कार्यकर्ताओ को सौपी जाएंगी किसी न किसी क्षेत्र के प्रभारियों की जिम्मेदारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। ानिवार को कांग्रेस कमेटी के कैंप कार्यालय पर मासिक बैठक का आयोजन हुआ है। बैठक में पार्टी को मजबूत करने के लिए रणनीति तैयार की गई। सक्रिय कार्यकर्ताओ को किसी न किसी क्षेत्र के प्रभारियों की जिम्मेदारी सौंपने के लिए निर्णय लिया गया।वहीं निष्क्रिय कार्यकर्ताओ को पदो से हटाए जाने का निर्णय लिया है। कासगंज जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक का आयोजन जिलाध्यक्ष मनोज पांडेय के कैम्प कार्यालय गांधी मूर्ति पर आयोजित की गई। बैठक में कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने व आने वाले दिनों में पार्टी के जिला व ब्लॉक पदाधिकारियों का चुनाव किया जाना तय किया गया। इसके लिए सक्रिय कार्यकताओं की भागीदारी पर विचार किया गया। इस बैठक में यह बात सर्वसम्मति से पारित की गई, जो जिला स्तरीय पदाधिकारी होंगे वह जिले के किसी न किसी क्षेत्र के प्रभारी के रूप में भी कार्य करेंगे, जो पदाधिकारी मासिक बैठक में नियमित रूप से नहीं आते हैं। उन्हें संगठन में किसी भी पद की जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि अपने अपने क्षेत्रों में लगने वाले पैठ बाजारों की सूचना दें, ताकि उन बाजारों में पार्टी के नीतियों का प्रचार प्रसार किया जा सके। इस बैठक में मुनेंद्र पाल सिंह राजपूत, दिव्या शर्मा, तरुण शर्मा, नूर मोहम्मद नूरी, दीप कुमार पांडेय, विमल कुमार सिंह, भीकम सिंह लोधी, आत्माराम भारद्वाज, अमित भइयू, सौरभ पाल, दीपक धनगर, राजा आदि कांग्रेसी नेता उपस्थित थे।

चोरी की जांच को पहुंची पुलिस के प्रति भाकियू नेता ने ग्रामीणों को भड़काया, पथराव, बवाल

पुलिस ने बल प्रयोग कर घरों में की तोड़फोड़, पुलिस ने महिला सहित आठ को लिया हिरासत में

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। थाना पटियाली के गांव देउरईया में नकबजनी की जांच करने के लिए पहुंची पुलिस के प्रति भाकियू किसाननेता ने ग्रामीणों को भड़का कर पथराव करा दिया। इस घटना में पुलिस ने हल्का बल प्रयोगकरते हुए आठ लोगों को हिरासत में लिया। ग्रामीणों ने घरों में तोड़फोड़ करने आरोप पुलिसपर लगाया है। पुलिस ने पीड़ित गृहस्वामी की तहरीर चोरी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरूकर दी है। गांव देउरईया निवासी मूल चंद्र पुत्र प्यारेलाल के घर में शुक्रवार की रात चोरों ने नकबलगा दिया। चोर घर में घुसकर अलमारी में रखी चार पांच सोने की अंगूठी, तीन जोड़ी छाले, पायलो के अलावा डेढ़ लाख रुपए की नकदी निकाल कर ले गए। ग्रामीणों ने चोरी की सूचना पटियालीथाना पुलिस को दी।

पटियाली इंस्पेक्टर राधेश्याम, सीओ आरके पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस चोरी की घटना का निरीक्षण कर रही थी, इसी बीच भारतीय किसान यूनियन स्वराज के प्रदेश महासचिव कुलदीप बघेल मौके पर पहुंच गए। उन्होंने पुलिस परचोरों का संरक्षण देने का आरोप लगाकर ग्रामीणों को भड़का दिया। ग्रामीणों ने पुलिसपर पथराव कर दिया। बाद में भारी मात्रा में पुलिस बल गांव में पहुंच गया। जहां पुलिसने जमकर ग्रामीणों को खदेड़ा। ग्रामीणों काआरोप है कि पुलिस ने घरों में घुस कर जमकर तोड़ फोड़ की। उनके घरों में रखे कलूर, चारपाई,के अलावा चूल्हे भी फोड़ दिए। बाद में पुलिस ने पथराव करने वाली महिलाओं सहित आठ लोगोंको हिरासत में लिया है। पुलिस आगामी कार्रवाई में जुटी हुई है। गांव में भारी मात्रामें पुलिस बल तैनात है। वही भाकियू राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप पांडेय का कहना है कि देउरईया में मूलचंदबघेल के दो बेटों की शादी थी। चोर नकब लगाकर घर में रखी नकदी जेवर निकाल कर ले गए। चोरोंके प्रति ग्रामीण आक्रोश व्यक्त कर रहे थे, तभी पुलिस ने भाकियू नेता कुलदीप पांडेय के साथ मारपीट कर दी।

बीच बचाव की आई महिलाओं को भी नहीं वक्सा पुलिस ने लाठीचार्ज कर घरों में तोड़ फोड की। ग्रामीणों के साथ अमानवीय कृत्य किया गया। यह बर्दाश्त नहीं किया जाएंगा। वही सीओ पटियाली आरके पांडेय का कहना कि देउरईया गांव में चोरीकी सूचना 112 पर प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही मय स्वयं और पटियाली थानाध्यक्ष फोरेंसिकटीम के साथ मौके पर पहुंचे। जहां किसान यूनियन के नेता कुलदीप बघेल ने ग्रामीणों को भड़का दिया। ग्रामीण पुलिस कर्मियों पर ही चोरी कराने का आरोप लगाकर उग्र हो गए। उन्होंने पथराव किया। महिलाओं सहित आठ लोगों को हिरासत में लिया है। चोरी की तहरीर पर मुकदमादर्ज कर लिया गया। फिलहाल गांव में पुलिस तैनात है। शांति का माहौल है।

सहायक उपकरण पाकर खिल उठे दिव्यांगों के चेहरे

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अमांपुर में दिव्यांगों को दिए गए निशुल्क कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण

कासगंज। अमांपुर कस्बा में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम एलिम्को के तत्वावधान में सिविल जज सीनियर डिवीजन विवेक अग्रवाल ने अपने स्वर्गीय माता संध्या अग्रवाल एवं पिता विमल अग्रवाल की पुण्य स्मृति के उपलक्ष्य में शनिवार को कस्बे के बांके बिहारी गेस्ट हाउस में वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजन को निशुल्क सहायता उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में कस्बाई और ग्रामीण क्षेत्रों के दिव्यांगों को नि:ुल्क ट्राईसाइकिल, मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, फोल्डिंग व्हील चेयर, कृत्रिम पैर, हाथ, बैसाखी, कान की मीन, ब्रेलक्रेन, कमर की बेल्ट व सहायक उपकरण का वितरण किया गया। इस दौरान 74 दिव्यांग उपस्थित हुए। जिन्हे योजनाओं का लाभ दिया गया। उपकरण पाकर दिव्यांगों के चेहरे खिल उठे। भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम एलिम्को के अवर प्रबंधक रोहित वर्मा, पुर्नवास विशेषज्ञ एलिम्को सुजीत पाठक, श्रवण विशेषज्ञ एलिम्को हरिशंकर सिंह, सहायक विपणन एलिम्को अमरनाथ ने बताया कि शिविर में 74 दिव्यांगजनों को निशुल्क कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण वितरण किए गए। वहीं कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कासगंज द्वारा कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश रामेश्वर, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विजय कुमार, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्रीमती अनुपमा सिंह, दीवानी न्यायाधीश अपर डिवीजन आशीष कुमार ने श्रीमती संध्या अग्रवाल एवं विमल अग्रवाल के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर व पुष्प अर्पित कर किया गया। इस मौके पर सिविल जज सीनियर डिवीजन विवेक अग्रवाल, प्रधानाचार्य जागन सिंह सोलंकी, दिनेश चन्द्र अग्रवाल, महेश अग्रवाल, डॉ अमित गुप्ता,अनिल अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, बसन्त अग्रवाल, अतुल अग्रवाल, अरविन्द अग्रवाल, राकेश पाराशर, कमल गुप्ता, राहुल जौहरी, श्रीराम सोलंकी, आकाश गुप्ता सर्राफ, सोनू गुप्ता, आदर्श राजपूत, विमल राजपूत, यश अग्रवाल, आयुष अग्रवाल, कान्हा अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

की तीनों तहसीलों में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस हुआ सम्पन्न

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

तीनों तहसीलों में 139 शिकायतें दर्ज, 15 का अधिकारियों के माध्यम से मौके पर निस्तारण

समाज कल्याण एवं प्रोबेशन विभाग द्वारा लगाया गया पेंशन शिविर

डीएम ने पेंशन शिवर में पहुंचकर जनता से संवाद किया

गौतमबुद्ध नगर। जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जनपद की तीनों तहसीलों दादरी, जेवर और सदर में आज तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 139 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 15 शिकायतों का समाधान मौके पर ही संबंधित अधिकारियों द्वारा किया गया।

जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा द्वारा दादरी तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर सर्वप्रथम जिला समाज कल्याण विभाग एवं जिला प्रोबेशन विभाग द्वारा लगाए गए पेंशन कैंप का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पेंशन के लिए उपस्थित जन सामान्य से संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना। उन्होंने जनसामान्य की शिकायतों का अनुश्रवण करते हुए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांगजन पेंशन के लिए प्राप्त सभी नए आवेदनों का सत्यापन पूरी पारदर्शिता एवं गंभीरता से किया जाए। उन्होंने कहा कि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समय से प्राप्त हो, यह शासन की प्राथमिकता है। अतः संबंधित विभाग यह सुनिश्चित करें कि किसी भी योग्य व्यक्ति को अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े। सत्यापन की प्रक्रिया को सरल, संवेदनशील और मानवीय दृष्टिकोण के साथ प्राथमिकता पर पूर्ण किया जाए ताकि पात्र व्यक्तियों को शीघ्र पेंशन का लाभ मिल सके।

जिलाधिकारी ने तहसील समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जनता की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। दादरी तहसील में कुल 114 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 13 का समाधान मौके पर किया गया। जिलाधिकारी ने संपूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण के लिए शासन गंभीर है। अतः अधिकारी निस्तारण में कोताही न बरतें और प्राथमिकता के साथ प्रत्येक शिकायत का मौके पर जांच कर पोर्टल पर समयबद्ध फीड कराना सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार, उप जिलाधिकारी अनुज नेहरा, एसीपी दादरी सौम्या सिंह, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, तहसीलदार ओमप्रकाश पासवान, नायब तहसीलदार प्रज्ञा सिंह एवं संबंधित जिला स्तरीय विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

इसी क्रम में जेवर तहसील में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 21 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 01 का शिकायत का निस्तारण मौके पर किया गया। सदर तहसील में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 04 शिकायतें दर्ज की गईं, जिसमें 01 शिकायत का निस्तारण मौके पर ही सुनिश्चित किया गया।

विकास प्राधिकरणों में भवन मानचित्रों के लंबित प्रकरणों का एकमुश्त निस्तारण सुनिश्चित किया जाए: मुख्यमंत्री

सभी नगरों के जीआईएस आधारित मास्टर प्लान मई माह के अंत तक अनुमोदित कराए जाएं: मुख्यमंत्री

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास प्राधिकरणों में लंबित भवन मानचित्रों के प्रकरणों की समीक्षा के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है, जिस भी प्राधिकरण में मानचित्र से जुड़े मामलों में बार-बार आपत्तियां लगाया जाना अनुचित हैं, इसे सरल रूप देते हुए एक ही बार में निस्तारित किया जाना चाहिये। उन्होंने कहा है कि ऐसे जो भी प्रकरण लंबित हैं, एक समय सीमा तय करते हुए उनका निस्तारण कर दिया जाए। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए हैं कि नगरों में जीआईएस बेस्ड मास्टर प्लान अब तक अप्रूव नहीं हुआ है, उसे वर्तमान माह की समाप्ति से पहले अनुमोदित करा लिया जाए।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में विभागीय कार्ययोजना का आकलन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी नियोजन, आवासीय सुरक्षा, अधोसंरचना विकास एवं डिजिटल प्रबंधन जैसे सभी घटकों को एकीकृत दृष्टिकोण से लागू करना आवश्यक है। मेट्रो परियोजनाओं की प्रगति की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि कानपुर मेट्रो के मोतीझील से कानपुर सेंट्रल स्टेशन तक 6.7 किमी. लंबे अंडरग्राउंड सेक्शन का निर्माण पूर्ण हो गया है। कॉरीडोर 1 और 2 का कार्य इस वर्ष के अंत तक पूर्ण कर लिया जाएगा। आगरा मेट्रो के प्रथम कॉरिडोर को भी दिसम्बर 2025 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है, जबकि द्वितीय कॉरिडोर का कार्य 2026 तक निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में लखनऊ मेट्रो परियोजना के अंतर्गत चारबाग से बसंतकुंज तक (11.165 किमी) प्रक्रिया भी तेजी से चल रही है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने लखनऊ विकास प्राधिकरण के सीमा विस्तार की आवश्कता जताई, साथ ही जेपीएनआईएसी को यथाशीघ्र लखनऊ विकास प्राधिकरण को हस्तांतरित करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि भवन निर्माण एवं विकास उपविधि-2025 के प्रारूप पर 16 अप्रैल से 30 मई, 2025 तक जनसामान्य से सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। प्राप्त सुझावों के आधार पर इस उपविधि को अंतिम रूप में दिया जाएगा। लखनऊ में इंटरनेशनल एक्जीबिशन-कम-कन्वेंशन सेंटर परियोजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि ?900 करोड़ की लागत से 32.50 एकड़ भूमि पर केंद्र विकसित होने वाले इस विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर को अधिकतम 02 वर्ष में पूरा करा लिया जाए। यह कन्वेंशन सेंटर नए लखनऊ की पहचान बनेगी। यूपी-एससीआर की अद्यतन स्थिति पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली और बाराबंकी जिलों को समाहित करती है, जिसका कुल क्षेत्रफल 27,826 वर्ग किमी है। इसके डीपीआर की प्रक्रिया में अब विलंब न हो।

बैठक में आगामी तीन माह की कार्ययोजना पर भी चर्चा हुई। इसमें उत्तर प्रदेश टाउन एंड कंट्री प्लानिंग अधिनियम-2025, लैंड पूलिंग पॉलिसी-2025 और भवन निर्माण एवं विकास उपविधि-2025 जैसे महत्वपूर्ण पॉलिसी को लागू करने की प्रक्रिया शामिल है। इंटीग्रेटेड टाउनशिप नीति के अंतर्गत क्रियाशील परियोजनाओं को पूर्ण कराए जाने हेतु संशोधित गाइडलाइन भी शीघ्र ही जारी की जाएगी। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि मुख्यमंत्री शहरी विस्तार/नए शहर प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत अनुमोदित परियोजनाओं को जून 2025 से दिसंबर 2025 तक चरणबद्ध रूप से लॉन्च किया जाएगा। झांसी, बरेली, अलीगढ़, सहारनपुर, आगरा (ककुआ), कानपुर (न्यू कानपुर सिटी योजना), मथुरा (ट्रांसपोर्ट नगर), मुरादाबाद (डिडौसी), बुलंदशहर, गाज़ियाबाद, मेरठ और लखनऊ इसमें शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने सभी परियोजनाओं की समयबद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जीआईएस आधारित महायोजना संरचना के अंतर्गत प्रदेश के 59 नगरों की महायोजनाएं तैयार की जा रही हैं, जिनमें से 42 को अनुमोदन प्राप्त हो चुका है। शेष चार महायोजनाएं (झांसी, मैनपुरी, फरुर्खाबाद-फतेहगढ़ एवं बहराइच) के अनुमोदन की प्रक्रिया इसी माह में पूरी की जाए। मुख्यमंत्री ने निजी निवेश को प्रोत्साहित करने हेतु पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल आधारित परियोजनाओं को प्राथमिकता देने, प्रवासी श्रमिकों के लिए विशेष आवासीय योजनाएं संचालित करने और ग्रीन बिल्डिंग प्रमाणीकरण, सोलर रूफटॉप सिस्टम, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग एवं अपशिष्ट प्रबंधन को अनिवार्य शहरी मानक के रूप में लागू करने के निर्देश दिए।

दो बाईकों आपस मे टकराने से दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल 108 एंबुलेंस के ईएमटी ने बचाई जान

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश सरकार की संचालित 108 एंबुलेंस सेवा समय पर पहुंचकर मरीजों की जान बचाने के लिए 24 घंटे तत्पर रहती है। एंबुलेंस में तैनात प्रशिक्षित ईएमटी रास्ते में मरीज का बीपी, पल्स समेत अन्य शरीर की स्थिति की जानकारी लेकर विभागीय डाक्टरो की टीम से सुझाव लेकर मरीज को प्राथमिक उपचार देते हुए अस्पताल पहुंचाते है शनिवार को नई मंडी थाना मैनपुरी के समीप दो मोटर बाइक आपस मे टकरा गई जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए किसी व्यक्ति ने 108 पर एंबुलेंस के लिए कॉल किया जिनका केस एम्बुलेंस नंबर यूपी32 एफजी2175को मिला कॉल मिलते ही एंबुलेंस के पायलट अशोक कुमार ने समय से एंबुलेंस घटना स्थल पर पहुंचा दी और ईएमटी ने मरीज को एंबुलेंस में शिफ्ट कर तुरंत मरीज की ड्रेसिंग कर ब्लीडिंग को रोका और एंबुलेंस जिला अस्पताल के लिए मूव कराई, तत्पश्चात ईएमटी मरीज का प्रारंभिक आकलन कर वाइटल चेक किए उसके बाद ईएमटी विपिन कुमार ने डॉक्टर प्रेमचंद जी की सलाह ली और मरीज को मेडिसिन दी जिससे मरीज को दर्द मे राहत मिली ईएमटी विपिन कुमार ने जब तक मुकेश और उमेश को जिला अस्पताल में भर्ती कराया तब तक मरीज की हालत मे काफी सुधार हुआ जिससे मरीजो के परिजनों ने एंबुलेंस कर्मी और संस्था की सराहना की।

13मई को नगर में निकाली जाएगी भगवान परशुराम शोभायात्रा

बेवर। नगर क्षेत्र में इस बार 13मई को भगवान परशुराम शोभायात्रा निकाली जाएगी इसको लेकर सर्व ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश चंद्र पांडेय की अध्यक्षता में एक बैठक टीचर्स कालोनी में नितिन त्रिपाठी के आवास पर आहूत की गई जिसमें सर्वसम्मत से नितिन त्रिपाठी एवं अमन मिश्रा को शोभायात्रा का संयोजक चुना गया। वही संचालन गुलशन दीक्षित द्वारा किया गया।
बैठक में बोलते हुए सर्व ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश चंद्र पांडेय ने सर्वप्रथम कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जब तक समाज संगठित नहीं होगा तब तक किसी भी क्षेत्र में हिस्सेदारी नहीं मिल सकेगी। समाज को संगठित करने के लिए बैठकें होना बहुत आवश्यक है। समाज में शिक्षा प्रति जागरुगता लानी होगी। इससे शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ सके।
सर्व ब्राह्मण समाज की बैठक में परशुराम शोभायात्रा की चर्चा मुख्य रूप से हुई। बैठक में शोभायात्रा को भव्य और सफल बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया, जिसमें समाज के लोगों का सहयोग प्राप्त करने के लिए रणनीति बनाई गई। इस मौके पर संगठन के ब्रजेश चतुवेर्दी, भरत दुवे, देवेंद्र मिश्रा, विशाल दीक्षित, राजीव मिश्रा, अनुपम दीक्षित, प्रबल शुक्ला, गुलशन दीक्षित, श्यामनाथ दुवे, वीनू तिवारी, नीरज दुबे, धीरेंद्र अग्निहोत्री, मुन्नालाल पांडेय, लवकुश दीक्षित आदि मौजूद रहे।

मथुरा में दिल दहला देने वाला सड़क हादसा: इंदौर के तीन सगे भाईयों समेत चार की मौत, शव खुरचकर जुटाने पड़े

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

मथुरा। शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे ने चार परिवारों की खुशियां छीन लीं। हादसा इतना खौफनाक था कि शव सड़क पर चिपक गए और पुलिस को खुरच-खुरच कर उन्हें पॉलीथिन में भरना पड़ा। मृतकों में इंदौर के राजनगर निवासी तीन सगे भाई और मथुरा का एक युवक शामिल है।

ये सभी एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे और मंदिर दर्शन कर लौट रहे थे कि एक पल में जिंदगी खत्म हो गई। घटना दोपहर करीब दो बजे थाना जैत क्षेत्र के छटीकरा-आटस मार्ग पर कृष्णा कुटीर के पास हुई। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार थार (UP 85 CE 0202) और टेंपो (UP 85 AT 2864) के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हुई। टेंपो में सवार पांच लोग झटके से बाहर गिर गए। उसी समय पीछे से आ रहे डंपर (RJ 11 GB 6429) ने उन्हें बेरहमी से कुचल डाला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ लोग तड़पते रहे, लेकिन मदद पहुंचने से पहले उन्होंने दम तोड़ दिया। चार में से तीन लाशें सड़क पर बुरी तरह चिपक गईं। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद शवों को खुरचकर इकट्ठा किया और पॉलीथिन में भरवाया।

हादसे में मथुरा के जयसिंहपुरा निवासी टेंपो चालक 25 वर्षीय साबिर की मौत हो गई, जो अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला था। उसकी अभी शादी भी नहीं हुई थी और बहन की शादी का सारा जिम्मा उसी पर था। वहीं इंदौर के राजनगर के रहने वाले हुकुम चंद शर्मा (40), मुकेश शर्मा (45) और प्यारे लाल शर्मा (60) की भी जान चली गई। ये तीनों सगे भाई थे और एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने वृंदावन आए थे। घायल शिवम शर्मा (20) जो इनका चचेरा भाई है, फिलहाल अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहा है। जानकारी के मुताबिक, मृतक प्रेम मंदिर का दर्शन कर होटल लौट रहे थे। टेंपो ड्राइवर साबिर उनके साथ था। हादसा कृष्णा कुटीर के पास उस स्थान पर हुआ जहां सड़क पर तीखा मोड़ आता है। टक्कर इतनी भयानक थी कि थार और टेंपो के कल-पुर्जे करीब 100 मीटर तक सड़क पर बिखर गए। डंपर के गुजरने के बाद सड़क पर चप्पलें, बैग और खून में सना सामान बिखरा पड़ा था। दुर्घटना के बाद चीख-पुकार मच गई। राहगीरों ने घायलों को संभालने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंचा और क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाया गया। हादसे के करीब एक घंटे बाद सड़क पर यातायात बहाल हो सका। मथुरा के जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि मृतकों के परिजनों को हरसंभव आर्थिक सहायता दी जाएगी। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया गया है। उधर, घटना के बाद थार और डंपर चालक मौके से फरार हो गए। उड सदर संदीप सिंह के अनुसार, दोनों वाहनों के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर ड्राइवरों की तलाश की जा रही है और जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। इस दर्दनाक हादसे ने मथुरा में शादी के उत्सव को मातम में बदल दिया। इंदौर के एक ही परिवार के तीन सगे भाइयों की एक साथ हुई मौत से रिश्तेदारों में कोहराम मचा हुआ है। वहीं साबिर के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से चलने वाले भारी वाहनों की चपेट में आकर जान गंवाने की भयावह कीमत को सामने लाता है।

स्विस तकनीक से सुनिश्चित होगी गंगा एक्सप्रेसवे की क्वॉलिटी और कम्फर्ट

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार गंगा एक्सप्रेसवे को विश्वस्तरीय बनाने के लिए स्विस बेस्ड अत्याधुनिक तकनीक का सहारा ले रही है। स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख की ईटीएच यूनिवर्सिटी और आरटीडीटी लैबोरेट्रीज एजी के साथ हुए करार के तहत आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई)और सेंसर-आधारित तकनीक से रोड की गुणवत्ता और कम्फर्ट की जांच की जा रही है।

यह तकनीक निर्माण के दौरान ही खामियों को पकड़कर सुधारने में सक्षम है। गंगा एक्सप्रेसवे पर इस तकनीक का उपयोग करने के बाद इसे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर भी लागू करने की योजना है। उल्लेखनीय है कि 594 किलोमीटर लंबा गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक 12 जिलों को जोड़ेगा और भविष्य में इसे बलिया तक विस्तारित किया जाएगा,जिससे यह देश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे बनेगा।

स्विस तकनीक का उपयोग इस परियोजना को तकनीकी रूप से उन्नत बनाने के साथ-साथ योगी सरकार के उस विजन को रेखांकित करता है, जो उत्तर प्रदेश को 'एक्सप्रेस प्रदेश' के रूप में स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा)के एसीईओ श्रीहरि प्रताप शाही ने बताया कि गंगा एक्सप्रेसवे की राइडिंग क्वॉलिटी और कम्फर्ट को सुनिश्चित करने के लिए स्विस तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

इसके तहत वायब्रेशन टेक्नोलॉजी और 7 एक्सेलेरोमीटर सेंसर (4 क्वॉलिटी और 3 कम्फर्ट के लिए) से लैस इनोवा वाहन सभी 6 लेन की जांच कर रहा है। यह वाहन रोड की सतह, कम्फर्ट लेवल और उतार-चढ़ाव का डाटा एकत्र करता है,जिसे ऑनलाइन ग्राफ के रूप में देखा जा सकता है।

ज्यूरिख की विशेषज्ञता से तकनीकी उन्नति

योगी सरकार ने स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख की ईटीएच यूनिवर्सिटी और आरटीडीटी लैबोरेट्रीज एजी के साथ मिलकर यह तकनीक लागू की है। सेंसर-आधारित डिवाइस और डाटा कलेक्शन उपकरण रोड की गुणवत्ता का रियल-टाइम विश्लेषण करते हैं। इस तकनीक से यह तुरंत पता चल जाता है कि सड़क का कौन सा हिस्सा मानकों पर खरा नहीं उतर रहा। निर्माण के दौरान ही इन कमियों को सुधारने से बाद में मेंटेनेंस की लागत और चुनौतियां कम होंगी। उन्होंने बताया कि पहले सड़क निर्माण के बाद क्वॉलिटी की जांच होती थी, जिससे मैन्युफैक्चरिंग डिफेक्ट को ठीक करना मुश्किल होता था। गंगा एक्सप्रेसवे पर स्विस तकनीक के जरिए निर्माण के दौरान ही रोड की क्वालिटी और कम्फर्ट की निगरानी हो रही है। सेंसर रोड के अप्स एंड डाउन्स और कम्फर्ट लेवल को मापते हैं और जहां जरूरत होती है, वहां तुरंत सुधार किया जाता है।

आगामी 10 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

गौतम बुद्ध नगर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में अपर जिला जज/ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऋचा उपाध्याय ने बताया कि दिनांक 10/05/2025 को जनपद गौतमबुद्धनगर में मुख्यालय एवं तहसील स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में विशेषतः आपराधिक शमनीय वाद, पारिवारिक मामलें, मोटरयान दुर्घटना अधिनियम के मामले, बिजली व पानी से संबधित मामले, धारा 138 एन.आई. एक्ट के वाद, भू-राजस्व वाद, सेवा सम्बन्धित मामले एवं प्री-लिटीगेशन मामलों के साथ-साथ सुलह समझौते के माध्यम से निस्तारण योग्य अन्य विवाद, जिनमें पक्षकार पारस्परिक सद्भावना के अधीन सन्धि हेतु इच्छुक हो वह मामले राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किये जायेगे।

राजस्व वादों का हो समयबद्ध निस्तारण, तेज करायें लैंड रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण: मुख्यमंत्री

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को राजस्व विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने बैठक की शुरूआत में ही दो महत्वपूर्ण बिंदुओं ''राजस्व वादों के समयबद्ध निस्तारण और भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण' को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि इन कार्यों को प्रत्येक स्तर पर तीव्र गति से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि भूमि संबंधी विवादों का शीघ्र समाधान न केवल जनविश्वास, बल्कि राज्य में निवेश और विकास के लिए भी आवश्यक है, वहीं लैंड रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण पारदर्शी, भ्रष्टाचार-मुक्त और उत्तरदायी शासन प्रणाली की नींव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व विभाग जनविश्वास का आधार है और उसकी कार्य संस्कृति जनकेंद्रित, तकनीकी रूप से दक्ष और संवेदनशील होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि शेष भू-अभिलेखों का डिजिटलीकरण शीघ्र पूर्ण किया जाए और शहरी क्षेत्रों का लैंड रिकॉर्ड तैयार कर उसे प्राथमिकता से ऑनलाइन पोर्टल पर सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने राजस्व परिषद के पोर्टल की रीडिजाइनिंग की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि यह अधिक उपयोगकर्ता अनुकूल और परिणाममूलक होना चाहिए। साथ ही लेखपाल से लेकर आयुक्त स्तर तक एकीकृत डैशबोर्ड विकसित करने का निर्देश दिया, ताकि विभागीय निगरानी सरल हो सके और आमजन को सीधा लाभ मिले। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्राधिकरणों के लैंडयूज डेटा को खतौनी पर प्रदर्शित किया जाए और धारा 80 के अंतर्गत भू-उपयोग परिवर्तन प्रक्रिया को सरल व पारदर्शी बनाया जाए। नामांतरण वादों को पूर्णतः ऑटोमेट किए जाने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे नागरिकों को सुगमता और समयबद्ध न्याय प्राप्त होगा। उन्होंने चकबंदी प्रक्रिया में तकनीकी हस्तक्षेप और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, साथ ही सावधान किया कि चकबंदी की जटिलताओं के कारण गंभीर सामाजिक विवाद जन्म ले सकते हैं, अतः इसे अत्यंत संवेदनशीलता से निपटाया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि अविवादित वरासत के मामलों का निस्तारण अधिकतम 15 कार्यदिवस के भीतर किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि रियल टाइम खतौनी, आधार सीडिंग, किसान रजिस्ट्री, पैमाइश और खसरा पड़ताल से जुड़े सभी लंबित प्रकरणों का समाधान तय समय सीमा में अनिवार्य रूप से किया जाए। इसके लिए आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त मानव संसाधन की व्यवस्था की जाए।

विभाग द्वारा प्रस्तुत जानकारी के अनुसार, विगत वर्ष में ही 36 लाख से अधिक जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र निर्गत किए गए, जिनमें से 85% आवेदन सात कार्यदिवसों के भीतर ऑनलाइन निस्तारित हुए।

प्रदेश में मोटा अनाज (मिलेट्स) उत्पादन से किसानों को हो रहा है लाभ

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में ज्वार, बाजरा, कोदो, सावाँ, रागी/मडुआ आदि मोटे अनाज की खेती, प्रसंस्करण और उपभोग बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम को मंजूरी दी है। इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट 2023 के मद्देनजर लॉन्च की गई इस नई योजना के तहत 05 सालों में प्रदेश सरकार 18626.50 लाख रुपए खर्च कर रही है। इस कार्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है मिलेट की खेती को बढ़ावा देते हुए क्षेत्राच्छादन, उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाते हुए किसानों की आय में भी इजाफा करने के लिए वैल्यू एडीशन और मार्केटिंग के जरिए मिलेट को आम जनता की थाली तक पहुंचाना है, जिससे उन्हें संतुलित आहार अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

मिलेट्स यानी मोटा अनाज की खेती और उपभोग को प्रोत्साहित करने के लिये उत्तर प्रदेश सरकार ने उ०प्र० मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के संचालन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम नामक यह नई योजना वर्ष 2022-23 से वर्ष 2026-27 तक संचालित की जा रही है। कार्यक्रम क्रियान्वयन की इस अवधि में 18626.50 लाख रुपये का अनुमानित खर्च आंकलित है, जिसे राज्य सरकार वहन कर रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मिलेट्स को श्री अन्न नाम देते हुए अधिक से अधिक लोगों को खाद्यान्न में अपनाने पर बल दिया है।

केन्द्र सरकार द्वारा खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के तहत मिलेट्स के उपभोग के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए वर्ष 2023 को अन्तर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष (इण्टरनेशनल ईयर आफ मिलेट्स) के रूप में मनाये जाने का निर्णय लिया गया था। प्रदेश सरकार ने प्रदेश में संचालित प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलम्बन (एग्रीजंक्शन) योजना को अगले 5 साल के लिए संचालित करने के प्रस्ताव को अनुमति प्रदान कर दी है। कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं की सेवाओं का उपयोग कर कृषि सेक्टर में रोजगार सृजन को बढ़ाने के उद्देश्य से यह योजना क्रियान्वित की गई है। सरकार ने औद्योगिक भूमि की आवश्यकता को सुनिश्चित कराने के लिये निजी औद्योगिक पार्क के विकास की योजना के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान कर दी है। इसे निजी प्रवर्तक के द्वारा बिल्ड ओन आपरेट (बीओओ) के आधार पर संचालित किया जाएगा। एमएसएमई इकाईयों के द्वारा कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार का सृजन कियां जाता है।

वर्तमान में प्रदेश में ऐसी 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां हैं, जिन्हें और अधिक बढ़ाया जा रहा हैं। निजी औद्योगिक पार्क के भू-खण्डों के आवंटन, संचालन तथा मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं के रख-रखाव का सम्पूर्ण दायित्व निजी प्रवर्तक का होगा। योजना के अन्तर्गत निजी प्रवर्तकों द्वारा 10 एकड से 50 एकड़ तक की भूमि पर औद्योगिक पार्क विकसित करने का प्रस्ताव भूमि के स्वामित्व के कागजात एवं आगणन सहित जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र को उपलब्ध कराया जाएगा। चयनित भूमि का भू उपयोग औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिये होना चाहिए। इनमें मिलेट्स इकाइयां भी स्थापित होगी। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किसानों, कृषि के क्षेत्र में बढ़ावा देने के लिए राज्य में कई प्रकार की योजनाएं संचालित की गई है ताकि गरीब किसानों की आय में वृद्धि हो सके। प्रदेश में किसानों के लिए आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना 2023 को भी शुरू किया गया है। राज्य सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्वार कार्यक्रम पोर्टल को शुरू किया गया है इस पोर्टल के तहत राज्य में मिलेट्स में अर्थात मोटे अनाजों के उत्पादन में बढ़ावा प्रदान करने के लिए राज्य में किसानों को प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है। देश में मोटे अनाज की बढ़ती हुई मांग को लेकर यूपी सरकार ने इस पोर्टल को शुरू किया है और इस पोर्टल में राज्य के किसान एवं जनता को लाभ प्रदान किया जाएगा।

योजना के तहत मोटे अनाजों जैसे- ज्वार, बाजरा, कुट्टू, मडुआ, कोदो, सांवा, रागी आदि जो भी मोटे अनाजों की खेती करने के लिए किसानों को मोटे अनाजं के उत्पादन के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है। जिसके तहत किसानों की आय में भी वृद्धि हो रही है। मिलेट्स उत्पादन में भारत का दुनिया में पहला स्थान है। पोर्टल के तहत राज्य की जनता को मोटे अनाजों का उपयोग करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इस पोर्टल में सरकार द्वारा मिलेट्स बीज उत्पादन के लिए 4 लाख रूपए की सीड मनी को इस योजना के तहत संचालन हेतु देय है। इच्छुक नागरिक योजना की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर लाभ प्राप्त कर सकते है। योजना में आवेदन करने के लिए पात्रताओं में जो उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हो और किसान के पास 20 हेक्टेयर की जमीन होनी चाहिए। जिसमें वह मोटे अनाज का उत्पादन कर सके। जो भी आवेदक इस पोर्टल पर आवेदन करेगा उसका एफ.पी.ओ पंजीकृत और ग्रेडिंग पास होना जरुरी है। किसान के पास कृषक उत्पादन संगठन करीब दो साल पुराना होना चाहिए। एफ. पी.ओ में करीब 300 शेयर तथा एक साल का टर्न ओवर लगभग दस लाख तक होना चाहिए। किसान को फसल के बीज का उत्पादन करने या मिलेटस बीज तथा विवरण मगचमतपमदबम होना चाहिए, जिससे की यह आसानी से मोटे बीजों का उत्पादन कर सके। प्रदेश में किसान मोटे अनाजों का उत्पादन करें इसके लिए उनको प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए ज्वार, सांवा, बाजरा मडुआ, कोदो आदि मोटे अनाजों के बीजों को मुफ्त में प्रदान किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में 2,47000 बीज मिनी किट निःशुल्क वितरित किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 554 किसानों को प्रशिक्षण 62 बीज उत्पादन पर एफ0पी0ओ0 का प्रशिक्षण, 2646ग्राम पंचायतों पर किसान पाठशाला का आयोजन एवं 34 एक्सपोजर विजिट आदि कार्यक्रम कराये गये। प्रदेश में 20 मिलेट्स प्रसंस्करण, पैकेजिंग सह वितरण केन्द्र की स्थापना की जा रही है। 45 एफ०पी०ओ० को सीड मनी के रूप में रू0 180 लाख का अनुदान दिये जाने की व्यवस्था की गई है। 10 कृषि विश्वविद्यालय/कृषि विज्ञान केन्द्रों को रू० 950.00 लाख अनुदान तथा मिलेट्स अनुसंधान एवं नवाचार हेतु उपकार को 233 लाख अनुदान उपलब्ध कराया गया है। 20 मोबाइल 33 आउटलेट एवं 23 मिलेट्स स्टोर की स्थापना भी की जा रही है।

प्रदेश सरकार ने 31 दिसंबर, 2024 तक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर मक्का, बाजरा और ज्वार की खरीद की है। इसके लिए कैबिनेट ने मोटे अनाज क्रय नीति को मंजूरी दे दी है। प्रदेश में किसानों से मक्का 2225 रुपए प्रति क्विंटल, बाजरा 2625 रुपए प्रति क्विंटल, ज्वार (हाइब्रिड) 3371 रुपए प्रति क्विंटल और ज्वार (मालदांडी) 3421 रुपए प्रति क्विंटल की दर से मक्का की खरीद की गई है।

ताजनगरी में अपराधियों का राज

दस दिन में दो हत्याएं, चार पर फायरिंग, पुलिस पर उठे गंभीर सवाल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। ताजनगरी में अपराधियों के हौसले दिनों-दिन बुलंद होते जा रहे हैं। बीते दस दिनों में शहर में दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि चार अन्य जानलेवा फायरिंग की घटनाओं में बाल-बाल बचे। ये सभी वारदातें न केवल भीड़भाड़ वाले इलाकों में हुईं, बल्कि कुछ घटनाएं दिनदहाड़े अंजाम दी गईं। सिकंदरा से लेकर ताजगंज और न्यू आगरा तक, शहर के कोने-कोने में अपराधियों का दुस्साहस साफ देखा जा सकता है। कारगिल चौराहे पर 26 अप्रैल को 18 वर्षीय युवक मिलन को उस समय गोली मार दी गई जब वह जूस पी रहा था। बाइक सवार दो युवक आए और सिर में गोली मारकर फरार हो गए। यही नहीं, इसी इलाके में 31 दिसंबर को एक युवक की गोली मारकर हत्या हो चुकी है। इससे पहले सराफा कारोबारी से लूट के दौरान भी इसी क्षेत्र में हत्या की

वारदात हुई थी। इसके बावजूद जिस पुलिस चौकी के अंतर्गत ये घटनाएं हुईं, वहां न तो किसी पर कार्रवाई हुई, न ही जिम्मेदारी तय की गई। ताजगंज क्षेत्र में शाहिद बिरयानी रेस्टोरेंट पर 23 अप्रैल को तीन युवकों ने कर्मचारी गुलफाम की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपियों ने न सिर्फ हत्या की जिम्मेदारी ली, बल्कि सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर खुद को सामने लाया। पुलिस ने दो हत्यारोपियों और वीडियो वायरल करने वाले को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन मुख्य आरोपी पुष्पेंद्र अब भी फरार है। इसी दिन सैफ अली नाम के युवक पर भी फायरिंग हुई, जिसमें गोली उसके गले के पास से निकल गई। न्यू आगरा क्षेत्र में केंद्रीय हिंदी संस्थान मार्ग पर 23 अप्रैल को ही एक और सनसनीखेज वारदात सामने आई। कार से टक्कर लगने पर ऑटो चालक जवाहरलाल को गोली मार दी गई। आरोपी अजय यादव, जो सूर्यलोक कॉलोनी में रह रहा था, मूल रूप से एटा का रहने वाला है और गैंगस्टर है। पुलिस को उसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी। 28 अप्रैल की रात शाहगंज क्षेत्र के नरीपुरा में दोस्त ने ही दोस्त को गोली मार दी। मामूली कहासुनी के बाद असलम नामक युवक ने इस्लाम पर फायर कर दिया। गोली इस्लाम की पीठ में लगी और हमलावर नाले में कूद गया। घटना के बाद बाजार में अफरातफरी मच गई और दुकानें बंद हो गईं। 30 अप्रैल की रात एत्मादपुर क्षेत्र में बाइक और कार की मामूली टक्कर के बाद टूंडला निवासी नितिन और उसके साथियों पर फायरिंग की गई। आरोपी बाइक सवारों ने कार का पीछा कर तहसील चौराहे के पास गोलियां चलाईं और फरार हो गए। इन लगातार हो रही घटनाओं ने शहरवासियों में भय का माहौल बना दिया है।

अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ चुका है कि वे न तो समय की परवाह करते हैं, न ही स्थान की। जिस प्रकार से वे वीडियो बनाकर जिम्मेदारी ले रहे हैं और पुलिस उन्हें पकड़ने में नाकाम हो रही है, वह ताजनगरी की कानून व्यवस्था पर गहरे सवाल खड़े करता है। चौकी प्रभारी और बीट सिपाहियों की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। जिन क्षेत्रों में बदमाश आराम से रह रहे हैं, वहां पुलिस को भनक तक नहीं। क्या चौकियों का काम केवल रूटीन गश्त तक सीमित रह गया है? शहर के नागरिक अब यह पूछने लगे हैं कि आखिर सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा, और अपराधियों को खुली छूट देने वालों पर कब कार्रवाई होगी?

जूस पीते युवक को गोली मारने वाले दोनों बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। ताजनगरी की सड़कों पर लगातार हो रही गोलीबारी की घटनाओं के बीच पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। 26 अप्रैल को कारगिल चौराहे पर 18 वर्षीय युवक मिलन को गोली मारने वाले दोनों हमलावरों को थाना सिकंदरा पुलिस, सर्विलांस और एसओजी की टीम ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया है। यह मुठभेड़ शनिवार को एनएच-2 पर उस समय हुई जब दोनों बदमाश फरार होने की कोशिश में थे।

पुलिस को देखते ही उन्होंने टीम पर गोली चला दी, जिसके जवाब में हुई कार्रवाई में दोनों घायल हो गए। घटना को लेकर पुलिस के अनुसार, 24 अप्रैल को मिलन और उसके दोस्तों का विवाद ग्राम चौहटना निवासी अमन और कुछ अन्य युवकों से हुआ था। दो दिन बाद यानी 26 अप्रैल को अमन ने अपने साथी अभिषेक उर्फ रोनी के साथ मिलकर कारगिल चौराहे के पास देवी राम फूड सर्किल के सामने मिलन को उस समय गोली मार दी जब वह जूस पी रहा था। हमलावरों ने मिलन के सिर में तमंचे से गोली मारकर मौके से फरार हो गए थे। इसके बाद युवक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज अब भी चल रहा है। पुलिस ने इस वारदात को गंभीरता से लेते हुए मुकदमा दर्ज कर तीन टीमें गठित की। शनिवार को चेकिंग के दौरान एनएच-2 पर सुनारी की ओर से आ रहे बाइक सवार दो युवकों को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए दोनों को जेसीबी ग्राउंड के पास से मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान अमन पुत्र महाराज सिंह निवासी ग्राम चौहटना थाना जगदीशपुरा और अभिषेक उर्फ रोनी पुत्र अनिल कुमार निवासी ग्राम दहतोरा थाना सिकंदरा के रूप में हुई है। दोनों बदमाशों के पास से दो तमंचे, दो जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस और वारदात में प्रयुक्त अपाचे बाइक बरामद हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने झगड़े के बाद बदला लेने के इरादे से वारदात को अंजाम दिया था। गोली मारने के बाद वह बाइक को इटावा-कानपुर हाइवे के पास छोड़कर इधर-उधर छिपते रहे और मौके की तलाश में थे कि आगरा से फरार हो सकें। इस मुठभेड़ के बाद थाना सिकंदरा पर आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट और पुलिस पर जानलेवा हमले की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं शहर में हुई लगातार फायरिंग और हत्याओं के मामलों ने पुलिस की सक्रियता और खुफिया तंत्र पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब जबकि बदमाश पकड़े जा चुके हैं, आमजन को कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन ताजनगरी में खुलेआम गोलियां चलना अब भी गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा प्रारंभ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

बेवर। विकासखंड क्षेत्र के गांव करुआमई नगरिया में भव्य एवं पारंपरिक वेश में शुक्रवार से श्री मद् भागवत कथा का कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। वृंदावन धाम के कथा प्रवक्ता गोपालदास जी महाराज के नेतृत्व में कथा आयोजन स्थल से पवित्र जलस्त्रोत से जल भरने के साथ शुरू हुई कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु शामिल रहीं। पवित्र जलस्त्रोत से कलश को भर कर लाने के बाद कथा आयोजन स्थल पर धार्मिक विधि एवं मंत्रोच्चरण के साथ स्थापित किया गया। आरती के साथ शुरू किए गए श्रीमद् भागवत कथा में आचार्य गोपालदास जी महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को सर्वप्रथम इसकी महिमा से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि विश्व में सभी कथाओं में ये श्रेष्ठ मानी गई है। जिस स्थान पर इस कथा का आयोजन होता है, वो तीर्थ स्थल कहलाता है। इसका सुनने एवं आयोजन कराने का सौभाग्य भी प्रभु प्रेमियां को ही मिलता है। ऐसे में अगर कोई दूसरा अन्य भी इसे गलती से भी श्रवण कर लेता है, तो भी वो कई पापों से मुक्ति पा लेता है। इसलिए सात दिन तक चलने वाली इस पवित्र कथा को श्रवण करके अपने जीवन को सुधारने का मौका हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। अगर कोई सात तक किसी व्यवस्तता के कारण नहीं सुन सकता है, तो वह दो तीन या चार दिन ही इसे सुनने के लिए अपना समय अवश्य निकालें। तब भी वो इसका फल प्राप्त करता है, क्योंकि ये कथा भगवान श्री कृष्ण के मुख की वाणी है, जिसमें उनके अवतार से लेकर कंस वध का प्रसंग का उल्लेख होने के साथ साथ इसकी व्यक्ति के जीवन में महत्ता के बारे में भी बताया गया है। इसके सुनने के प्रभाव से मनुष्य बुराई त्याग कर धर्म के रास्ते पर चलने के साथ साथ मोक्ष को प्राप्त करता है। कथा प्रवक्ता ने बताया कि इस कथा को सबसे पहले अभिमन्यु के बेटे राजा परीक्षित ने सुना था, जिसके प्रभाव से उसके अंदर तक्षक नामक नाग के काटने से होने वाली मृत्यु का भय दूर हुआ और उसने मोक्ष को प्राप्त किया था।इस मौके पर स्वर्णलता,नीरज सिंह वैस,पंकज वैस,भोलू दुवे,पवन चौहान,रमन शुक्ला,आकाश प्रताप,अशोक आदि मौजूद रहे।

बारात में बुकिंग लेकर आया था युवक, लड़की को बहला फुसलाकर किया था अगवा

दुष्कर्म के वांछित आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार लिखा पढ़ी कर भेजा जेल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

बिछवां। थाना क्षेत्र के एक गांव में बीते दिनों गैर जनपद से एक बारात आई थी। उस बरात में बोलेरो में बुकिंग लेकर एक युवक भी आया था। उसने गांव से एक नाबालिग किशोरी को बहला फुसलाकर रात में ही भगा ले गया था। मामले में पुलिस को तहरीर दी गयी थी और पुलिस ने प्राथमिक दर्ज कर लड़की को बरामद कर लिया था जिसे न्यायालय में पेश किया गया था। न्यायालय में उसने लड़के के विरोध में ब्यान दिए साथ ही बलात्कार करने की बात कही। आरोपी युवक फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक ने अपना नाम युवक विशाल पुत्र कमलेश बाबू निवासी अल्लैपुर खड़ौआ थाना बागवाला एटा को थाना पुलिस ने शनिवार की सुबह फर्दपुर के समीप से गिरफ्तार कर लिया और थाने लाकर लिखा पढ़ी कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

खेत में गेहूं की खड़ी फसल में ट्रैक्टर निकालने से हुआ नुकशान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी। थाना क्षेत्र के गांव गुलालपुर निवासी हाल निवास यादव नगर रोड कुसमरा गोपाल सिंह पुत्र रामेश्वर सिंह ने थाने में शिकायत की है।आरोप है कि शुक्रवार को वह अपने खेत ग्राम गुलालपुर में गेहूं की फसल देखने गए थे। जिसमें उनके भाई राकेश कुमार उनके गेहूं की खड़ी फसल में होकर ट्रैक्टर निकालकर काफी नुकसान कर दिया। जब उन्होंने नुकसान के बारे में कहा तो राकेश कुमार व उनके ससुरालीजन विनोद कुमार व श्याम पाल व मुकेश कुमार पुत्रगढ़ कन्नौजी लाल निवासी ग्राम आवाजपुर द्वारा एक राय होकर गाली गलौज करने लगे। जब उन्होंने गाली देने से विरोध किया तो उपरोक्त चारों नामजदों ने लाठी डंडे व लात घूसों से उन्हें मारा पीटा जिससे उनके काफी गंभीर चोटें आयी है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि उपरोक्त सभी नामजद उन्हें धमकी देकर चले गए कि दोबारा इधर आए तो तुम्हें जिंदा नहीं छोड़ेंगे। जबकि उक्त घटना पर मौजूद अमलेश सिंह पुत्र मोहर सिंह निवासी रहुपूरा थाना बेवर व यस गुप्ता पुत्र मनोज गुप्ता निवासी यादव नगर इटावा रोड कुसमरा जो की घटना के समय मौजूद थे। पुलिस ने चार नामजद के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

महिला ने निजी बने मकान को खाली जगह दिखाकर कराया पुत्र से बैनामा

पीड़ित का आरोप महिला द्वारा गलत वीडियो बनाकर पूरे परिवार को फसाने व वायरल करने की देती है धमकी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी। थाना क्षेत्र के मौजा बसेत के गांव ग्राम काशी निवासी सरनाम सिंह पुत्र रामदयाल ने एसडीएम को प्रार्थना पत्र दिया है।आरोप है उनका एक मकान नगला काशी में बना है जिसमें उनके दो कमरे एक बाथरूम तथा आगे टीनशैड पड़ा है।और चारों तरफ बाल बाउंड्री पर गेट चढ़ा है। जिस मकान को उनके छोटे पुत्र जयवीर सिंह जो की शराबी किस्म का व्यक्ति है जिसको उनके गांव की किरन भारती पत्नी नरवीर सिंह निवासी नगला काशी द्वारा उनके मकान को दिनांक 22 नवंबर 2024 को खाली जगह दिखाकर बैनामा करा लिया है। जबकि मकान उनके नाम पर है व कब्जा है। वह अभी जीवित है फिर भी उनके पुत्र जयवीर सिंह द्वारा मकान बैनामा कर दिया है। पीड़ित ने बताया है कि किरन भारती ने औरैया जिला में एक महिला के खेत का बैनामा फर्जी तरीके से कराया हुआ है। किरन भारती पर उस महिला से मुकदमा औरैया में चल रहा है। उक्त महिला किरन भारती सातिर किस्म की है जो वहलाफुसलाकर बैनामा करा लेती है। उन्होंने आरोप यह भी लगाया है कि उक्त महिला किरन भारती उनका व उनके परिवार की गलत वीडियो बना बनाकर लोगों को दिखाती है तथा उनके मोबाइल पर भी डालती हैं तथा उनसे कहती है कि रुपए दे दो तो वीडियो नहीं डालेंगे नहीं तो तुम्हें और तुम्हारे पूरे परिवार को फंसा देंगे।पुलिस ने एसडीएम के आदेश पर पीड़ित कि तहरीर पर दोनों नामजद के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच है।

सांसद चाहर व मेयर हेमलता के प्रयास रंग लाए, पांच करोड़ से बनेगा तोरा चौकी से शमसाबाद रोड की ओर जाने वाला मार्ग

एडीए और नगर निगम के बीच में उलझे तारों को सुलझाया सांसद चाहर व मेयर ने

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। ताजनगरी क्षेत्र में लंबे समय से ऊबड़ खाबड़ पड़ी एकता चौकी और तोरा पुलिस चौकी के बीच सवा सौ फुटा रोड के दिन जल्द ही बदलने जा रहे हैं। फतेहपुरसीकरी लोकसभा क्षेत्र के सांसद राजकुमार चाहर व मेयर हेमलता दिवाकर के प्रयासों से नगर निगम और आगरा विकास प्राधिकरण मिलकर इस सड़क को मॉडल रोड बनाने जा रहे हैं। एक हफ्ते के अंदर ही निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। शमसाबाद रोड और फतेहाबाद रोड को आपस में जोड़ने वाला यह मुख्य रास्ता सालों से खस्ताहाल पड़ा हुआ था। रास्ते में करीब सात सौ मीटर का हिस्सा आगरा विकास प्राधिकरण के अधीन आता है और बाकी करीब 2.5 किमी नगर निगम के अधीन है। दोनों विभागों के बीच सामंजस्य न बन पाने के चक्कर में रोड खस्ताहाल हो गया था। जबकि यह रोड फतेहाबाद और शमसाबाद रोड को आपस में जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है। सांसद चाहर ने अपने दूसरे कार्यकाल के प्रारम्भ होने के बाद से नगर निगम और विकास प्राधिकरण के बीच तालमेल बिठाने के प्रयास किए, जिसमें उन्हें अंततः सफलता हासिल हुई और करीब पांच करोड़ रुपये से इसका निर्माण कराए जाने का फैसला हुआ। आज सांसद चाहर ने मेयर हेमलता दिवाकर कुशवाह, नगर आयुक्त अंकित खंडेलवाल और पार्टी के पार्षदों इस मार्ग का निरीक्षण किया और एक सप्ताह में कार्य शुरू कराने को आश्वस्त किया। यह रोड मॉडल रोड के रूप में तैयार किया जाएगा। आने वाले समय में यह रोड इस क्षेत्र की लाइफ लाइन के रूप में विकसित हो जाएगी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादी ने खुद पर उड़ेला ज्वलनशील पदार्थ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। तहसील सदर, आगरा में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान उस समय हड़कंप मच गया, जब एक फरियादी ने राजस्व विवाद से आहत होकर खुद पर ज्वलनशील पदार्थ उड़ेल लिया। हालांकि, प्रशासन की तत्परता से बड़ी अनहोनी टल गई।

जानकारी के अनुसार ग्राम व पोस्ट दहतोरा, तहसील सदर निवासी शिवचन्द उर्फ शिवदत्त पुत्र पीतम सिंह ने दोपहर 12:45 बजे सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान अपने खेत के लिए गूल व चकरोड को कब्जा मुक्त कराने के सम्बन्ध में प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया। तभी अचानक उन्होंने जेब से ज्वलनशील पदार्थ की बोतल निकालकर खुद पर उड़ेल ली। मौके पर मौजूद तहसील कर्मचारियों ने तत्काल सूझबूझ दिखाते हुए बोतल उनके हाथ से छीनी और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालकर ज्वलनशील पदार्थ को धो दिया, जिससे जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ। उप जिलाधिकारी सदर सचिन राजपूत ने बताया कि फरियादी द्वारा इससे पूर्व 19 अप्रैल 2025 को भी तहसील दिवस में शिकायत दर्ज कराई गई थी। जांच में सामने आया कि ग्राम मगटई, तहसील सदर की गाटा संख्या 59मि, रकबा 0.2000 हेक्टेयर पर फरियादी शिवचन्द, राजवीर और रामवती का नाम दर्ज है। यह भूमि एक मिनजुमला नम्बर के अंतर्गत आती है जो तीन खातों में विभक्त है लेकिन उसका भूचित्रीय विभाजन नहीं हुआ है।

शिवचन्द का खेत खसरा संख्या 59 पर स्थित है और वह खसरा संख्या 57 (नहर के रूप में चिह्नित) के रास्ते खसरा संख्या 58 व 72 के बीच होकर अपने खेत तक पहुंचने का दावा कर रहे हैं। हालांकि, जांच में पाया गया कि चकबंदी से पहले जो गूल खेत तक जाती थी, वह अब मान्य नहीं है क्योंकि चकबंदी उपरान्त (1995) के बाद उसे भूचित्र से विलोपित कर दिया गया।

ताजमहल से अखाड़े तक: विदेशी सैलानी बने देसी पहलवान

ब्राह्मण अखाड़े में दिखाया दमखम, भारतीय कुश्ती को किया सलाम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। ताजमहल देखने आए विदेशी सैलानियों ने शुक्रवार को शहर की परंपरा और मिट्टी से ऐसा रिश्ता जोड़ लिया, जिसे देखकर हर कोई चकित रह गया। जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया से आए दो पेशेवर रेसलरों ने न केवल भारतीय कुश्ती को करीब से जाना, बल्कि पारंपरिक लंगोट पहनकर अखाड़े में उतर भी गए। ब्राह्मण अखाड़े की मिट्टी में विदेशी जोश जब देसी दांव-पेच से टकराया, तो वहां मौजूद दर्शकों ने तालियों की गूंज से आसमान भर दिया। ताजमहल की खूबसूरती निहारने के बाद विदेशी पर्यटकों ने स्थानीय गाइड से शहर की सांस्कृतिक विरासत के बारे में जानना चाहा। उन्हें बताया गया कि आगरा में कुश्ती की गहरी परंपरा रही है और ब्राह्मण अखाड़ा इसका जीवंत प्रमाण है। यह सुनते ही दोनों विदेशी रेसलरों ने वहां जाने की इच्छा जताई। अखाड़े में पहुंचने पर उन्होंने पहलवानों से बातचीत की, मिट्टी की खुशबू को महसूस किया और भारतीय कुश्ती के गुर सीखे। देखते ही देखते दोनों विदेशी पहलवानों ने पारंपरिक लंगोट पहनने की इच्छा जताई। अखाड़े के उस्ताद रामसेवक पहलवान की देखरेख में उन्हें लंगोट बांधा गया और कुछ दांव भी सिखाए गए। फिर क्या था– जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया के ये रेसलर देसी मिट्टी में कूद पड़े। उन्होंने भारतीय पहलवानों के साथ अभ्यास किया और पारंपरिक शैली में कुश्ती लड़ी। इस अनोखे संगम ने खेल को सीमाओं से परे कर दिया। विदेशी मेहमानों ने न केवल कुश्ती का

सम्मान किया, बल्कि इसे एक गहन सांस्कृतिक अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि भारत की कुश्ती सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि आत्मा और शरीर का संतुलन है, जो अनुशासन, परंपरा और मानसिक ताकत से जुड़ी हुई है। ब्राह्मण अखाड़े के उस्ताद रामसेवक पहलवान ने कहा, हमारे लिए यह गर्व की बात है कि विदेशी सैलानी हमारी सांस्कृतिक धरोहर को अपनाना चाहते हैं। यह हमारी परंपरा की ताकत है, जो ताजमहल की चमक से भी आगे बढ़कर दुनिया का ध्यान खींच रही है।

कार्यक्रम के अंत में विदेशी रेसलरों ने अखाड़े की मिट्टी माथे पर लगाई और भारतीय कुश्ती को सलाम करते हुए कहा कि वे अपने देश लौटकर इस अनुभव को लोगों तक जरूर पहुंचाएंगे। ताजमहल से शुरू हुआ इनका आगरा दौरा अखाड़े की मिट्टी में रच-बसकर एक यादगार अनुभव में तब्दील हो गया।

ऑपरेशन जागृति के तहत तहसील कुरावली में लगाया केम्प

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली। तहसील में उपजिलाधिकारी और थाना प्रभारी धर्मेन्द्र सिंह चौहान के नेतृत्व में ऑपरेशन जागृति फेज फोर के तहत जागरूकता अभियान केम्प लगाया गया। उपजिलाधिकारी और थाना प्रभारी ने कार्यक्रम में पहुच महिलाओं और युवतियों को उनके अधिकारों, सुरक्षा और विभिन्न कानूनी प्रावधानों के बारे में जागरूक किया, तो वही टोल फ्री नंबर का जिक्र करते हुए मदद का विश्वास दिलाया।

मैंनपुरी के कुरावली तहसील और गांव कल्यानपुर में शासन और प्रशासन की मंशा के अनुसार ऑपरेशन जागृति फेस फॉर के तहत केम्प लगाया गया। कार्यक्रम में आई महिलाओ और युवतियों को उपजिलाधिकारी ने संबोधित करते हुए उनके अधिकारों और हकूकों के लिए जागरूक किया। थाना प्रभारी धर्मेन्द्र सिंह चौहान ने नगरवासियो को संबोधित जरते हुए बताया कि घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, साइबर अपराध और अन्य प्रकार के अपराधों से घबराने की जरूरत नही है। किसी भी प्रकार की समस्या के लिए 24 घंटे पुलिस आपकी सेवा में है। जुल्म सहने समस्या का निवारण नही है बल्कि निमंत्रण है। तो वही झूठे मुकदमे से बचने की सलाह दी। प्रभारी निरीक्षक ने पुलिस की हेल्पलाइन नंबर और अन्य महत्वपूर्ण संपर्क सूत्रों की जानकारी भी साझा की, ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे तुरंत सहायता प्राप्त कर सकें। जिससे क्षेत्र की प्रत्येक महिला और युवती सुरक्षित महसूस करे और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहे। साइबर फ्रॉड और ए आई के गलत स्तेमाल को विस्तार से बताते हुए अनजान लोगों को अपनी निजी जानकारी व डाटा साझा न करने की सलाह दी। इस अवसर पर उपनिलाधिकारी, प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह चौहान व काफी पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

विद्यालय की करोड़ों की जमीन पर भू माफिया के कब्जे का आरोप, एडीएम को दिया ज्ञापन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी। नगर के मध्य में परिषदीय विद्यालय के पास पड़ी बेशकीमती जमीन पर भू माफियाओं की नजर लग गयी है।भू माफियाओं ने जमीन पर प्लाटिंग के लिये गैर समुदाय के व्यक्ति बैनामा भी करवा लिया है।लोगों ने इसकी शिकायत एडीएम से की है।एडीएम ने मामले की जांच एसडीएम को दी है।

नगर में जूनियर हाईस्कूल के बगल में बेशकीमती जमीन पड़ी है।वर्ष 1999 से इस पर विद्यालय समिति व एक विपक्षी के विरुद्ध मुकदमा चल रहा है।नगर के अल्पसंख्यक समाज के परिवार ने खतौनी में नाम चढ़ने के हवाला देकर इसका बैनामा प्रोपर्टी डीलिंग करने वालों के नाम कर दिया।स्थानीय लोगों को पता चलने पर उनमें आक्रोश फैल गया।शुक्रवार सांय नगर के जेएस गार्डन में नगर के लोगों की बैठक हुई।जिसमें सभी ने परिषदीय विद्यालय और अन्य व्यक्ति के मध्य मुकदमा चलने के बावजूद बैनामा करने पर आपत्ति जताई।बैठक में व्यापार मण्डल नगर अध्यक्ष विनोद गुप्ता,पूर्व चेयरमैन अनिल मिश्रा, सुधीर गुप्ता, दिनेश शर्मा, बॉबी भदौरिया, सभासद राहुल गुप्ता,अमित जाटव,शायल कुमार, पंकज चौहान,राहुल चौहान, रमाकान्त गुप्ता, अनिल सविता, अंशुल पाल सहित कई लोग मौजूद थे।

शनिवार को सभी ने समाधान दिवस में एडीएम रामजी मिश्रा को ज्ञापन सौंपा।सभी ने बताया कि जिस जमीन का बैनामा किया गया वहां पर परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थी बागबानी करते थे और एक कुआं भी स्थित था। जमीन का मुकदमा चलने के बावजूद बैनामा करने से भू माफिया इस पर कब्जा करना चाह रहा है।

व्यापारियों ने चेतावनी दी कि जल्द न्याय न मिला या बैनामा कैंसिल न हुआ तो बड़ा आन्दोलन किया जाएगा। जिस पर एडीएम ने मामले की जांच एसडीएम को सौंपकर शिकायत सही पाए जाने पर एबीएसए को मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए।

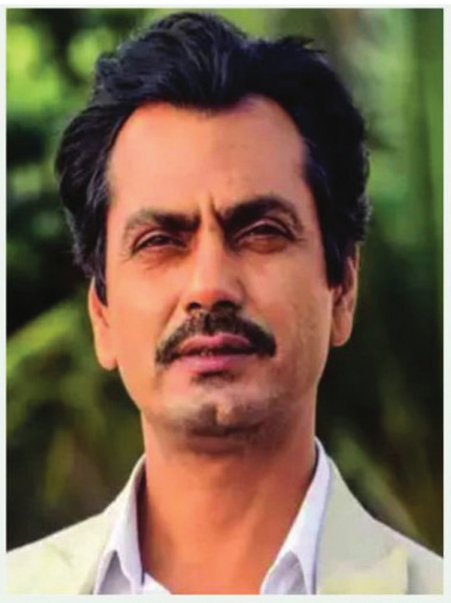

नवाजुद्दीन की अदाकारी में ईमानदारी और स्थिरता है, जो उन्हें अलग बनाती है

बॉलीवुड इंडस्ट्री के सबसे बहुमुखी और प्रभावशाली अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी चाहे वह किसी भी तरह की भूमिका निभा रहे हों, उन्होंने हमेशा अपनी बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों के दिलों पर राज किया है। उनका हर किरदार सहजता से दिल को छूने वाला होता है और वह हर फिल्म में खुद को नए रूप में पेश करते हैं। नवाजुद्दीन का अभिनय इतना वास्तविक होता है कि दर्शक उन्हें स्क्रीन पर अभिनय नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन में जीने की तरह महसूस करते हैं। उनकी अदाकारी में ईमानदारी और स्थिरता है, जो उन्हें अन्य अभिनेताओं से अलग बनाती है।
नवाजुद्दीन ने अपनी कला के जरिए से न केवल बॉलीवुड में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी एक अलग पहचान बनाई है। हाल ही में ट्रेड एक्सपर्ट ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी की तारीफ करते हुए कहा कि उनके अभिनय में कुछ खास है। उन्होंने नवाजुद्दीन की तुलना दिवंगत अभिनेता इरफान खान से करते हुए कहा कि नवाजुद्दीन में एक ऐसा गुण है, जो बहुत कम अभिनेताओं में होता है। उनका अभिनय रियल होता है दिखावा नहीं होता, बल्कि वह किरदार में पूरी तरह से खो जाते हैं। उनकी हर परफॉर्मेंस में ऐसा महसूस होता है कि वह जी रहे हैं, अभिनय नहीं कर रहे हैं।
कभी-कभी, यह मुझे इरफान खान की याद दिलाता है, लेकिन नकल में नहीं, बल्कि सार में वह शांत ईमानदारी और कहानी के प्रति सम्मान, जो इरफान की खासियत थी।
नवाजुद्दीन की अभिनय शैली की गहरी समझ को दर्शाता है। नवाजुद्दीन के अभिनय में एक सहजता और स्थिरता है, जो उन्हें किसी भी भूमिका में पूरी तरह से सजीव और वास्तविक बना देती है। उनका अभिनय कभी भी दर्शकों को कला का एहसास नहीं कराता, बल्कि ऐसा लगता है जैसे वह खुद किरदार का हिस्सा हैं। इस बयान का समर्थन करते हुए व्यापार विश्लेषक ने भी कहा कि नवाजुद्दीन सिद्दीकी की अभिनय क्षमता ने उन्हें भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में एक अनमोल स्थान दिलाया है। उनकी कला न केवल उनके अभिनय कौशल को दर्शाती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि वे फिल्म इंडस्ट्री में अपने अद्वितीय योगदान से सदैव याद किए जाएंगे।

25 साल बाद सूर्यवंशम के मासूम बेटे की बदल गई पहचान

- अब 33 साल के हो चुके हैं आनंद वर्धन

1999 में रिलीज हुई अमिताभ बच्चन की फिल्म सूर्यवंशम भले ही बॉक्स ऑफिस पर असफल रही हो, लेकिन इसका टीवी पर सफर बेहद शानदार रहा है। यह फिल्म टेलीविजन पर सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली फिल्मों में शुमार है और इसके कई संवाद और किरदार आज भी सोशल मीडिया पर मीम्स के जरिए जीवित हैं। खासकर हीरा ठाकुर और उनके बेटे के रिश्ते को दिखाने वाले दृश्य अब भी दर्शकों के दिलों में बसे हुए हैं। फिल्म में अमिताभ बच्चन ने डबल रोल निभाया था और उनके बेटे का किरदार निभाने वाले चाइल्ड आर्टिस्ट आनंद वर्धन ने भी अपनी मासूम अदायगी से खास पहचान बनाई थी। आज वही आनंद वर्धन 33 साल के हो चुके हैं और उन्हें पहचान पाना काफी मुश्किल हो गया है।
आनंद वर्धन ने उस समय अपने फिल्मी कैरियर की शुरुआत किया था जब वे सिर्फ चार साल के थे और सूर्यवंशम के बाद उन्हें चाइल्ड आर्टिस्ट के रुप में पहचान मिली थी। वे तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में वह एक जाना-पहचाना नाम थे। सूर्यवंशम में उन्होंने छोटे ठाकुर भानु प्रताप की भूमिका निभाई थी। फिल्म का एक बेहद लोकप्रिय डायलॉग 'संस्कार उम्र से बड़े हैं' उन्हीं पर फिल्माया गया था, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। इस सीन में वे अपने दादा जी ठाकुर भानु प्रताप सिंह को स्याही गिरने पर माफ कर देते हैं, और यही क्षण फिल्म की सबसे भावनात्मक झलकियों में से एक बन गया।
इस फिल्म का निर्देशन ईवीवी सत्यनारायण ने किया था और यह तमिल फिल्म सूर्या वामसम की हिंदी रीमेक थी। शुरुआती दौर में फिल्म को सिनेमाघरों में कुछ खास प्रतिक्रिया नहीं मिली, लेकिन समय के साथ इसकी लोकप्रियता बढ़ती चली गई और यह एक क्लासिक के रूप में उभरी। हर उम्र के दर्शकों ने इसे अपना प्यार दिया। वर्तमान में आनंद वर्धन फिल्मों से पूरी तरह दूर नहीं हुए हैं। उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट साउथ की कई अन्य फिल्मों में भी काम किया और आज भी फिल्म इंडस्ट्री से उनका नाता बना हुआ है। हालांकि अब वह काफी बदल चुके हैं और बहुत से लोग उन्हें पहचान भी नहीं पाते।

मौनी रॉय ने साझा किया डरावना अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री मौनी रॉय इन दिनों अपनी आने वाली हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूतनी के प्रमोशन में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ सनी कौशल, पलक तिवारी और संजय दत्त भी नजर आएंगे। हाल ही में अपने एक साक्षात्कार में मौनी ने अपने साथ हुई एक बेहद डरावनी घटना का जिक्र किया, जिसने उन्हें भीतर तक हिला कर रख दिया था। मौनी ने बताया कि एक बार वह एक छोटे शहर में थीं, जहां उनके होटल के कमरे में रात के समय एक अनजान व्यक्ति जबरदस्ती घुसने की कोशिश कर रहा था। मौनी ने इस घटना को याद करते हुए बताया कि किसी तरह उस शख्स ने उनके कमरे की चाबी चुरा ली थी और दरवाजा खोलने की कोशिश कर रहा था। इस समय मौनी अकेली नहीं थीं, उनकी मैनेजर भी उनके साथ मौजूद थीं। जब दोनों ने देखा कि कोई व्यक्ति अंदर घुसने की कोशिश कर रहा है, तो उन्होंने जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। इससे वह व्यक्ति भाग गया और तुरंत होटल रिसेप्शन को बुलाया गया। उन्होंने आगे बताया कि रिसेप्शनिस्ट ने इस स्थिति को बहुत ही कैजुअल ढंग से लिया और कहा कि शायद वह कोई हाउसकीपिंग स्टाफ रहा होगा। इस पर मौनी ने सवाल उठाया कि भला कौन सा हाउसकीपिंग स्टाफ बिना नॉक किए, बिना बेल बजाए, रात के 12:30 बजे दरवाजा खोलने की कोशिश करता है। मौनी ने इस अनुभव को बेहद डरावना बताया और कहा कि यदि उनकी मैनेजर साथ नहीं होती, तो हालात और खराब हो सकते थे। इसके साथ ही मौनी ने ट्रोलिंग को लेकर भी बात की, जहां हाल ही में उनके लुक्स को लेकर कई लोगों ने सोशल मीडिया पर उन्हें निशाना बनाया था और यह तक कह डाला कि उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है। इस पर मौनी ने बेबाकी से जवाब दिया कि वह इस तरह की ट्रोलिंग को देखती ही नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी को स्क्रीन के पीछे बैठकर दूसरों को ट्रोल करने से खुशी मिलती है, तो उन्हें ऐसा करने देना चाहिए, लेकिन वह इन बातों से प्रभावित नहीं होतीं।

निकिता दत्ता ने बाबुलनाथ मंदिर में मांगी मन्नत

एक्ट्रेस निकिता दत्ता इन दिनों अपनी फिल्म ज्वेल थीफ को लेकर खूब चर्चा में हैं। फिल्म रिलीज होने के तीन दिन बाद ही वह मुंबई के प्रसिद्ध बाबुलनाथ मंदिर पहुंचीं और भगवान शिव के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उनका मंदिर से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें निकिता को सफेद रंग के सुंदर पारंपरिक परिधान में देखा जा सकता है। इस ड्रेस पर लाल फूलों का आकर्षक डिजाइन बना हुआ था, जिसमें वह बेहद खूबसूरत नजर आईं। वीडियो में निकिता श्रद्धा भाव से पूजा करती और नंदी के कान में मन्नत मांगती नजर आती हैं। उनके इस सादगी भरे अंदाज ने फैंस का दिल जीत लिया है। लोग उनकी भक्ति और ट्रेडिशनल लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं। इससे पहले ज्वेल थीफ के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान निकिता ने फिल्म से जुड़ी अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा था कि इस फिल्म के जरिए उन्हें क्लासिक बॉलीवुड हीरोइन बनने का मौका मिला, जो उनका सपना था। उन्होंने निर्देशक सिद्धार्थ आनंद और उनकी पत्नी ममता आनंद का आभार भी जताया था। फैंस निकिता के नए सफर को लेकर बेहद उत्साहित हैं और उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं।

कृष्णा श्रॉफ का एमएमए मैट्रिक्स: फिटनेस को भारत में नई दिशा दे रहा है

जानी-मानी फिटनेस आइकन और बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ आज फिटनेस और हेल्थ वेलनेस के क्षेत्र में एक सशक्त नाम बन चुकी हैं। फिटनेस के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता ने उन्हें एक सफल एंटरप्रेन्योर भी बना दिया है। कृष्णा और टाइगर श्रॉफ द्वारा स्थापित एमएमए मैट्रिक्स आज भारत में फिटनेस के प्रति सोच को बदलने का काम कर रहा है।
एमएमए मैट्रिक्स की शुरुआत मुंबई के एक प्रमुख जिम से हुई थी, और आज इसकी लगभग 14-15 फ्रेंचाइज़ी देशभर में फैल चुकी हैं। यह विस्तार इस बात का प्रमाण है कि उनकी विशिष्ट ट्रेनिंग शैली और वेलनेस अप्रोच को लोग किस कदर पसंद कर रहे हैं। कृष्णा श्रॉफ बताती हैं, "हमने एमएमए मैट्रिक्स के जरिए एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाना चाहा, जो पारंपरिक जिम अनुभव से कहीं आगे हो। हमारा लक्ष्य विश्वस्तरीय फिटनेस सुविधाएँ भारत में उपलब्ध कराना और व्यक्तिगत जुड़ाव को बनाए रखना था।" एमएमए मैट्रिक्स की सबसे बड़ी खूबी इसका समावेशी और सहायक माहौल है। यहाँ बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, और पुनर्वास की आवश्यकता वाले लोगों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। इसके प्रशिक्षक न केवल फिटनेस में माहिर हैं, बल्कि पुनर्वास-केंद्रित ट्रेनिंग में भी दक्ष हैं, जिससे वह उन लोगों की भी मदद कर पाते हैं जो पारंपरिक जिम अनुभव से खुद को दूर कर देते थे।
कृष्णा ने जोर देते हुए कहा, यह सिर्फ़ उपकरणों की बात नहीं है; हमने एक ऐसा माहौल तैयार किया है जो व्यवसाय नहीं, बल्कि एक समुदाय जैसा महसूस होता है। हम चाहते हैं कि लोग जब हमारे जिम में आएं तो वे प्रेरित, समर्थित और सम्मानित महसूस करें। एमएमए मैट्रिक्स का यह दृष्टिकोण इसे अन्य व्यावसायिक जिम्स से अलग बनाता है। यहाँ स्थायी फिटनेस आदतों को विकसित करने के लिए सही मानसिक और भावनात्मक वातावरण तैयार किया गया है। अपने मिशन में कृष्णा श्रॉफ फिटनेस को भारत में हर वर्ग और हर ज़रूरत के व्यक्ति तक पहुँचाना चाहती हैं एक ऐसा लक्ष्य जो तेजी से हकीकत में बदल रहा है

कश्मीर के बचपन की यादें साझा कीं सेलीना जेटली ने

- पहलगाम आतंकी हमले पर किया भावुक पोस्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व मिस इंडिया यूनिवर्स सेलीना जेटली ने हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद एक भावुक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कश्मीर में बिताए अपने बचपन के अनुभवों को याद करते हुए एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें वह महज 8 या 9 साल की उम्र की दिख रही हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 'एक सैनिक की बेटी शैव भूमि में- गोलियों से बचती हुई, अपने भय से नहीं।' इस पोस्ट में उन्होंने अपने उन दिनों की चर्चा की जब वे आर्मी पब्लिक स्कूल, उधमपुर में पढ़ती थीं और उनके पिता पहाड़ी रेजीमेंट में अधिकारी थे। सेलीना ने बताया कि उन्होंने उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश जैसे शांत और सुंदर इलाकों में भी समय बिताया, लेकिन कश्मीर की यादें हमेशा भय और सतर्कता से जुड़ी रहीं। उन्होंने लिखा कि उन्हें आज भी वह समय याद है जब स्कूल जाने के लिए बच्चों को हथियारों से लैस गार्ड्स की सुरक्षा में जाना पड़ता था। वे शक्तिमान या थ्री टन मिलिट्री ट्रकों में स्कूल जाती थीं, जो आम बच्चों की तरह स्कूल बसें नहीं थीं, बल्कि सुरक्षा का एक अभिन्न हिस्सा थीं। उन्होंने बताया कि बचपन में ही उन्हें यह सिखाया जाता था कि अगर गोलीबारी हो तो कैसे झुकना है, चुप रहना है और खुद को कैसे सुरक्षित रखना है। उन्होंने लिखा कि कश्मीर जैसे खूबसूरत स्थान में भी वह खुलकर मैदानों में दौड़ नहीं सकती थीं, न ही जंगली फूलों को छू सकती थीं और न ही दोस्तों के साथ बेफिक्री से खेल सकती थीं। अपने पोस्ट में सेलीना ने यह भी सवाल उठाया कि जो कश्मीर कभी ऋषियों की भूमि, शैव दर्शन और आध्यात्मिकता का केंद्र था, वह अब आतंक और डर का पर्याय कैसे बन गया है। उन्होंने हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले पर दुख व्यक्त करते हुए लिखा कि इस हमले ने उनके बचपन की डरावनी यादों को फिर से ताजा कर दिया है। उन्होंने अंत में लिखा कि अब वक्त आ गया है कि इस डर के चक्र को तोड़ा जाए ताकि फिर से शांति, सुंदरता और आध्यात्मिकता की वापसी हो सके। उनका यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों की संवेदनाएं भी इससे जुड़ रही हैं।

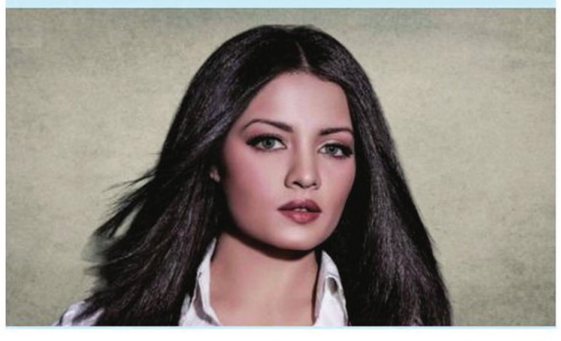

शहनाज को चढ़ा पेंटिंग का नया शौक

पंजाब की कैटरीना कैफ के नाम पहचान बनाने वाली और दमदार फैन फॉलोइंग के लिए मशहूर एक्ट्रेस शहनाज गिल एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह उनकी कोई फिल्म या गाना नहीं, बल्कि उनका नया शौक पेंटिंग हैं। हाल ही में शहनाज ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पेंटिंग करते हुए कई फोटो साझा कीं, जिसमें वह रंगों के साथ खेलती और ब्रश के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। उनके इस नए अंदाज को फैंस द्वारा बेहद पसंद किया जा रहा हैं और सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। अपनी चुलबुली अदाओं के लिए जानी जाने वाली शहनाज ने बचपन से ही एक्टिंग का सपना देखा था। मॉडलिंग से करियर की शुरुआत करने के बाद वह कई म्यूजिक वीडियोज़ और पंजाबी फिल्मों का हिस्सा रहीं। 2017 में सत श्री अकाल से उन्होंने फिल्मी डेब्यू किया। लेकिन असली लोकप्रियता उन्हें बिग बॉस 13 से मिली, जिसने उनके करियर को नई उड़ान दी। इसी शो के बाद उन्हें सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान में अहम रोल मिला। इसके बाद शहनाज ने फिल्म थैंक्यू फॉर कमिंग में भी शानदार अभिनय किया और राजकुमार राव की फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में अपने आइटम सॉन्ग सजना वे सजना से खूब तारीफें बटोरीं। इसके अलावा उनका म्यूजिक वीडियो शीशे वाली चुन्नी रैपर हनी सिंह के साथ काफी लोकप्रिय हुआ, जिसे रिलीज़ के दो घंटे के भीतर ही 1.1 मिलियन से ज्यादा व्यूज़ मिले।
काम की बात करें तो शहनाज गिल जल्द ही निर्देशक अमरजीत सिंह सरोन की फिल्म इक कुड़ी में नजर आएंगी, जो 13 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। शहनाज न केवल अभिनय और गायन में बल्कि अब कला के क्षेत्र में भी अपनी रचनात्मकता का परिचय दे रही हैं। उनके फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि वह पेंटिंग के जरिए भी किस तरह का जादू बिखेरती हैं।

माधुरी दीक्षित ने साझा किए शादी के शुरुआती दिनों के संघर्ष

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित और उनके पति डॉक्टर श्रीराम नेने की शादी को अब कई साल हो चुके हैं। यह जोड़ी न केवल फिल्मी दुनिया के परफेक्ट कपल्स में गिनी जाती है, बल्कि दोनों के बीच आपसी समझ और प्यार भी मिसाल के तौर पर देखा जाता है। माधुरी ने साल 1999 में अमेरिका के कार्डियक सर्जन डॉक्टर नेने से शादी की थी। शादी के बाद वह लंबे समय तक फिल्मों से दूर रहीं और परिवार को प्राथमिकता दी। हाल ही में माधुरी दीक्षित का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपनी शादीशुदा जिंदगी के शुरुआती दिनों के संघर्षों पर बात कर रही हैं। अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किए गए इस वीडियो में माधुरी ने बताया कि शादी के शुरुआती साल आसान नहीं थे, क्योंकि नेने फ्लोरिडा में काम करते थे और वह अकेले घर और बच्चों की जिम्मेदारियां निभा रही थीं। उन्होंने कहा कि नेने की ड्यूटी इतनी व्यस्त होती थी कि कई-कई दिन वे उन्हें देख नहीं पाती थीं। वह रातभर काम करके घर लौटते थे और थकान की वजह से डिनर किए बिना ही सो जाते थे। माधुरी ने बताया कि वह बच्चों को स्कूल ले जाना, वापस लाना, घर के काम करना सब कुछ खुद संभालती थीं। कभी जब वह बीमार होतीं तो डॉक्टर नेने उनके साथ नहीं होते क्योंकि वे किसी मरीज की देखभाल में व्यस्त होते थे। बावजूद इसके, उन्होंने कभी शिकायत नहीं की और हमेशा अपने पति पर गर्व महसूस किया। माधुरी ने कहा, जब आप घर पर होते थे, तो सब कुछ संभालते थे। आप कहते थे कि बस मुझे चार घंटे सोने दो, फिर मैं सब देख लूंगा। डॉक्टर नेने ने भी अपनी तरफ से कहा कि एक डॉक्टर होने के नाते उन्होंने काफी काम किया, लेकिन एक पछतावा हमेशा रहेगा कि उन्होंने अपनों के साथ ज्यादा समय नहीं बिता पाया। उन्होंने बताया कि शादी के वक्त वह जनरल सर्जरी कर चुके थे और फ्लोरिडा में अपनी मेडिकल प्रैक्टिस के लिए काम कर रहे थे। माधुरी ने इस बातचीत के अंत में कहा कि शादी से पहले उनकी जिंदगी में सिर्फ काम था, लेकिन शादी के बाद उन्हें असल जिंदगी का अनुभव हुआ। दोनों अब भारत में रह रहे हैं और अपने दो बेटों के साथ संतुलित पारिवारिक जीवन बिता रहे हैं।

स्वामी मोर्निंग सिटी मल्टीमीडिया प्रा.लि. मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), पुरराज प्रिंट एंड पैकिंग प्रा. लि., ई - 19 सेक्टर 6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से छपवाकर शॉप न. - 307, 308 एल्फा - 1 नीलकंठ प्लाजा, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949) (समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशक सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नही है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की सकती है। ई-मेल-morningcityinput@gmail.com।